* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	26.2	17.6
जमशेदपुर	29.0	16.4
डालटनगंज	26.6	13.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रविवार 25 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्ण प्रतिपदा , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 308

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

12 राज्य 338 सीटें

बनी बात और गठबंधन हुआ मुकम्मल, बची सीटों पर कांग्रेस अकेले करेगी एनडीए का सामना

लोस चुनाव : एनडीए-इंडिया में सीधा मुकाबला !

शुभम संदेश नेटवर्क

लोकसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे करीब आ रही है, वैसे-वैसे इंडिया गठबंधन भी आकार लेने लगा है. आरोप-प्रत्यारोप और रूठने-मनाने की घटनाओं के बीच 542 में से अब तक करीब 296 सीटों पर गठबंधन के दलों की सहमति बन गई है. पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस के साथ भी कांग्रेस की बातचीत अंतिम दौर में है. इस बातचीत के केंद्र में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी भी आ गयी हैं. ऐसे में पूरी संभावना है कि एक-दो दिन में बंगाल और पूर्वोत्तर की सीटों पर कांग्रेस और टीएमसी के बीच साझा उम्मीदवार उतारने पर सहमित बन ही जाएगी.

कुल मिलाकर दो दल बिहार में जदयू और यूपी में जयंत चौधरी की पार्टी गठबंधन से बाहर निकली. शेष दलों के बीच सीटों का बंटवारा अंतिम रूप ले रहा है. इसके अलावा करीब 200 सीटों पर कांग्रेस अकेले दम पर भाजपानीत एनडीए से सीधा मुकाबला करेगी.

अगर पश्चिम बंगाल में गठबंधन को वहां सफलता मिल गयी, तो कुल 338 सीटों पर एनडीए और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी के बीच सीधा मुकाबला होगा. इससे इंडिया गठबंधन और एनडीए के दलों को कितना फायदा या नुकसान होगा, यह तो चुनावी रिजल्ट के बाद भी पता चल पाएगा. लेकिन एक बात तय है कि केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा, इंडिया गठबंधन की ताजा स्थिति को लेकर चौकन्ना जरूर हो गई है.

राज्य का नाम	सीट	पार्टियां
झारखंड	14	कांग्रेस, झामुमो, राजद व वामपंथी पार्टियां.
बिहार	40	कांग्रेस, राजद और वाम दल
यूपी	80	कांग्रेस व समाजवादी पार्टी
महाराष्ट्र	48	कांग्रेस, शिव सेना उद्धव, एनसीपी (शरद पवार गुट)
पश्चिम बंगाल	42	कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी पार्टियां
हरियाणा	10	कांग्रेस व आम आदमी पार्टी
गुजरात	26	कांग्रेस व आम आदमी पार्टी
मध्य प्रदेश	29	कांग्रेस, सपा और आप
दिल्ली	07	कांग्रेस व आम आदमी पार्टी
गोवा	02	कांग्रेस व आम आदमी पार्टी
चंडीगढ़	01	कांग्रेस व आम आदमी पार्टी
तमिलनाडु	39	द्रमुक और कांग्रेस

कांग्रेस और आप के बीच सीटें हुईं, लॉक, पंजाब में दोनों अलग-अलग लड़ेंगी चुनाव

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने तय किया है कि दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में दोनों दल गठबंधन करके लड़ेंगे. लेकिन पंजाब में दोनों पार्टियां रणनीतिक आधार पर राज्य की सभी 13 सीटों पर अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी. शनिवार को दोनों दलों की साझा प्रेस कांफ्रेंस में कहा गया कि चंडीगढ़ सीट पर कांग्रेस का सामूहिक उम्मीदवार मैदान में होगा. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक ने आम आदमी पार्टी के नेता संदीप पाठक, सौरभ भारद्वाज और अतिशी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सीट बंटवारे की घोषणा की. वासनिक ने कहा, दिल्ली में आम आदमी पार्टी चार और कांग्रेस तीन सीट पर चुनाव लड़ेगी. आप दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और नयी दिल्ली लोकसभा सीट पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि कांग्रेस चांदनी चौक, उत्तर पश्चिम दिल्ली और उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर चुनाव लड़ेगी. राष्ट्रीय राजधानी में सात लोकसभा सीटें हैं.

कोचिंग संस्थानों ने जीएसटी वसूला, पर जमा नहीं किया

शुभम संदेश नेटवर्क

कोचिंग सेंटर संचालकों ने टैक्स चोरी की है. टैक्स चोरी का यह आंकड़ा 850 करोड़ से अधिक तक पहुंच गया है. इन कोचिंग संचालकों ने छात्रों से फीस के साथ 18% जीएसटी वसूली, लेकिन वसूली गई राशि को सरकारी खजाने में जमा नहीं किया. माल एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने इसकी जांच शुरू कर दी है. अभी तक जो भी जानकारी मिली है, उसके मुताबिक देश के करीब 150 से अधिक कोचिंग संस्थानों को चिन्हित किया गया है, जिन्होंने टैक्स की चोरी की है. इनमें बड़े- छोटे कोचिंग सेंटर शामिल हैं. इन सभी के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है. जांच में यह भी पता चला है कि कोचिंग संस्थानों ने छात्रों की संख्या कम दिखा कर भी टैक्स की चोरी की है.

बता दें कि अभी जिन कोचिंग सेंटर की जांच की जा रही है, उनमें दिल्ली, कोटा, बेंगलुरु, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई से लेकर टियर-टू शहरों में स्थित संस्थान शामिल हैं. जांच एजेंसियों को आशंका है कि रांची के भी कुछ कोचिंग संस्थानों ने इस तरह की टैक्स चोरी की है. इस वजह से रांची की जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं. अंदेशा है कि जल्द ही कुछ बड़े कोचिंग संस्थानों की जांच शुरू होगी. जिससे पता चल सकेगा कि छात्रों से 18% जीएसटी वसूलने के बाद उसे जमा न करने वाले संस्थान कौन-कौन से हैं. टैक्स चोरी करने वालों के खिलाफ पेनाल्टी वसूलने के साथ साथ गिरफ्तारी का भी प्रावधान है.

इस बीच शुभम संदेश को पता चला है कि रांची के कुछ कोचिंग संस्थानों ने टैक्स चोरी का अलग तरीका अपनाया है. इन्होंने टैक्स के रूप में वसूली जाने वाली राशि को फीस में छूट देकर माफ कर दिया. इससे राजस्व की क्षति हुई है. ऐसा करना जीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 132 (1डी) के तहत अपराध है. उल्लेखनीय है कि जांच पूरी होने तक विभाग ने किसी भी कोचिंग संस्थान के नाम का खुलासा नहीं किया है.

शुरू हुई जांच

- रांची के भी कुछ संस्थानों ने की है टैक्स की चोरी

ब्रीफ खबरें

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा निरस्त, फिर से होगी

लखनऊ। यूपी सरकार ने शनिवार को राज्य के विभिन्न जिलों में 17 और 18 फरवरी को हुई पुलिस भर्ती परीक्षा को निरस्त कर दिया है और छह माह के भीतर पुनः परीक्षा कराने के आदेश दिये हैं. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पुलिस भर्ती परीक्षा को रद्द किये जाने के फैसले के बाद कहा कि यह छात्र शक्ति और युवा एकता की बड़ी जीत है और इससे यह साफ संदेश मिला है कि जो जुड़ेंगे वो जीतेंगे, लेकिन जो बटेंगे, वो कुचल दिए जाएंगे. प्रियंका गांधी ने भी कहा कि यूपी सरकार जल्द से जल्द नई तारीख की घोषणा करे और सुनिश्चित करे कि इस बार पेपर लीक नहीं होगा.

कांग्रेस के एजेंडे में देश को आगे बढ़ाना नहीं

रायपुर। पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि कांग्रेस परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से आगे सोच ही नहीं पाती और आजादी के बाद उसने सिर्फ सरकार बनाने पर ध्यान दिया, लेकिन देश को आगे बढ़ाना उसके एजेंडे में नहीं था. मोदी ने विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ संकल्प यात्रा कार्यक्रम में राज्य में कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया.

असम में मुस्लिम विवाह एक्ट निरस्त होगा

गुवाहाटी। असम मंत्रिमंडल ने बाल विवाह को समाप्त करने के लिए असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 को रद्द करने की मंजूरी दे दी है. राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी. वहीं विपक्षी कांग्रेस ने सरकार के इस फैसले की कड़ी निंदा की है और कहा है कि उसकी सरकार आयी तो इस फैसले को पलट देगी.

बजट सत्र के बाद होगा नई दिल्ली स्थित नए झारखंड भवन का उद्घाटन

भवन कंप्लीट, जांच बंद

अमित सिंह। रांची

नये झारखंड भवन का उद्घाटन बजट सत्र के बाद होगा. दिल्ली के कनॉट पैलेस स्थित गुरुद्वारा बंगला साहिब लेन में 70 डिसमिल जमीन पर सात फ्लोर का नया झारखंड भवन बन कर तैयार हो गया है. भवन निर्माण विभाग ने नये झारखंड भवन के उद्घाटन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं. उद्घाटन की तिथि की आधिकारिक घोषणा मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और भवन निर्माण मंत्री बसंत सोरेन से हरी झंडी मिलने के बाद की जाएगी. 18 फरवरी को सीएम ने दिल्ली दौरे के क्रम में पिछले दिनों न्यू झारखंड भवन का निरीक्षण करने के बाद अफसरों से उद्घाटन को लेकर विचार-विमर्श किया था. जिसके बाद से ही भवन के उद्घाटन को लेकर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है. भवन में चल रहे कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है.

सीएम ने दिया था आदेश, मगर नहीं हुई कार्रवाई : नये झारखंड भवन के उद्घाटन की तिथि पहले 15 नवंबर 2023 निर्धारित की गई थी. मगर कुछ कार्यों को देखते हुए उद्घाटन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया था. तत्कालीन सीएम हेमंत सोरेन ने 15 मई 2023 को नया झारखंड भवन का निरीक्षण किया था. हेमंत सोरेन को निर्माण सहित अन्य कार्य की प्रगति से असंतुष्ट थे. उन्होंने भवन के डीपीआर में खामी पाई थी. एसी सिस्टम को दुरुस्त करने, गुणवक्ता, सुरक्षा एवं अतिथियों की सुविधा के लिए आवश्यक बदलाव करने का निर्देश अफसरों को दिया था. साथ ही तत्कालीन मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, प्रधान स्थानिक आयुक्त मस्तराम मीणा और भवन निर्माण सचिव सुनील कुमार आदि से डीपीआर जांच और जिम्मेवार इंजीनियरों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया था. जिसके बाद विभाग में जांच की कार्रवाई शुरू हुई. मगर अचानक कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली गयी. भवन निर्माण विभाग में नये झारखंड भवन को लेकर कोई जांच या कार्रवाई नहीं चल रही है.

दो वर्ष में बनना था, लग गए पांच साल

भवन निर्माण विभाग के अनुसार नया झारखंड भवन की लागत 84 करोड़ रुपए है. 70 करोड़ रुपए में इसका टेंडर हुआ था. 65 करोड़ रुपए में वर्ष 2017-18 में काम लेने वाली एजेंसी के साथ एग्रीमेंट हुआ था. वर्तमान में इसकी लागत 108 करोड़ तक पहुंचने की बात कही जा रही है. एग्रीमेंट के अनुसार दो वर्ष के अंदर भवन का निर्माण होना था, मगर अभी भी साज सज्जा के काम को अंतिम रूप दिया जा रहा है.

नहीं चल रही है कोई कार्रवाई

इस संबंध मे पूछे जाने पर भवन निर्माण मंत्री बसंत सोरेन ने बताया कि नया झारखंड भवन बन कर तैयार हो गया है. उद्घाटन की जानकारी विभाग से मिलेगी. अभी विभाग में नये झारखंड भवन को लेकर कोई जांच नहीं चल रही है.

सभी सुविधाओं से लैस 16 वीआईपी सूइट सहित 45 गेस्ट रूम

नया झारखंड भवन प्रथम श्रेणी के गेस्ट हाउस की तरह सुसज्जित है. इसमें दो बेसमेंट और आठ फ्लोर हैं. बेसमेंट में करीब 102 कार पार्किंग की व्यवस्था है. ग्राउंड फ्लोर में रिसेप्शन, लॉबी, 120 लोगों की क्षमता का डाइनिंग हॉल और जिम है. पहले तल्ले पर मुख्यमंत्री और स्थानीय आयुक्त के कार्यालय कक्ष के साथ 90 सीटों का कांफ्रेंस हॉल है. दूसरे, तीसरे और चौथे तल्ले पर 45 गेस्ट रूम है. पांचवें व छत वाले त्तले पर 8-8 यानी कुल 16 वीआइपी सूइट हैं. सातवें तल्ले पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री के सूइट हैं. इसके अलावा दो वीआईपी सूइट रूम है. भवन पूरी तरह से वातानुकूलित है. अपर बेसमेंट से लोअर बेसमेंट में कार ले जाने के लिए कार लिफ्ट लगायी गयी है.

बेहतरीन लोकेशन : नया झारखंड भवन से भारत सरकार के सभी मुख्य कार्यालय नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट आदि की दूरी चार से पांच किमी तक है. कनॉट प्लेस मात्र 800 मीटर की दूरी पर है. वहीं नई दिल्ली रेलवे स्टेशन दो किमी और दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल 3 की दूरी 18 किमी है.

जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ने लिखा था पत्र

नये झारखंड भवन में अनियमितता एवं निविदा आवंटन में पक्षपात के आरोप के मद्देनजर झारखंड सरकार के तत्कालीन अवर सचिव चंद्र कुमार ने जांच का आदेश दिया था. इस संबंध में मुख्य अभियंता भवन निर्माण विभाग को पत्र लिखा था. बताया था कि दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सत्य प्रकाश ने शिकायत की है. शिकायत में कहा है कि रामकृपाल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को लाभ पहुंचाया गया है. अधिवक्ता ने मुख्यमंत्री झारखंड को रेजिडेंट कमिश्नर नई दिल्ली के माध्यम से झारखंड भवन निर्माण में अनियमितता का पत्र भेजा था, जिसमें उन्होंने बताया था कि भवन निर्माण में नौ कंपनियों ने ऑनलाइन भाग लिया. अंतिम चार में रामकृपाल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, जिस पर झारखंड में निगरानी जांच चल रही है, उसका चयन नियमों को दरकिनार कर किया गया है.

रांची टेस्ट में इंग्लैंड से 134 रन पीछे भारत, दूसरे दिन स्टंप्स तक स्कोर 219/7

रांची टेस्ट का दूसरा दिन इंग्लैंड के नाम रहा. इंग्लिश टीम के खिलाफ चौथे मुकाबले की पहली पारी में भारत 134 रन से पीछे है और उसके सात विकेट भी गिर चुके हैं. टीम इंडिया ने शनिवार को स्टंप्स तक पहली पारी में 7 विकेट पर 219 रन बना लिए हैं. दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ध्रुव जुरेल 30 और कुलदीप यादव 17 रन पर नाबाद लौटे. दोनों खिलाड़ियों के बीच 42 रन की नाबाद साझेदारी हो चुकी है. भारत की तरफ से यशस्वी जायसवाल (73) ने अर्धशतक लगाया. इंग्लैंड की तरफ से शोएब बशीर ने 4 विकेट लिए. -विस्तृत खेल पेज पर

18 रेलवे स्टेशनों की बदलेगी तस्वीर

संवाददाता। रांची/धनबाद

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड के 18 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास एवं नवीनीकरण होगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 फरवरी को इस योजना का ऑनलाइन शिलान्यास करेंगे. इसके अलावा राज्य में 44 रोड ओवरब्रिज एवं अंडरपास भी बनाये जाएंगे. इनका निर्माण 546.01 करोड़ रुपए की लागत से होगा. योजना के तहत स्टेशनों के पुराने प्रतीक्षालय, बुकिंग कार्यालय, लाउंज, कैफेटेरिया एवं शौचालय का जीर्णोद्धार किया जाएगा. इसके अलावा प्लेटफॉर्म में सुधार और स्टेशन एवं स्टेशन के बाहर रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था, वाहन पार्किंग, सीसीटीवी कैमरे, स्टेशन भवन में सौर पैनलों की स्थापना, कम ऊर्जा वाली एलइडी लाइट, वर्षा जल संचयन, जैव शौचालय आदि का भी प्रावधान किया जाएगा.

पीएम मोदी कल करेंगे ऑनलाइन शिलान्यास

इन स्टेशनों का होगा विकास

रेलवे की ओर से आधिकारिक तौर पर दी गई जानकारी के अनुसार, इन सभी स्टेशनों का पुनर्विकास 578.95 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा. इन स्टेशनों में टाटानगर, चक्रधरपुर, गम्हरिया, सिनी, चाईबासा, डांगोपोसी, बड़ाजामदा, बालसिरिंग, बानो, गंगाघाट, रामगढ़ कैंट, गोविंदपुर रोड, ओरगा, मुरी, सिल्ली, लोहरदगा, टाटीसिलवे और नामकुम स्टेशन शामिल हैं.

नौ स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन आज

पीएम मोदी इसके पूर्व रविवार को झारखंड के सात जिलों की नौ स्वास्थ्य परियोजनाओं का भी ऑनलाइन उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे. शिलान्यास की जाने वाली इन योजनाओं को भवन निर्माण विभाग द्वारा पूरा किया जाना है. स्वास्थ्य परियोजनाओं के तहत रांची, गढ़वा, गिरिडीह, पाकुड़, देवघर, दुमका एवं कोडरमा में विभिन्न आधारभूत स्वास्थ्य संरचनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन होगा.

अधिसूचना देश में 1 जुलाई से लागू होंगे ये 3 नए कानून, बदल जाएंगी कई आपराधिक धाराएं

मॉब लिंचिंग, नाबालिग से गैंगरेप पर मिलेगी फांसी

शुभम संदेश नेटवर्क

केंद्र सरकार की ओर से तीनों नए आपराधिक कानूनों को आगामी 1 जुलाई, 2024 से लागू करने की अधिसूचना शनिवार (24 फरवरी) को जारी कर दी गयी हैं. तीनों नए आपराधिक कानून भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से तीनों नए आपराधिक न्याय विधेयकों को दिसंबर में मंजूरी दे दी गयी थी. इसके साथ ही ये तीनों नए विधेयक कानून बन गए थे. इसमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम शामिल हैं. अधिसूचना जारी होने के बाद अब यह तीनों नए आपराधिक कानून पुराने कानूनों की जगह ले लेंगे.

अंग्रेजों के जमाने के कानूनों से मिलेगा छुटकारा

इन तीनों कानूनों का मुख्य उद्देश्य देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को बदलना है, जोकि अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे कानूनों पर चल रही थी, इससे छुटकारा मिल सकेगा. इनमें राजद्रोह के अपराध को समाप्त किया गया है. सरकार ने नए कानून में राजद्रोह की धारा, 124 (क) को पूरी तरह से समाप्त कर इसको देशद्रोह में बदलने का काम किया है. इसमें राज्य के खिलाफ अपराध करने की एक नई धारा का शामिल किया गया है. इस नए कानून में राजद्रोह में सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधि, संप्रभुता या एकता का खतरे में डालने वाले अपराध, अलगाववादी गतिविधि जैसे अपराधों को शामिल किया गया है.

एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने पर उम्रकैद का प्रावधान

इस नए कानून के तहत अगर कोई मौखिक तौर पर या लिखित या सांकेतिक रूप से ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देता है या फिर प्रयास भी करता है, एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करता है, तो उसे आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है. इसके अतिरिक्त उस पर जुर्माने का प्रावधान भी नए कानून में सम्मिलित किया गया है.

नए कानूनों में मॉब लिंचिंग पर सख्त सजा

नए कानूनों में मॉब लिंचिंग में एक समूह मिल कर जाति या समुदाय आदि के आधार पर हत्या करता है, तो हर सदस्य को उम्रकैद की सजा दी जाएगी. नए कानूनों में नाबालिग से गैंगरेप के दोषियों को फांसी की सजा दी जा सकेगी. सरकार ने भी मॉब लिंचिंग को घृणित अपराध बताया था और इसके लिए नए कानून में फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है.

किसमें क्या बदला?

- **आईपीसी:** कौन-सा कृत्य अपराध है और इसके लिए क्या सजा होगी? ये आईपीसी से तय होता है. अब इसे भारतीय न्याय संहिता कहा जाएगा. आईपीसी में 511 धाराएं थीं, जबकि बीएनएस में 358 धाराएं होंगी. 21 नए अपराध जोड़े गए हैं.
- **सीआरपीसी:** गिरफ्तारी, जांच और केस की प्रक्रिया सीआरपीसी में लिखी हुई है. सीआरपीसी में 484 धाराएं थीं. अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 531 धाराएं होंगी. 177 धाराओं को बदला गया है. 9 नई जोड़ी गईं और 14 को खत्म कर दिया गया है.
- **इंडियन एविडेंस एक्ट:** केस के तथ्यों को कैसे साबित किया जाएगा, बयान कैसे दर्ज होंगे, ये सब इंडियन एविडेंस एक्ट में है. इसमें पहले 167 धाराएं थीं. भारतीय साक्ष्य संहिता में 170 धाराएं होंगी. 24 धाराओं में बदलाव किया गया है. दो नई धाराएं जुड़ीं हैं. 6 धाराएं खत्म हो गईं हैं.

किसानों ने बदली रणनीति दिल्ली कूच 29 तक टला

कुमार माधवन

शंभू बॉर्डर पर किसानों की संख्या धीरे-धीरे अब कम होते जा रही है. वहीं, किसान अब आंदोलन के लिए नई रणनीति बना रहे हैं. किसान अब सीधे टकराव से बचना चाह रहे हैं. दूसरी तरफ संयुक्त किसान मोर्चा ने दिल्ली कूच का कार्यक्रम फिलहाल 29 फरवरी तक टाल दिया है.

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा है कि अगर नौजवान ही नहीं रहेंगे तो जमीनों का क्या करेंगे. हालांकि, शंभू और खनौरी बॉर्डर पर सभी किसान संगठन सरकार के खिलाफ अपना शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जारी रखेंगे. किसान नेताओं का यह भी कहना है कि किसानों की संख्या कम नहीं हो रही बल्कि वह खनौरी बॉर्डर की ओर शिफ्ट हो गए हैं, जिसके कारण शंभू बॉर्डर पर ज्यादा किसान नहीं दिख रहे हैं. बता दें कि 26 फरवरी को ट्रैक्टर मार्च के बाद दोपहर बाद शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पीएम मोदी और हरियाणा के सीएम के अलावा कॉरपोरेट घरानों के करीब 20 फुट ऊंचे पुतले फूंके जाएंगे. 27 को संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा आपसी चर्चा करेंगे. 28 को दोनों एक मंच पर आकर अपनी मांगों पर बातचीत होगी. 29 फरवरी को दिल्ली कूच को लेकर फैसला लिया जाएगा.

खास बातें

- सीधे टकराव से अब बचना चाह रहे हैं किसान
- शंभू बॉर्डर पर किसानों की संख्या भी कम हो रही

छीने हुए अधिकार भीख में नहीं मिलते, अधिकारों को वसूल करना पड़ता है

हेमंत सोरेन को लेकर पत्नी कल्पना ने फिर लिखी भावुक करनेवाली चिट्ठी

प्रमुख संवाददाता। रांची

- पत्नी कल्पना सोरेन खुद मोर्चा संभाल रही हैं और झारखंड की राजनीति पर ध्यान रख रही हैं

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमीन घोटाले में गिरफ्तारी के बाद उनकी पत्नी कल्पना सोरेन खुद मोर्चा संभाल रही हैं और झारखंड की राजनीति पर ध्यान रख रही हैं. इतना ही नहीं, हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद हेमंत का सोशल मीडिया अकाउंट्स एक्स हैंडल भी खुद संभाल रही हैं. उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स एक्स हैंडल से लगातार पोस्ट करती रहती हैं. शनिवार को भी हेमंत सोरेन को याद करती हुईं कल्पना सोरेन ने एक्स हैंडल पर पोस्ट की हैं.उन्होंने लिखा कि हेमंत सोरेन आज अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करने की हिम्मत के कारण जेल में बंद हैं. बाबा साहेब की बातों का जिक्र करते हुए कहा कि छीने हुए अधिकार भीख में नहीं मिलते, अधिकारों को वसूल करना पड़ता है.

जानिए कल्पना सोरेन ने पति हेमंत सोरेन के 'एक्स' हैंडल पर क्या लिखा

पत्नी कल्पना सोरेन ने हेमंत सोरेन के एक्स हैंडल से अपनी बातें साझा करते हुए लिखा कि पिछले 24 दिनों से अन्यायपूर्ण कारावास का सामना कर रहे मेरे जीवन साथी हेमंत सोरेन जी के संघर्ष को अनुभव कर मैं गौरवान्वित भी हूं, दुःखी भी हूं. प्रतिकूल परिस्थितियों में भी दृढ़ता और अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करने की उनकी हिम्मत के फलस्वरूप आज वो जेल में हैं. बाबा साहेब के शब्द छीने हुए अधिकार भीख में नहीं मिलते, अधिकारों को वसूल करना पड़ता है, ने हेमंत सोरेन को हमेशा प्रेरित किया है.

राज्यवासियों की सेवा और उनके अधिकारों की रक्षा हेमंत सोरेन की पहली प्राथमिकता रही है. परिवार, मैं और बच्चे उनके लिए बाद में आते हैं. बाबा दिशोम गुरु के संघर्ष से हमें जो राज्य मिला, उसे संवारना और लोगों को हक-अधिकार दिलाना ही उन्होंने अपना सर्वस्व माना.

हेमंत सोरेन सामाजिक न्याय और अधिकार के लिए सदैव संघर्ष करते रहे हैं. अपने और अपने राज्यवासियों के अधिकारों को हासिल करने के उनके संकल्प, मुझे उनकी आवाज को और गति देने के लिए प्रेरित करता है. उनकी यह संघर्षशीलता हमें सिखाती भी है कि हक-अधिकारों की रक्षा और उन्हें हासिल करना हमारा कर्तव्य है, न केवल अपने लिए, बल्कि समाज के उत्थान और समृद्धि के लिए भी.

आज अन्याय के खिलाफ हेमंत सोरेन लड़ रहे हैं. आप सभी देश और झारखंडवासी जिस समर्पण के साथ उनके साथ खड़े हैं, उसके लिए मैं सभी की आभारी हूं. न्याय के लिए हमें यह लड़ाई मिल कर लड़नी है और लड़ कर जीतना भी है.

हेमंत का एक्स अकाउंट खुद संभाल रहीं कल्पना: बता दें कि पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद से उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने पति का एक्स अकाउंट खुद संभाल लिया है. वह एक्स पर लगातार एक्टिव हैं. और समय-समय पर पोस्ट करके सच्चाई बयां करती रहती हैं.

अब तक दी जा चुकी है 93 करोड़ रुपए प्रोत्साहन राशि

झारखंड की इंडस्ट्रियल पॉलिसी दिखा रही इंसेंटिव का दम

खास बातें

- इंसेंटिव के लिए 180 करोड़ रुपए का है प्रावधान
- टेक्सटाइल में मिल चुका है 8000 लोगों को रोजगार

रवि भारती। रांची

झारखंड की इंडीस्ट्रियल पॉलिसी इंसेटिव का दम दिखा कर निवेशकों को लुभा रही है. औद्योगिकीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है. अब तक प्रोत्साहन राशि के रूप में 93 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं. जबकि चालू वित्तीय वर्ष के बजट में 180 करोड़ रुपए का प्रावधान है. इस हिसाब में इंसेंटिव के रूप में भी 87 करोड़ रुपए और दिए जाने हैं. उद्योग विभाग ने दावा किया है कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक इंसेंटिव की सभी राशि उद्योगों को दे दी जाएगी. शुक्रवार को हुई सिंगल विंडो क्लीयरेंस कमेटी की बैठक में 31 करोड़ रुपए की राशि की स्वीकृति दी गई. अब सिंगल विंडो क्लीयरेंस कमेटी की तीसरी बैठक 29 फरवरी को होगी.

टेक्सटाइल सेक्टर में मिल रहा रोजगार

झारखंड टेक्सटाइल एपेरेल एंड फूटवेयर पॉलिसी के तहत इस सेक्टर में काफी लोगों को रोजगार भी मिल रहा है. अब तक सिर्फ टेक्सटाइल सेक्टर में 8000 लोगों को रोजगार मिल चुका है. झारखंड टेक्सटाइल एपेरल एंड फूटवेयर पॉलिसी के तहत रोजगार सृजन के लिए 18.23 करोड़ रुपए का इंसेंटिव दिया जा चुका है.

सब्सिडी के रूप में 8.43 करोड़ दिए गए

झारखंड टेक्सटाइल एपेरल एंड फूटवेयर पॉलिसी के तहत पावर टैरिफ और इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी रिंबरसमेंट के तहत 3.44 करोड़ रुपए का इंसेंटिव दिया गया है. वहीं इसी नीति के तहत इंटरेस्ट सब्सिडी के रूप में 40.97 लाख रुपए दिए गए हैं. वहीं कैपिटल इंसेंटिव सब्सिडी के रूप में 8.43 करोड़ रुपए दिए गए हैं.

क्यों सरकार का है टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज पर जोर

सरकार का मानना है कि गार्मेंट इंडस्ट्रीज दूसरे उद्योगों से 32 गुना अधिक रोजगार देती हैं. झारखंड के वर्कर हार्ड लर्निंग हैं. सीखना चाहते हैं. पूरे वर्ल्ड में गार्मेंट का ट्रेड 14 लाख करोड़ का है.देश में यह एक लाख करोड़ का है.टेक्सटाइल क्षेत्र में देश में 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार मिलता है.

निवेश पर 27.22 करोड़ रुपए की सब्सिडी

उद्योग विभाग ने झारखंड इंडस्ट्रियल इंवेस्टमेंट एंड प्रमोशन पॉलिसी के तहत कांप्रेहेंसिव प्रोजेक्ट इंवेस्टमेंट सब्सिडी के रूप में 27.22 करोड़ रुपए की राशि निर्गत की है. वहीं झारखंड फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज पॉलिसी के तहत 4.49 करोड़ रुपए का अनुदान दिया है.

क्या कहते हैं उद्योग सचिव

उद्योग सचिव जीतेंद्र कुमार सिंह के अनुसार इंसेंटिव के लिए चालू वित्तीय वर्ष में 180 करोड़ रुपए का प्रावधान है. जिसमें से इंसेंटिव के रूप में 93 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं. मार्च तक इंसेंटिव की सारी राशि दे दी जाएगी. इंसेंटिव से औद्योगिकीकरण को बढ़ावा मिल रहा है. प्रोडक्शन इंप्रुव होने के साथ रोजगार का भी सृजन हो रहा है. सभी इंडस्ट्रियल पॉलिसी उद्योगों के हित में है.

अवैध लॉटरी कारोबार के खिलाफ कार्रवाई, एक गिरफ्तार

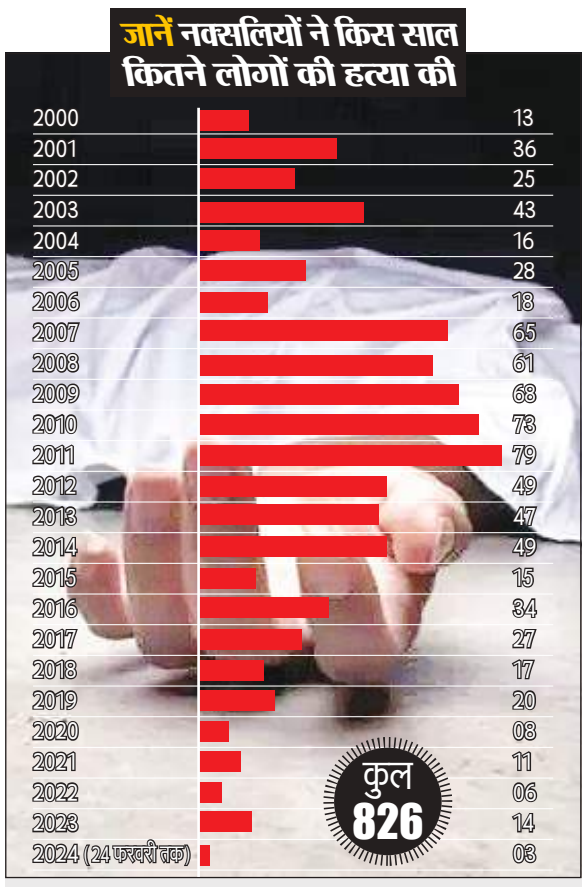

रांची। पुलिस ने अवैध लॉटरी कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. एसपी कुमार गौरव को पिछले कुछ दिनों से सूचना मिल रही थी कि नगर थाना क्षेत्र और उसके आस-पास के थानों में अवैध लॉटरी का कारोबार किया जा रहा है. इस संबंध में पूर्व में भी नगर थाना एवं जिरवाबाड़ी थाना के द्वारा अवैध लॉटरी के विरूद्ध कार्रवाई करते हुये कई लॉटरी कारोबारियों को जेल भेजा गया था. इसी क्रम में एसपी को गुप्त सूचना मिली कि अवैध लॉटरी कि एक बड़ी खेप साहिबगंज लायी गयी है. जिसके बाद पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला में अवैध लॉटरी कारोबारी बिक्की की दुकान और मकान में छापेमारी की. जहां से अवैध लॉटरी की बड़ी खेप बरामद हुई है. इस दौरान पुलिस ने शाहरूख आलम नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार अभियुक्त अवैध लॉटरी के मामले में पूर्व में भी जेल चुका है.

झारखंड में हर साल नक्सलियों ने 34 लोगों को मार डाला

24 साल में 826 लोगों की हत्या

सौरभ सिंह/रांची। झारखंड में सक्रिय अलग-अलग नक्सली संगठन हर साल औसतन 34 लोगों की हत्या कर रहे हैं. साल 2000 से साल 2024 के फरवरी माह यानी 24 सालों में नक्सली संगठनों ने 826 आम लोगों की हत्या की है. गौरतलब है कि झारखंड के इतिहास में नक्सली संगठन हमेशा से ग्रामीणों को अपना निशाना बनाते रहे हैं. कभी मुखबिर के नाम पर तो कभी पनाह नहीं देने के नाम पर नक्सली आम लोगों की हत्या कर रहे हैं.

नक्सलियों के निशाने पर रहे हैं मुखबीर

प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के निशाने पर पुलिस के मुखबीर रहे हैं. पुलिस को चप्पे-चप्पे की जानकारी मिले, इसलिए पुलिस अनधिकृत तौर पर मुखबीरों को बहाल करती है. नक्सली गतिविधियों और दूसरी ऐसी खबरों के बदले पुलिस की तरफ से मुखबीरों को कुछ इनाम भी मिलता है. लेकिन इस बात की जानकारी नक्सलियों को अगर हो जाती है, तो वो खबर देने वाले मुखबीर की हत्या कर देते हैं. हाल के महीने में इस तरह के कई ऐसे मामले सामने आये हैं, जिसमें नक्सलियों ने मुखबिरी के आरोप में आम लोगों की हत्या कर दी है.

कुड़मी हुंकार महारैली आज रांची में, दिखाएंगे ताकत : ओम प्रकाश

रांची। टोटेमिक कुड़मी विकास मोर्चा के केंद्रीय मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश महतो ने बताया कि रविवार को मोरहाबादी मैदान में टोटेमिक कुड़मी/कुरमी (महतो) जनजाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में सूचीबद्ध करने एवं कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर टोटेमिक कुरमी/ कुड़मी हुंकार महारैली होगी. इस महारैली की शुरुआत कुड़माली नेगाचारी से होगी, कुड़माली चारी गुरु आनंद कडवार दिन के 10 बजे भुंई पूजा और झंडा गड़ी करेंगे. मौके पर टोटेमिक कुरमी/कुड़मी (महतो) समाज के मुख्य संयोजक शीतल ओहदार उपस्थित रहेंगे. महारैली में झारखंड के विभिन्न जिलों से 5 लाख की संख्या में कुड़मी समाज के लोग अपने पारंपरिक वेशभूषा, पारंपरिक नाच-गाना छऊ नाच, झुमर नाच, पता नाच,नटुवा नाच,घोड़ा नाच एवं गाजे -बाजे के साथ रांची के मुख्य पथ से गुजरते हुए मोरहाबादी पहुंचेंगे. उन्होंने कहा की कुडमी हुंकार महारैली ऐतिहासिक होगी और आने वाले दिनों में राज्य की दशा और दिशा तय करेगी.

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में मुलाकात की.

फ्री बिजली का भी पेट्रोल सब्सिडी योजना जैसा ही होगा हश्रः प्रतुल शाहदेव

रांची। झारखंड मंत्रालय में शुक्रवार को चंपाई सोरेन कैबिनेट की बैठक हुई. इस कैबिनेट बैठक में 100 की जगह अब 125 यूनिट बिजली फ्री मिलने समेत 29 प्रस्तावों पर मुहर लगी. राज्य सरकार के 125 यूनिट फ्री बिजली देने पर भाजपा ने प्रश्न खड़ा किया है. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि हेमंत सोरेन पार्ट 2 सरकार की यह हवा हवाई घोषणा है. सरकार दावा करती है कि 22 लाख लाभुक फायदा उठा रहे हैं. लेकिन वह श्वेत पत्र जारी करके यह नहीं बताते कि किस पंचायत के किन जिलों में कितने लाभुक हैं. प्रतुल ने कहा कि इस योजना का भी वही हश्र होगा, जो प्रति लीटर पेट्रोल में 25 रुपये सब्सिडी का हुआ था. प्रतुल ने आरोप लगाया कि विदाई की बेला में यह सरकार सिर्फ घोषणाओं की झड़ी लगा रही है.

- भाजपा ने 125 यूनिट फ्री बिजली की घोषणा पर सरकार को घेरा

केंद्रीय प्रतिनिक्ति पर जाएंगे झारखंड कैडर के आईएएस भुवनेश प्रताप सिंह

रांची। झारखंड कैडर के आईएएस अधिकारी भुवनेश प्रताप सिंह सेंट्रल डेप्यूटेशन पर जाएंगे. उनकी प्रतिनियुक्ति इंडस्ट्रीज एंड मिनिस्ट्री में डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर की गई है. वर्तमान में वे जैप आइटी के सीइओ के पद पर पदस्थापित हैं. केंद्र सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना भेजी है. फिलहाल झारखंड कैडर के 19 अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं. इनमें राजीब गौबा, एनएन सिन्हा, अलका तिवारी, एमएस भाटिया, एसकेजी रहाटे, शैलेश सिंह, निधि खरे, सुरेंद्र सिंह, सत्येंद्र सिंह, सुनील वर्णवाल, केके सोन, राहुल शर्मा, हिमाणी पांडेय, आराधना पटनायक, शांतनु अग्रहरि, हर्ष मंगला, ए मुत्थु कुमार और राय महिमापत रे शामिल हैं.

राष्ट्रपति से हाईकोर्ट के अधिवक्ता राजीव कुमार की शिकायत की

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के चर्चित अधिवक्ता राजीव कुमार की शिकायत राष्ट्रपति से की गई है. बोकारो निवासी डॉ. राजकुमार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख उनकी शिकायत की है. अपने पत्र में राजकुमार ने कहा है कि वर्ष 2009 में आयुष नियुक्ति घोटाले की शिकायतवाद उन्होंने राजीव कुमार के माध्यम से दर्ज करवाई थी. उसमें तत्कालीन स्वास्थ्य सचिव प्रदीप कुमार को प्रतिवादी बनाया गया था. शिकायतवाद दर्ज कराने के बाद राजीव कुमार ने मुझसे इसे वापस लेने और दूसरा शिकायतवाद दर्ज करने को कहा, इसके बाद जब दोबारा शिकायतवाद दर्ज कराया गया तो अभियुक्त के नाम से प्रदीप कुमार का नाम हटा दिया गया. इसके खिलाफ उन्होंने संबंधित कोर्ट में एक शिकायत भी दर्ज करायी, लेकिन इस पर सात साल से सुनवाई नहीं हो सकी है. राष्ट्रपति से उन्होंने शिकायत पर जल्द सुनवाई करने का आग्रह किया है.

दर्जन भर से अधिक बोर्ड- निगम और आयोग में है ब्यूरोक्रेट्स का दबदबा

खास बातें

- गठबंधन में शामिल नेता और कार्यकर्ताओं को अब भी उम्मीद
- बोर्ड-निगम, आयोग में कुछ नेताओं को ही मिली है जगह

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के दर्जन भर से अधिक बोर्ड निगम आयोग में अब भी ब्यूरोक्रेट्स का ही दबदबा है. कुछ ब्यूरोक्रेट्स को बोर्ड, निगम और आयोग की जिम्मेवारी रिटायरमेंट बेनिफिट प्लान की तरह है. कुछ को चार्ज दे दिया गया है. गठबंधन की सरकार के चार साल भी पूरे हो गए हैं. इन बोर्ड निगमों में महागठबंधन में शामिल नेता-कार्यकर्ताओं को अब तक जगह नहीं मिल पाई है. फिर भी नेता और कार्यकर्ता टकटकी लगाए बैठे हैं.

किस बोर्ड- निगम में ब्यूरोक्रेट्स हैं काबिज

- डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान : डॉ. रणेंद्र कुमार
- आरआरडीए : मुकेश कुमार
- झारखंड राज्य वित्त आयोग : एपी सिंह,
- झारखंड मानवाधिकार आयोग : एसके सत्पथी
- झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग : प्रशांत कुमार
- राज्य निर्वाचन आयोग : डीके तिवारी
- झारखंड लोक सेवा आयोग : डॉ मेरी नीलिमा केरकेट्टा
- झारखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड : शशिकर सामंता (आइएफएस)
- झारखंड राज्य खनिज विकास निगम : शशिरंजन
- झारक्राफ्ट : आकांक्षा रंजन
- मुख्यमंत्री लघु व कुटीर उद्यम विकास बोर्ड : शशि रंजन
- टीवीएनएल : अविनाश कुमार
- झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड : अविनाश कुमार
- झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड : अविनाश कुमार

CLASSIFIED

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रविवार, 25 फरवरी 2024 फाल्गुन कृष्ण प्रतिपदा, संवत 2080 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ वर्ष : 1, अंक : 308 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एसएनआर आउटसोर्सिंग में वर्चस्व को लेकर हुई हिंसक झड़प, आसपास के आधा दर्जन इलाकों के युवकों का था जुटान

गोपालीचक में वर्चस्व को लेकर डेढ़ घंटे तक गोली-बमबाजी

कोयला उठाव को लेकर पुलिस के सामने ही रघुकुल व सिंह मेंशन समर्थकों में हिंसक भिड़ंत

रघुकुल समर्थक को लगी गोली, आईसीयू में चल रहा इलाज, मौके से एक जिंदा बम बरामद

दोनों तरफ से पचासों समर्थकों ने संभाल रखा था मोर्चा, बम-गोली के साथ खूब हुई पत्थरबाजी

संवाददाता। पुटकी (धनबाद)

बीसीसीएल के पीबी एरिया गोपालीचक दो नंबर में शनिवार को रघुकुल व सिंह मेंशन समर्थकों में हिंसक भिड़ंत हो गई. विवाद में दोनों ओर के पचासों समर्थकों के बीच लगभग डेढ़ घंटे तक गोली और बामबाजी होती रही. एक दूसरे पर जम कर पत्थर भी फेंके गए. कई ट्रकों के शीशे तोड़ दिए गए. इस दौरान पुलिस भी मौके पर मौजूद रही और एक दर्शक की तरह तमाशबीन बनी रही. वारदात में रघुकुल के एक समर्थक को गोली लगी है, जबकि पांच जिंदा बम भी बरामद किया गया है. गोली लगने के बाद दोनों पक्षों से फायरिंग व बमबाजी रुकी, हालांकि तनाव बरकरार है. अब मौके पर काफी संख्या में पुलिस बल और सीआइएसएफ की तैनाती हो चुकी है. जख्मी व्यक्ति का इलाज एसएनएमएमसीएच में चल रहा है.

10 हजार टन कोयले में से सिंह मेंशन के रागिनी समर्थकों को भी 200 टन कोयले के उठाव का आर्डर मिला है

10 हजार टन कोयले के उठाव को लेकर है विवाद

बताते चलें कि एरिया के गोपालीचक दो नंबर में एसएनआर नामक आउट सोर्सिंग कंपनी है, उक्त कंपनी रघुकुल के हर्ष सिंह के अधीन है. ठीक इसके पास में ही बीसीसीएल की एक कोयला डिपो है. इस डीपो से कोयला का उठाव भी होता है. यहां से लगभग 10 हजार टन कोयले का उठाव होना है और यह उठाव जारी है. इसमें कई डीओ धारकों को कोयले के उठाव का आर्डर मिला है. कोयला उठाव के देखरेख की जिम्मेवारी रघुकुल के हर्ष सिंह और उनके समर्थक कर रहे हैं. इसी 10 हजार टन कोयले में से सिंह मैंशन के रागिनी समर्थक को भी 200 टन कोयले के उठाव का आर्डर मिला है. इसी कोयले के उठाव को लेकर विवाद की शुरुआत हुई है. क्योंकि पूर्व से ही माना जा रहा था कि इस 200 टन कोयले के उठाव में हंगामा और विवाद तय है. इस कारण दोनों तरफ के समर्थक पूर्व से तैयार थे. अंदेशा भी सही निकला और दोनों पक्षों में जमकर भिड़ंत हो गई.

पहले खदेड़ा फिर आकर डट गए मेंशन समर्थक

विवाद करीब साढ़े नौ बजे सुबह एक ट्रक की लोडिंग के साथ शुरू हो गया था. तब रघुकुल समर्थक भारी पड़े. विवाद शुरू होते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी. प्रशिक्षु डीएसपी अर्चना स्वाति खलखो खद पुलिस जवानों के साथ मौके पर पहुंची थी. पहले राउंड में रघुकुल समर्थकों ने खदेड़ दिया था, इसके बाद फिर से रागिनी समर्थकों का जुटान शुरु हो गया, कुछ देर में ही भारी समर्थकों के पहुंचने से बवाल बढ़ने लगा और फिर गोलियों की बरसात हो गई. एक दूसरे पर जम कर बम भी फेंक गए. असल में दोनों समर्थक एक दूसरे के आमने-सामने थे और बीच में भागा गोमो रेल लाइन थी, इस रेल लाइन के दोनों तरफ लड़ने वाले थे, जो एक दूसरे पर बम और गोलियां चला रहे थे.

मेंशन समर्थकों के ट्रक लोड होने पर बवाल

विवाद को लेकर बताया जा रहा है कि शनिवार को उक्त 200 टन कोयले के उठाव के लिए दो ट्रक लगे थे और लोडिंग भी चल रही थी. इसी क्रम में एक गुट की तरफ से वर्चस्व और शक्ति का प्रदर्शन होने लगा. जैसे कि इस डिपो से लोडिंग होना ही उनकी जीत है. जब रागिनी समर्थकों का यह तेवर दिखने लगा, तो रघुकुल समर्थक भी गोलबंद होना शुरू हो गए, चूंकि तैयारी पहले से ही थी, इस कारण पल भर में ही विवाद हो गया. विवाद की शुरुआत सुबह करीब नौ बजे हुई थी, जो एक बजे तक एक बड़े रणक्षेत्र में तब्दील हो गई.

नकाब लगाए आधा दर्जन इलाके से पहुंचे थे युवक

गोपालीचक दो नंबर में इस विवाद में सिर्फ यहीं के लोग शामिल नहीं थे बल्कि आसपास के लोगों का भी जुटान था, खासकर नव युवकों की पूरी फौज थी. इनमें अधिकांश युवक चेहरे को ढक रखे थे. बता दें कि रघुकुल समर्थकों में कच्छी बलिहारी, केंदुआ, करकेंद, वासुदेवपुर के युवक थे जबकि रागिनी गुट की तरफ से लोयाबाद, पुटकी और गंसाडीह के युवकों का जुटान था. गोपालीचक दो नंबर के कुछ युवक दोनों गुट में भी शामिल थे.

ट्रक के पहिए के नीचे रख दिया था बम

लोडिंग स्थल पर खड़ी एक ट्रक के नीचे से पुलिस ने जिंदा बम बरामद किया है. बताया जा रहा है कि उक्त बम को किसी ने जानबूझ कर ट्रक के पहिए के नीचे रख दिया था, ताकि जैसे ही ट्रक का पहिया चलेगा,बम का विस्फोट हो जाएगा. लेकिन पुलिस की नजर बम पर पड़ गई. तत्काल बम को उठाकर पानी भरे बाल्टी में डाल दिया गयाा और उसे डिफ्यूज कर दिया गया. पुलिस ने बम को जब्त कर लिया हे. दोनों तरफ की भीड़ कम होने के बाद पुलिस घटना-स्थल की तलाशी ले रही है. पुलिस दोनों तरफ के समर्थकों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करेगी.

बाएं हाथ की केहुनी में लगी गोली

इस वारदात में गोपालीचक का रहने वाला सोनू यादव जख्मी हुआ है. उसके बाएं हाथ के केहुनी में गोली लगी. आनन-फानन में उसे उठाकर एसएनएमएमसीएच लाया गया. सोनू के साथ रघुकुल के दर्जनों समर्थक भी अस्पताल पहुंच गए. यहां चिकित्सकों ने पाया कि गोली उसकी केहुनी को चीरती हुई निकल गई है. इमरजेंसी में प्रारंभिक उपचार के बाद उसे आइसीयू में रखा गया है.

सीएम ने सरायकेला को दी 317 करोड़ की योजनाओं की सौगात, बोले

जल्द बनेगी छऊ अकादमी

संजीव मेहता। आदित्यपुर

शनिवार को सरायकेला नगर वासियों को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने 317 करोड़ 38 लाख 95 हजार रुपए की योजनाओं की सौगात दी. मुख्यमंत्री ने सरायकेला के विकास के लिए शनिवार को टाउन हॉल में 204 योजनाओं की आधारशिला रखी. इस दौरान सीएम ने 11, 617 लाभुकों के बीच 34 करोड़ 29 लाख 10 हजार 731 रुपए की परिसंपत्तियों का भी वितरण किया.

इस दौरान सिंहभूम सांसद गीता कोड़ा, खरसावां विधायक दशरथ गागराई, इंचागढ़ विधायक सविता महतो के साथ तमाम प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे. सबसे पहले मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने ऐतिहासिक पब्लिक दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना कर राज्य के समृद्धि की कामना की. अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सरायकेला नगर वासियों से कहा कि जल्द ही सरायकेला को बदले हुए स्वरूप में दिखेगा. उन्होंने कहा कि जल्द ही सरायकेला छऊ अकादमी की शुरुआत की जाएगी. सरकार इसके प्रति गम्भीर है. उन्होंने कहा कि छऊ कलाकारों की वजह से सरायकेला को पहचान मिली है इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा. उन्होंने कहा कि सरायकेला को संवारना सरकार की प्राथमिकता है. धार्मिक स्थलों के स्वरूप को नई पहचान देने की बात उन्होंने यहां भी कही. उन्होंने कहा कि जल्द ही सरायकेला में मार्केट कॉम्प्लेक्स बनेगा. इसमें स्थानीय भूमिपुत्रों की भागीदारी सुनिश्चित होगी.

बोले सीएम

- विपक्ष को हेमंत नहीं हुए बर्दाश्त, तो जेल भिजवा दिया, अब जनता ही जवाब देगी
- केंद्रीय एजेंसियों का सम्मान करते हैं, पर भेदभाव करना कहीं से भी सही नहीं है

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना राज्य को अशांत करने का आरोप लगाया

विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य को अशांत करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि हम केंद्रीय एजेंसियों का सम्मान करते हैं, मगर भेदभाव सही नहीं है. उन्होंने कहा कि हम ऐसी एजेंसी चाहते हैं जो आदिवासियों के जमीन की जांच करें. खरसावां में बंद पड़े अभिजीत कंपनी को लेकर मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा पर निशाना साधा हालांकि उन्होंने सीधे पूर्व मुख्यमंत्री का नाम नहीं लिया. उन्होंने कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विकास योजनाओं को विपक्ष पचा नहीं सका और आज उन्हें सलाखों के पीछे भिजवा दिया. आने वाले दिनों में जनता इसका जवाब देगी. उन्होंने कहा कि 2027 तक राज्य में सबका पक्का आवास होगा. वहीं आयुष्मान कार्ड का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने उसे शोभा की वस्तु बताकर केंद्र सरकार की योजना पर निशाना साधा.

शिक्षा से ही समाज आगे बढ़ेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ेगा, जब लोग शिक्षित होंगे. इसी बात को ध्यान में रखकर सरकार यहां के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है. इसी कड़ी में निजी स्कूलों की तर्ज पर स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोले गए हैं. छात्रवृत्ति राशि में तीन गुना इज़ाफ़ा किया गया है. बच्चियों की पढ़ाई ना छूटे, इसके लिए उन्हें सावित्रीबाई किशोरी समृद्धि योजना से जोड़ा जा रहा है. विदेश में उच्च शिक्षा के लिए शत- प्रतिशत स्कॉलरशिप सरकार दे रही है. बच्चे इंजीनियर, डॉक्टर और अफसर बनें, इसके लिए उन्हें आर्थिक सहायता दी जा रही है. वहीं, क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों को आसानी से 15 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण दिया जा रहा है, ताकि उनका बेहतर भविष्य बन सके.

बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर को कर रहे हैं मजबूत

सीएम ने कहा,विभिन्न योजनाओं से राज्य के बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने का काम तेजी से हो रहा है. लगभग 15 हज़ार किमी ग्रामीण सड़कों का निर्माण हो रहा है तो खेतों में पाइपलाइन से पानी पहुंचने की दिशा में कदम बढ़ गए हैं. शहर-गांव के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना की शुरुआत हो चुकी है. वहीं, हड़िया-दारू बेचने वाली महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका से जोड़ने के लिए फूलो-झानो आशीर्वाद योजना के तहत 50 हज़ार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है.

हर किसी को रोटी,कपड़ा और मकान देना सर्वोच्च प्राथमिकता

चंपाई ने कहा कि राज्य के हर व्यक्ति को रोटी, कपड़ा और मकान उपलब्ध हो, यह सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है. वर्ष 2027 तक राज्य के हर व्यक्ति का अपना पक्का मकान होगा. सरकार अबुआ आवास योजना के तहत 20 लाख लोगों को पक्का मकान देगी. पहले चरण में दो लाख लाभुकों का आवास मिलेंगे है और 3 महीने के बाद एक साथ 9 लाख लोगों को मकान का स्वीकृति पत्र दिया जाएगा.

चुनाव का एलान होते ही झारखंड में बढ़ रही राजनीतिक तपिश

एनडीए और इंडिया गठबंधन के लिए होगा लिटमस टेस्ट

- कांग्रेस के धीरज साहू और भाजपा के समीर उरांव की सीट हो रही है खाली
- झामुमो और कांग्रेस दोनों कर सकते हैं अपनी-अपनी दावेदारी

रवि भारती। रांची

राज्यसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है. झारखंड में खाली हो रही दो सीटों के लिए चुनाव 21 मार्च को होगा. इसको लेकर झारखंड में राजनीतिक तपिश बढ़ रही है. यह चुनाव एनडीए और इंडिया गठबंधन के लिए लिटमस टेस्ट भी होगा. झारखंड कांग्रेस कोटे से गए राज्यसभा सांसद धीरज साहू और एनडीए कोटे से गए राज्यसभा सांसद समीर उरांव का सीट खाली हो रही है. अब एनडीए और यूपीए में उम्मीदवारों का मंथन शुरू हो गया है. सत्ता के गलियारों में चर्चा यह भी है कि मौजूदा समय में विधानसभा का जो गणित है, उसके अनुसार दोनों (एनडीए और यूपीए) को एक-एक सीट मिल ही जाएगी.

झामुमो की दावेदारी की चर्चा : राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा हो रही है कि कांग्रेस की सीट पर झामुमो दावेदारी कर सकता है. पिछले दिनों गांडेय सीट से इस्तीफा देने वाले झामुमो विधायक सरफराज अहमद को राज्यसभा भेजा जा सकता है. बताते चलें कि 29 दिसंबर 2019 में झारखंड में कांग्रेस-राजद महागठबंधन की सरकार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बनी. इसके बाद से राज्यसभा के दो चुनाव हुए और दोनों बार सीट झामुमो के खाते में गई. मार्च 2020 में झामुमो अध्यक्ष शिबू सोरेन और दूसरी बार 2022 में महुआ माजी को राज्यसभा भेजा गया.

कांग्रेस भी डाल सकती है प्रेशर

कांग्रेस भी रास की सीट के लिए दवाब बना सकती है. वजह है कि यहां से कांग्रेस कोटे की सीट खाली हो रही है. कांग्रेस का स्वाभाविक दावा भी बनता है. इसको लेकर कयास लगाए जा रहे हैं. बताते चलें कि विधानसभा में झामुमो के पास अब 29 सीटें हैं. राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए प्रत्याशी को 28 वोटों की जरूरत होगी.

4 मार्च को जारी होगी अधिसूचना

चुनाव आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों सीटों के लिए 4 मार्च को अधिसूचना जारी की जाएगी. नामांकन पत्रों की जांच 12 मार्च को होगी. दो से अधिक उम्मीदवार होने पर 21 मार्च को चुनाव कराया जाएगा. उसी दिन मतगणना पूरी कर नतीजे भी जारी किए जाएंगे. चुनाव की प्रक्रिया 23 मार्च तक पूरी कर ली जाएगी.

राज्यसभा चुनाव फैक्ट फाइल

2004 में पहली बार यशवंत सिन्हा और स्टीफन मरांडी निर्विरोध राज्यसभा सांसद बने थे

2006 में माबेल रिबेलो और एसएस अहलूवालिया का निर्विरोध निर्वाचन हुआ था

2014 में निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी और प्रेमचंद गुप्ता निर्विरोध चुने गए थे

2022 में झामुमो की महुआ माजी और भाजपा के आदित्य साहू निर्विरोध चुने गए थे

ऐसा है राज्यसभा चुनाव का गणित

- विस के कुल सदस्यों की संख्या में रिक्त दो सीटों में एक जोड़ कर विभाजित किया जाता है
- झारखंड के 80 विधायकों की संख्या में राज्यसभा की दो सीट में एक अंक जोड़कर यानी 80 को 3 से विभाजित करने पर 26.66 आता है. इसमें 1 जोड़ने पर संख्या 27.66 हो जाती है
- इस लिहाज से एक उम्मीदवार को 27 प्राथमिक वोट चाहिए.
- सभी विधायकों को पहली पसंद और दूसरी पसंद का उम्मीदवार बताना पड़ता है. जिसको प्राथमिकता के लिए तय वोट मिल जाता है, वह जीत जाता है.

नक्सलियों ने डॉक्टर की गोली मारकर हत्या की

चाईबासा। नक्सलग्रस्त टोंटो थाना क्षेत्र के बांदाबेड़ा गांव में नक्सलियों ने झोलाछाप डॉक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना शुक्रवार देर शाम की है. पुलिस मुखबिरी के आरोप में नक्सलियों ने जितेन लागुरी की हत्या कर दी. नक्सलियों ने लागुरी को सामने से गोली मारी है. एक गोली का खोखा उसके घर के दीवार में जा धंसा है. शनिवार सुबह ग्रामीणों ने जितेन लगुरी के घर के पास उसे मृत पाया. जानकारी के मुताबिक, जितेन लागुरी शुक्रवार को सामान खरीदने के लिए चाईबासा गये थे. खरीदारी के बाद वह देर शाम बाइक से गांव लौटे. गांव पहुंचने के बाद उन्होंने अपनी बाइक खड़ी की और घर के अंदर घुसे ही थे कि नक्सलियों ने उन्हें बाहर आने को कहा. घर के बाहर निकलते ही नक्सलियों ने उनपर दो गोलियां दागी. जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी. शनिवार सुबह ग्रामीणों ने घटना की जानकारी मिली.

उपलब्धि जमशेदपुर की अरका जैन यूनिवर्सिटी (एजेयू) ने नैक में रचा इतिहास

ए ग्रेड हासिल करने वाली राज्य की पहली प्राइवेट यूनिवर्सिटी बनी

आनंद मिश्रा। जमशेदपुर

गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए देश भर में अपनी पहचान बना चुकी अरका जैन यूनिवर्सिटी 6 सालों से विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य निर्माण की दिशा में सतत प्रयासरत है. इसी की सुखद परिणाम है कि अरका जैन यूनिवर्सिटी को अपनी यात्रा के शुरुआती दौर में ही मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन की बॉडी राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद (नैक) की ओर से ग्रेड ए की मान्यता प्राप्त हुई है, जो की विश्वसनीयता एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ा कदम एवं मील का पत्थर साबित होगा.

इसके साथ ही अरका जैन यूनिवर्सिटी झारखंड, बिहार एवं पश्चिम बंगाल को मिला कर ऐसी पहली स्टेट प्राइवेट यूनिवर्सिटी बन गई है, जिसको नैक की यह प्रतिष्ठित ए ग्रेड की रैंकिंग मिली है. इसके पहले उक्त तीनों राज्य में किसी भी स्टेट प्राइवेट यूनिवर्सिटी को नैक की ओर से ए ग्रेड से नवाजा नहीं गया है. यह जानकारी यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में दी. अरका जैन यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ रॉयचंद चैनराज ने राज्य सरकार के प्रति आभार जताया. साथ ही उन्होंने पूरे यूनिवर्सिटी परिवार एवं जैन ग्रुप को इस उपलब्धि पर बधाई दी.

पूरे राज्य के लिए यह एक विशेष उपलब्धि है

यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राजेश शुक्ला ने इसे महत्पूर्ण कड़ी बताया और कहा कि छात्रों के अलावा पूरे राज्य के लिए यह एक उपलब्धि है. विदित हो कि एजेयू को नैक एक्रीडिटेशन में 3.15 स्कोर प्राप्त हुआ है. यूनिवर्सिटी के डीन व डायरेक्टर कैंपस डॉ अंगद तिवारी ने बताया कि यह यात्रा रोमांचपूर्ण रही है. हर वर्ष हमने दोगुनी मेहनत की और आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं.

6 साल से एक ही विजन पर काम कर रहे हैं: रजिस्ट्रार

अरका जैन यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ अमित श्रीवास्तव ने बताया कि 6 साल से हम एक ही विजन के साथ काम कर रहे हैं, वह यह कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अपने घर को छोड़ कर कहीं दूर न जाना पड़े, छात्र अपने घर में रहकर वर्ल्ड क्लास एजुकेशन ले सकें और बेहतर तरीके से रोजगार के अवसर तैयार कर सकें. इस दौरान श्रीवास्तव ने निकट भविष्य में और भी नए-नए पाठ्यक्रम तथा ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा आरंभ करने की घोषणा की. यूनिवर्सिटी के प्रो चांसलर डॉ एन सुन्दरजन और प्रो चांसलर एवं पूर्व कुलपति डॉ एसएस रज़ी ने कहा कि नैक की रेटिंग प्रोसेस के दौरान काफी कड़े इम्तेहानों से गुजरना पड़ा. बावजूद यूनिवर्सिटी की टीम ने दिन-रात एक करके रिपोर्ट्स तैयार की और सभी स्टाफ मेंबर्स एवं छात्रों के सहयोग से आज यह एक सपना सच होने जैसा है. वहीं कुलपति डॉ ईश्वरन अय्यर ने इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई दी.

अपराधियों ने ओवरटेक कर कारोबारी को मारी गोली, घायल

संवाददाता। मेदिनीनगर

नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र में अपराधियों ने बाइक से ओवरटेक कर एक कारोबारी पर फायरिंग कर दी. गोली कारोबारी के जांघ में लगी है. जख्मी को छतरपुर के अनुमंडलीय अस्पताल में प्रारंभिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती किया गया है. जख्मी कारोबारी नौडीहा बाजार निवासी संतोष गुप्ता (35) पिता कृष्णा साव हैं. घटना रामसडया गांव जाने के दौरान बलीटाड़ में हुई. इधर, जख्मी कारोबारी की पत्नी ने गोतिया परिवार के रामजी साव पर व्यावसायिक विवाद में गोली मारने का आरोप लगाया है. पत्नी ने कहा कि मोटरसाइकिल से ओवरटेक कर उसके पति की हत्या करने की नीयत से गोली चलाई गई थी. हालांकि किस्मत अच्छी होने के कारण उनकी जान बच गई. थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण ने बताया कि गोली किसने चलाई यह स्पष्ट नहीं हो पाया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. उन्होंने कहा कि पत्नी के आरोप पर भी जांच की जा रही है. जानकारी के अनुसार सूप और दउरा का कारोबार करने वाले संतोष गुप्ता शनिवार की सुबह पौने आठ बजे मोपेड से खरीदारी करने के लिए रामसडया गांव की ओर जा रहे थे. इसी दौरान सुनसान इलाके बलीटाड़ दो मुहानी पर मोटरसाइकिल से ओवरटेक कर दो अपराधियों ने संतोष पर फायरिंग कर दी. गोली उनके जांघ को छेड़ते हुए निकल गई. एमएमसीएच के डॉक्टर ने बताया कि संतोष की हालत खतरे से बाहर है. हालांकि एक्स-रे करने को कहा गया है. इससे स्पष्ट हो जाएगा कि गोली जांघ के अंदर फंसी है या नहीं.

ब्रीफ खबरें

तेज रफ्तार वाहन ने ली दो युवकों की जान, एक गंभीर

गुमला। गुमला के टोटो पेट्रोल पंप के समीप शुक्रवार की देर रात हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल एक युवक को सदर अस्पताल गुमला में प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर ने रिम्स रेफर कर दिया है. जानकारी के अनुसार बड़ा खटंगा निवासी आदर्श गोप और अनुज उरांव एक गृह प्रवेश कार्यक्रम में भाग लेने केसीपारा गए थे. केसीपारा से लौटने के दौरान उनके बाइक में इन्द्रजीत बड़ाईक भी साथ हो गया था. बड़ा खटंगा पहुंचने से पहले टोटो पेट्रोल पंप के समीप एक तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन ने बाइक सहित युवकों को कुचलते हुए पार हो गया. इस दुर्घटना में आदर्श गोप और अनुज की घटना स्थल ही मौत हो गई.

विद्या सागरजी महाराज को विनयांजलि आज

मेदिनीनगर। संत शिरोमणि 108 आचार्य भगवान विद्या सागरजी महाराज के देवलोक गमन पर दिगंबर जैन समाज डाल्टनगंज द्वारा 25 फरवरी को विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया है. स्थानीय जैन मंदिर में आहुत सभा अपराह्न 1 बजे (सम्पूर्ण राष्ट्र में एक साथ) आयोजित होगी. उक्त जानकारी दिगंबर जैन समाज डालटनगंज के अध्यक्ष सरस जैन ने दी. उन्होंने लोगों से ससमय पधार कर आचार्य श्री को राष्ट्र के प्रति किए गए कार्य (इंडिया नहीं भारत बोलो, हस्त करघा अपनाओ, गुरुकुल परंपरा से शिक्षा, गौ सेवा) को प्रेरणास्रोत के रूप में अग्रसारित करने में सहभागी बनने की अपील की है.

मतदाता जागरूकता को लेकर वॉकथॉन आज

मेदिनीनगर। आगामी लोकसभा चुनाव में जिले में शत प्रतिशत मतदान कराने व इसके लिए मतदाताओं को जागरूक करने को लेकर स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत रविवार को वॉकथॉन का आयोजन किया गया है. वॉकथॉन समाहरणालय परिसर से सुबह 7 बजे से पुलिस लाइन ग्राउंड तक आयोजित होगा. 'चुनाव का पर्व देश का गर्व' थीम के साथ आयोजित वॉकथॉन में मेदिनीनगर शहर के युवा, स्कूली बच्चे, समाहरणालय के सभी पदाधिकारी व कर्मी, पत्रकार, हाई कोर्ट व सिविल कोर्ट के न्यायाधीश, सामाजिक कार्यकर्ता समेत काफी संख्या में शहरवासी शामिल होंगे.

थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

केतार। बीडीओ सावित्री कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को थाना परिसर में मुस्लिम समुदाय के त्यौहार शब-ए-बरात को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में हिन्दू-मुस्लिम दोनो समुदाय के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे. इस दौरान आपसी भाई-चारे के साथ त्यौहार मनाने की अपील की. थाना प्रभारी रोशन कुमार बर्नवाल ने कहा कि त्यौहार पर असमाजिक तत्वों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. किसी भी व्यक्ति पर त्यौहार में खलल डालने का संदेह हुआ तो उस पर कानूनी कारवाई की जाएगी. बीडीओ ने कहा कि त्यौहार आपसी भाईचारेके साथ मनाने की जरूरत है.

टैलेंट शो सीजन सात का फाइनल आज

मेदिनीनगर। इंडियाज रियलिटी शो बेस्ड सर्च टैलेंट सीजन 7 का फाइनल स्थानीय गांधी स्मृति टाउन हॉल में 25 फरवरी को आयोजित होगा. कार्यक्रम सुबह 11 बजे से आयोजित होगा. आयोजन समिति सदस्यों ने प्रेस वार्ता में बताया कि इस टैलेंट शो सीजन 6 एवं 7 का ऑडिशन वह एलिमिनेशन राउंड 26 नवंबर वह 29 अक्टूबर को लिया गया था, जिसमें से फाइनल राउंड के लिए 17 प्रतिभागियों का चयन किया गया है. पोएट्री की कंपटीशन में 8 प्रतिभागी, मेहंदी कंपटीशन में चार एवं डुएट डांस की कंपटीशन में पांच प्रतिभागियों को शॉर्ट लिस्टेड किया गया है.

नए फुट ओवरब्रिज का हो रहा निर्माण: डॉ सतीश

लातेहार। रेलवे स्टेशन लातेहार पर यात्रियों के सुविधाओं के लिए टीटीआईपीएल कंपनी के द्वारा शनिवार को नए फुट ओवर ब्रिज का निर्माण का सफलतापूर्वक गदर लांचिंग किया गया. इसका उद्घाटन आरबीएनएल के सीपीएम डा सतीश कुमार, सीनियर डीजेएम एस पटनायक, पीएम मृत्युंजय कुमार शर्मा, टीटीआई पीएल के पीएम जाला रमेश, एडीइएन सुनील सुग्रीता, लाइजिंग ऑफिसर प्रकाश कुमार तिवारी व सेफ्टी इंचार्ज शिव शंकर दुबे ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर किया. डॉ सतीश कुमार ने कहा कि यात्रियों के लिए नए फुट ओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है.

तीन मार्च को सीएम चंपाई सोरेन जिले की पांच बड़ी योजनाओं का एक साथ उद्घाटन करेंगे

विकास के पायदान पर गढ़वा नंबर वन होगा : मिथिलेश

संवाददाता। गढ़वा

खास बातें

- गढ़वा की सूरत पूरी तरह से बदल गई है
- अब गढ़वा घूमने एवं देखने योग्य जिला बन गया है

गढ़वा जिला के लिए 3 मार्च का दिन ऐतिहासिक होगा. जिलेवासियों को इस दिन बहुत बड़ा तोहफा मिलेगा. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन जिले की पांच बड़ी योजनाओं का एक साथ उद्घाटन करेंगे. उद्घाटन के बाद इनकी सेवाएं प्रारंभ हो जाएगी. यह कहना है गढ़वा विधायक सह राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर का. उन्होंने बताया कि 3 मार्च को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का गढ़वा में कार्यक्रम है.

इस दौरान मुख्यमंत्री नवनिर्मित समाहरणालय भवन, बिरसा मुंडा हेलीपैड पार्क, बस स्टैंड, फुटबॉल स्टेडियम और नवनिर्मित टाउन हॉल का उद्घाटन करेंगे. इसके बाद मुख्यमंत्री टाउन हॉल के मैदान में जनसभा को आयोजन संबोधित करेंगे. मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि नव निर्माण से गढ़वा के विकास में चार चांद लग गया है.

गढ़वा की सूरत पूरी तरह से बदल गई है. अब गढ़वा घूमने एवं देखने योग्य बन गया है. उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के चुनाव पूर्व किए गए वादे एवं दूरदर्शी सोच से आज गढ़वा की स्थिति पूरी तरह बदल गई है. गढ़वा के चप्पे चप्पे पर विकास की नई इबादत लिखी जा रही है. मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि आने वाले समय में गढ़वा में सारी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होगी. विकास के पायदान पर गढ़वा नंबर वन होगा.

संत रविदास की पूजा-अर्चना कर प्रसाद का वितरण किया गया

जयंती पर याद किए गए संत रविदास

संवाददाता। लातेहार

खास बातें

- संत रविदास ने लोगों के दृष्टिकोण को बदल दिया
- रविदास एक संत, कवि और दार्शनिक थे
- संत रविदास ने समानता के महत्व को समझाया

शनिवार को जिला मुख्यालय समेत आसपास के क्षेत्रों में संत रविदास की जयंती धुमधाम से मनायी गयी. इस मौके पर शोभा यात्रा भी निकाली गयी. शहर के बाइपास चौक में संत रविदास पूजन समिति के द्वारा संत रविदास की पूजा-अर्चना कर प्रसाद का वितरण किया गया. यहां एक भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी. इसका नेतृत्व समिति के अध्यक्ष शंभू प्रसाद ने किया. शोभा यात्रा बाइपास चौक से निकल कर थाना चौक पहुंची और इसके बाद मुख्य पथ होते हुए बस स्टैंड पहुंची. शोभा यात्रा में काफी संख्या में महिलायें थी. लोगों ने संत रविदास का जयघोष किया.

मौके पर उपाध्यक्ष अनिकेत सिन्हा, सचिव युगेश्वर राम, कोषाध्यक्ष रविशंकर राम जागो राम, मधु राम, धनदेव राम, रामदयालय राम, रामचंद्र राम, युगेश्वर राम, अजय राम, सुनेश्वर राम, बसंत राम, रवि राम, मनोज राम, मुन्ना दयाल, रौशन राम, राजू राम, विनोद राम, नरेश लाल रवि, जीतेश्वर राम, उदेश्वर राम, सविता देवी, सरिता देवी, गीता देवी, कुंति देवी आदि मौजूद थे. इसके अलावा शहर के अमवाटीकर के अबेंदकर चौक से भी शोभा यात्रा निकाली गयी. शोभा यात्रा अंबेदकर चौक से निकल पर थाना चौक और बाइपास चौक पहुंची. इसके बाद पुनः अंबेदकर चौक वापस लौट गयी. शोभा यात्रा में नरेंद्र राम, शंकर राम, अनिल राम, पिंटू राम, अजीत राम, रंजीत राम, बनवारी राम व प्रवीण राम समेंत काफी संख्या में महिला पुरूष शामिल थे.

महान संत, कवि और दार्शनिक थे रविदास : शशिभूषण

मेदिनीनगर। भगवान रविदास ने मानव अधिकारों और समानता के महत्व के बारे में शिक्षा और उपदेश दिया. उनकी शिक्षाओं ने लोगों के दृष्टिकोण को बदल दिया और उन्हें जीवन में सही रास्ते पर लाया. वह एक संत, कवि और दार्शनिक थे और उनकी शिक्षाओं का आज भी जश्न मनाया जाता है. वक्त बातें बाकी विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने कही. वे पांकी विस क्षेत्र अंतर्गत संत रविदास जयंती पर तरहसी प्रखंड के सुगी गांव में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे इससे पूर्व उन्होंने बाबा साहब के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. उन्होंने कहा कि सुगी गांव में में डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा अधिष्ठापना एवं सुंदरीकरण का कार्य कराया गया है. इस क्षेत्र को और भी विकसित किया जाएगा. मौके पर शंकर शुक्ला, प्रोफेसर बच्चन ठाकुर, गुड्डू तिवारी, रोशन सिंह, कार्तिक सिंह, देवराज साव, मनातू मंडल अध्यक्ष सत्येंद्र यादव, विधायक प्रतिनिधि उदेश यादव आदि उपस्थित थे.पदमा के तेतररडीह, मनातू के जसपुर समेत कई गांव में आयोजित संत रविदास व साबरी जयंती कार्यक्रम में भी शामिल हुए. विधायक डॉक्टर मेहता सबरी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में डॉक्टर मेहता ने कहा कि भगवान राम की अनन्य भक्त माता शबरी की पूजा से भी राम कृपा प्राप्त होती है.

संत रविदास व संत गाडगे की मनाई जयंती

चंदवा (लातेहार)। शहर के कुसुमटोली स्थित कृषि फार्म परिसर में शनिवार को बहुजन चेतना मंच के तत्वावधान में संत रविदास व संत गाडगे महाराज की जयंती मनायी गयी. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि हरिकुमार भगत एवं विशिष्ट अतिथि दीपू कुमार सिन्हा, फौद्दार राम, बिनोद राम एवं सुधावती देवी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर किया गया.

जीएन कॉन्वेंट में मनीं संत रविदास जयंती

गढ़वा। शहर के ज्ञान निकेतन कॉन्वेंट प्लस टू स्कूल में संत रविदास की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षाविद एवं विद्यालय के निदेशक मदन प्रसाद केशरी तथा उपप्राचार्य बसंत ठाकुर ने संत शिरोमणि रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया. मौके पर निदेशक ने कहा कि संत रविदास ईश्वर के सच्चे उपासक और अध्यात्म के अग्रिम पुरोधा थे.

एससी व एसटी विरोधी है झामुमो सरकार: प्रतुल

चंदवा (लातेहार)। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता लाल प्रतुल नाथ शाहदेव ने कहा कि झारखंड की यह सरकार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति विरोधी है. चंपई सोरेन सरकार में एससी कोटे से मंत्री नहीं बनाये जाने से उन्होने नाराजगी जाहिर करते की. कहा कि लातेहार के एसी विधायक बैद्यनाथ राम को मंत्री बनाया जाना तय हो जाने एवं वारंट ऑफ अप्वांटमेंट दे कर राजभवन बुलवा कर बिना मंत्री बनाये ही राजभवन गेट से वापस कर दिया गया. यह पूरे लातेहार जिले का अपमान है. श्री शाहदेव ने आगे कहा कि हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री पद मे रहते हुए माइंस लीज परिवार के लोगों और अपने शार्गिद विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के नाम से कर दिया. श्री शाहदेव पथ निर्माण विभाग के विश्रामागार में प्रेस से बातचीत कर रहे थे.

दिनेश कॉलेज में पंजीयन कैंप का हुआ आयोजन

गढ़वा। जिला नियोजनालय गढ़वा के तत्वावधान में शनिवार को बाबू दिनेश सिंह विश्वविद्यालय गढ़वा के परिसर स्थित दिनेश कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सभागार कक्ष में मोबिलाइजेशन वर्कशॉप कम पंजीयन कैंप का आयोजन किया गया. इस दौरान देवकी महावीर होम्योपैथिक कॉलेज एवं अस्पताल के छात्राओं का पंजीकरण किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में यंग प्रोफेशनल हिमांशु सिंह ने छात्र-छात्राओं को पंजीयन करने के लिए जानकारी दी तथा साक्षात्कार और बायोडाटा तैयार करने का तरीका बताया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ उमाशंकर मिश्रा ने कहा कि बेरोजगारी को दूर करने के लिए इस तरह के सरकारी कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर होते रहना चाहिए.

न्यूज अपडेट

सदर अस्पताल में महिला ने तीन स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया

गुमला। गुमला सदर अस्पताल में पांडुलोया गांव निवासी गोविंद गोप की पत्नी प्रीति कुमारी ने शुक्रवार की रात तीन स्वस्थ बच्चे को जन्म दी है. तीन स्वस्थ बच्चों में दो बालक और एक कन्या है. ज्ञात हो कि गर्भवती महिला प्रीति कुमारी को शुक्रवार की सुबह प्रसव पीड़ा होने लगा. तेज दर्द होने के कारण परिजनों ने तत्काल उप स्वास्थ्य केंद्र कोनबीर में भर्ती कराया जहां से चिकित्सक ने सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया गया. सदर अस्पताल गुमला में डाक्टर ने ऑपरेशन किया और गर्भ से तीनों बच्चों को स्वस्थ व सुरक्षित बाहर निकला. तीनों बच्चे स्वस्थ हैं.

हमेशा संतुलित आहार लेना चाहिए : घनश्याम योगी

लातेहार। सदर प्रखंड के आरगुंडी पंचायत के कुंदरी ग्राम के सनराइज स्कूल में योग शिविर का आयोजन किया गया.आयुष के जिला युवा प्रभारी घनश्याम योगी ने विद्यालय के छात्र व छात्राओं को योग व प्रणायाम के कई क्रियाओं की जानकारी दी. कहा कि योग व प्रणायाम करने से मनुष्य निरोगी होता है. उन्होंने कहा कि योग व प्रणायाम से असाध्य रोग तक दूर होते हैं. उन्होंने आर्युवेद व स्वदेशी अपनाने की अपील की और जीवन में आहार की महत्ता पर चर्चा की. कहा कि हमेशा संतुलित आहार लेना चाहिए.

गुमला में भाजपा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

गुमला। लोक सभा चुनाव के मद्देनजर गुमला जिला भाजपा का चुनाव कार्यालय सिसई रोड स्थित होटल सभेकर में खोला गया. भारतीय जनसंघ के नेता भगवान दास, ब्रिजबिहारी प्रसाद, जिला अध्यक्ष शिवप्रसाद साहू, लोकसभा प्रभारी मनोज सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, लोकसभा सांसद सुदर्शन भगत, पूर्व विधान सभा अध्यक्ष डॉ दिनेश उरांव, शिव शंकर उरांव, लोहरदगा जिला अध्यक्ष मनीर उरांव, प्रदेश मंत्री मुनेश्वर साहु आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया.

सहस्त्र चंडी महायज्ञ 29 से, अंतिम चरण में है तैयारी

गुमला। विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए गुमला के मुरकुंडा में 29 फरवरी दिन गुरुवार से सहस्त्र चंडी नौ कुंडीय कल्याण महायज्ञ का आयोजन होगा. महायज्ञ के आयोजन को लेकर तैयारियां चल रही है. यज्ञ मंडप का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है. आस-पास के क्षेत्रों में साफ सफाई और सजावट का काम चल रहा है. पहले दिन 29 फरवरी को कलश यात्रा के साथ पंचांग पूजन एवं मंडप प्रवेश किया जाएगा. यह महायज्ञ नौ मार्च तक चलेगा. महायज्ञ को लेकर झंडा स्थापना के साथ ही क्षेत्र में शुद्धता और पवित्रता का ख्याल रखा जा रहा है.

शब-ए-बरात को लेकर बलूमाथ थाना में बैठक संपन्न

बालूमाथ। शब-ए-बरात बालूमाथ थाना क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जाने को लेकर शांति समिति की बैठक थाना परिसर में आयोजित की गयी. अध्यक्षता नये थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्याय ने की. थाना प्रभारी उपाध्याय ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभारी के रूप में मेरी पदस्थापना आपके सहयोग के बगैर सफल नहीं हो सकता है. आपसी सद्भाव के साथ शब-ए-बरत मनाया जाना चाहिए. समाजसेवी हाजी मोतिउर रहमान ने थाना प्रभारी का स्वागत करते हुए कहा कि बालूमाथ आपसी-भाईचारे का हमेशा से उदाहरण प्रस्तुत करते आया है.

जिला नियोजनालय लातेहार में लगा रोजगार मेला

लातेहार। श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग के तत्वावधान में जिला नियोजनालय लातेहार के द्वारा शुक्रवार को 'एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगडी रोजगार मेला का आयोजन किया गया. मेला का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देव, जिला परिषद सदस्य विनोद उराव तथा डेविलेक्रो माइनिंग के महा निदेशक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार अपने स्वागत भाषण में जिला नियोजनालय के द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी. उन्होने रोजगार मेला का लाभ उठाने की अपील बेरोजगार युवाओं से की. उन्होने मेला में आये कंपनियों को अधिक से अधिक रोजगार देने की अपील की. जिला परिषद अध्यक्ष ने कहा कि रोजगार मेला श्रम विभाग की एक अच्छी पहल है.

गढ़वा के मजरी गांव के जंगल से मिली नरकंकाल

संवाददाता। गढ़वा

खास बातें

- हत्यारे को गढ़वा पुलिस टीम ने पलामू से किया गिरफ्तार
- युवती अपने ही गांव के एक युवक के साथ काम करती थी

पुलिस टीम द्वारा एक हत्या के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफ़लता हासिल की गई है. पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी दीपक कुमार पांडेय द्वारा बताया गया कि पिछले दिनों भंडरिया से सटे मंजरी जंगल में एक युवती का नरकंकाल बरामद किया गया था. उसके बाद एसपी द्वारा एक अनुसंधान टीम का गठन किया गय. टीम द्वारा अनुसंधान में उक्त युवती की पहचान उसी गांव की अमृता कुमारी के रूप में हुई. आखिर उसके साथ हुआ क्या था इस बावत एसपी ने बताया की उक्त युवती अपने ही गांव के युवक प्रमोद के साथ काम किया करती थी. उसी दौरान दोनों एक दूसरे से प्यार करने लगे,दोनों का बराबर मिलना होता था. हर प्रेमी की तरह प्रमोद भी अपनी प्रेमिका के साथ जीने मरने की कसमें खाता था, पर वो एन वक्त पर अपने वादे से मुकर गया. क्योंकि ऐसे तो युवती द्वारा शादी करने की बात कही जाती थी,लेकिन जिस रोज़ वो उस पर शादी को ले कर ज्यादा दवाब बनाई उस वक्त उसके प्रेमी प्रमोद द्वारा शादी करने को ले कर सीधे रूप में इनकार कर दिया गया.

संत रविदास की 648वीं जयंती मनाई गई

मेदिनीनगर। बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में संत शिरोमणि गुरु रविदास की 648 वी जयंती मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम व संचालन संजय कुमार ने किया. सर्वप्रथम संत रविदास की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई. मोर्चा अध्यक्ष श्री राम ने कहा कि संत रविदास सामाजिक क्रांति के अग्रदूत समाज सुधारक एवं मानवतावादी संत थे. उन्होंने सदाचार युक्त जीवन जीने का मार्ग सुझाया सामाजिक बुराइयों एवं सामाजिक कुरीतियों को दूर करने की रास्ता दिखाया. संत रविदास के आदर्शों को ग्रहण कर समाज में शांति एकता और आपसी भाईचारा स्थापित किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि संत रविदास की वाणी एवं उनके उपदेशों को गांव-गांव में अभियान चलाकर पहुंचने की जरूरत है तभी आडंबर मुक्त समाज का निर्माण होगा. जयपाल मोची ने संत रविदास की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संतों की कोई जाति नहीं होती. संत समाज के मार्गदर्शक होते हैं. मौके पर नानक सिंह, मनोज कुमार, महेंद्र राम, अरुण कुमार दास आदि मौजूद थे.

लोक अदालत की सफलता के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी: पीडीजे

संवाददाता। लातेहार

आगामी नौ मार्च को व्यवहार न्यायालय, लातेहार परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा. इसे ले कर शनिवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई. मौके पर पीडीजे अखिल कुमार ने कहा कि नालसा व झालसा के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, लातेहार के द्वारा उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है. उन्होने इस राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए सामुहिक प्रयास करने की बात कही. इस राष्ट्रीय लोक अदालत का नोटिस संबंधित पक्षकारों को शीघ्र प्राप्त कराने का निर्देश दिया. उपायुक्त गरिमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निष्पादन सुनिश्चित कराने के लिए सभी को ईमानदार प्रयास करना होगा. उन्होने इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकतम प्रयास का आश्वासन दिया. बैठक में पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, वन प्रमंडल पदाधिकारी रौशन कुमार, अपर सत्र न्यायाधीश अमित कुमार, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी मो अब्दुल नसीर,प्राधिकार की सचिव स्वाति विजय उपाध्याय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजमणी प्रसाद, सिविल सर्जन डा अवधेश सिह, एसडीओ मो परवेज अख्तर, जेल अधीक्षक प्रभात कुमार समेंत जिले के कई अधिकारी आदि मौजूद थे.

बालूमाथ में सात पड़हा चट्टा सम्मेलन संपन्न

बालूमाथ (लातेहार)। सात पड़हा चटा सम्मेलन शनिवार को प्रखंड के गेरेंजा टोला, हराफू के स्कूल मैदान में आयोजित किया गया. सम्मेलन में आदिवासी समाज के पड़हा राजा जिला अध्यक्ष प्रभु दयाल उरांव, धर्म अगुआ तेतर उरांव एवं लालजी उरांव ने संयुक्त रूप से कहा कि हमारे समाज के लोगों का जल, जंगल जमीन गैर कानूनी रूप से लूटा जा रहा है. आदिवासी अब इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे. आदिवासी समाज के लोगों को अब जागरुक होकर अपनी सभ्यता, संस्कृति और विरासत को बचाना है. उन्होने शिक्षा पर विशेष बल देने की बात कही. कहा कि बिना शिक्षित हुए आदिवासी समाज विकास के राह पर नहीं जा सकता है.

छात्र के घर पहुंचे प्रतुल शाहदेव, दिया भरोसा

बालूमाथ (लातेहार)। पिछले दिनों रांची के उषा मार्टिन यूनिवर्सिटी में डी फार्मा की पढ़ाई कर रहे बालूमाथ के गणेशपुर ग्राम के एक युवक की संदेहास्पद मौत हो गयी थी. पुलिस ने अभी तक इस मौत का उदभेदन नहीं कर सकी है. शनिवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव गणेशपुर पहुंच कर मृतक छात्र के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढ़स बंधाया. उन्होंने घटना के बारे में जानकारी ली. पुलिस के द्वारा इस मामले में कोई प्रगति नहीं होने पर परिजनों ने नाराजगी जाहिर की. मौके पर प्रतुल शाहदेव ने रांची रेंज के डीआईजी से मोबाइल पर बात कर मामले की जानकारी दी. उन्होंने इस घटना का शीघ्र उदभेदन करने की मांग की. डीआईजी ने दूरभाष पर ही जल्द ही इस घटना का उदभेदन कर लेने की बात कही. मौके पर मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा, अमित कुमार, विजय यादव आदि मौजूद थे.

नोटरी पब्लिक लातेहार

शपथ पत्र

मैं गोविन्द राम, उम्र करीब 54 वर्ष, पिता- स्व. गेन्दो राम, निवासी ग्राम पकरार, थाना लातेहार, जिला लातेहार, राज्य झारखंड, राष्ट्रीयता भारतीय, निम्नलिखित बातों का शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं :-

1. यह कि मैं उक्त ग्राम का स्थायी निवासी हूं।
2. यह कि मेरे तीन पुत्र मिथुन राम, अजीत राम एवं चन्दन कुमार रवि है।
3. यह कि मैं अपने छोटे पुत्र चन्दन कुमार रवि को अपने सारे चल और अचल सम्पति से बेदखल कर रहा हूं।
4. यह कि मेरे छोटे पुत्र चन्दन कुमार रवि द्वारा भविष्य में किसी भी प्रकार का गलत कार्य किया जाता है तो उसका सारा जवाबदेही उसकी होगी।
5. यह कि भविष्य में चन्दन कुमार रवि से हम सभी परिवारवालों का किसी प्रकार का कोई रिश्ता एवं सम्बन्ध नहीं रहेगा।
6. यह कि मेरे चल और अचल सम्पति में मेरे दोनों पुत्र मिथुन राम एवं अजीत राम तथा मेरा पोता कुन्दन कुमार रवि का हक होगा। इसी आशय का मैं यह शपथ पत्र कर रहा हूं।

शपथ पत्र संख्या 5184/21.02.24

कार्यक्रम संत मरियम स्कूल में चला मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

उम्र 18 पूरी है, मतदान करना जरूरी है: उपायुक्त

संवाददाता। मेदिनीनगर

स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत स्थानीय संत मरियम स्कूल में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पलामू उपायुक्त शशि रंजन, विशिष्ट अतिथि डीडीसी पलामू रवि आनंद, अपर समाहर्ता पलामू कुंदन कुमार, प्रशिक्षु आईएएस रवि कुमार, एलआरडीसी मनोरंजन कुमार उपस्थित थे. अतिथियों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन और गुब्बारा उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. वहीं स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने सभी अतिथियों को शॉल और बुके देकर स्वागत किया. जागरूकता कार्यक्रम में उपायुक्त रंजन ने कहा की सभी को वोट देना जरूरी है. मतदान अपनी सरकार के साथ अधिक नागरिक रूप से जुड़ने का एक तरीका है. अपनी आवाज़ सुनकर और उन लोगों के विचारों का प्रतिनिधित्व करके दुनिया में बदलाव लाना महत्वपूर्ण है जिनके पास कोई आवाज़ नहीं है. यदि आप बदलाव लाना चाहते हैं तो मतदान एक बेहतरीन तरीका है.

अपर समाहर्ता कुंदन कुमार ने कहा की बेहतर भारत निर्माण हेतु लोकतंत्र के इस महापर्व में हम सभी को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए साथ ही अपने घर, समाज को इसके लिए जागरुक करना चाहिए. प्रशिक्षु आईएएस रवि कुमार ने लोकतंत्र में चुनाव कैसे होते है व चुनाव की प्रक्रिया सहित विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम में स्कूल की छात्रा वंशिका गुप्ता, सृष्टि शाह, श्रेयसी सिंह, अराधना कुमारी, रागिनी कुमारी ने संयुक्त रूप से स्वागत गान प्रस्तुत किया. वहीं, श्रेयसी सिंह, वंशिका गुप्ता, आकांक्षा कुमारी, अराधना कुमारी, अंशी कुमार सिंह ,साक्षी प्रिया, रागिनी कुमारी, सृष्टि शाह वैष्णवी रानी ने संयुक्त रूप से मतदाता जागरूकता गाना प्रस्तुत किया.

आम सूचना

झारखंड भवन उपविधि 2016 यथा संशोधित की धारा 61.16 में ग्रुप हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत अनिवार्य प्रावधान के अंतर्गत **"पर्ल आर्किड"** अरगोड़ा कठहल मोड़ रोड, राँची में EWS/LIG प्रकार के निर्मित फ्लैट्स के आबंटन/बिक्री हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उक्त EWS/LIG प्रकार के निर्मित फ्लैट्स का आबंटन/बिक्री नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार के गाइड लाइन के नियमानुसार किया जाएगा।

निवेदक
मोती इन्फ्रास्ट्रचर्स
अरगोड़ा, कठहल मोड़ रोड, राँची
फोन नं. 9430737562

ब्रीफ खबरें

शहीद की मूर्ति स्थापना के लिए बनी कमेटी

चांडिल । नीमडीह व कुकड़ू प्रखंड के मध्यस्थ स्थल सोनाडुंगरी (झिमड़ी) में क्रांतिवीर वीर शहीद रघुनाथ महतो की मूर्ति स्थापित की जाएगी. इसके लिए शनिवार को मूर्ति स्थापना समिति झिमड़ी के संयोजक प्रभात कुमार महतो की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया. नवगठित कमेटी में संयोजक प्रभात कुमार महतो के अलावा सह संयोजक कृष्णपद महतो, अध्यक्ष बासुदेव महतो, उपाध्यक्ष गणेश महतो, सचिव पद्मलोचन महतो, सह सचिव गुहीराम महतो, कोषाध्यक्ष विजय कुमार महतो और सह कोषाध्यक्ष बुका महतो को बनाया गया है. सदस्यों में चिनिवास, अनादि, विकास, गोपेश्वर, लक्ष्मण आदि को शामिल किया गया है.

चार दिनों से युवती लापता, मामला दर्ज

जमशेदपुर। जमशेदपुर के मानगो उलीडीह ओपी अंतर्गत सुभाष कॉलोनी निवासी सुलेखा कुमारी बीते 21 फरवरी से लापता है. इधर, सुलेखा के परिजनों ने उलीडीह थाना में मामला दर्ज कराया है. परिजनों ने बताया कि सुलेखा मानगो चटाई कॉलोनी में झारखंड होलसेलर नामक कंपनी में काम करती थी. परिजनों ने कंपनी के संचालक तृप्ति रंजन खंडा पर अपहरण करने का आरोप लगाया है. परिजनों ने बताया कि सुलेखा 21 फरवरी को काम पर निकली थी इसके बाद वह वापस नही लौटी.

विशेष पेंशन शिविर में 58 लोगों ने दिया आवेदन

किरीबुरु। किरीबुरु पश्चिम पंचायत कार्यालय प्रांगण में मुखिया पार्वती किड़ो के नेतृत्व में वृद्धा अवस्था एवं विशेष पेंशन शिविर आयोजित किया गया. पिछले तीन दिनों के दौरान लगभग 58 लोगों ने आवेदन दिये. मुखिया पार्वती किड़ो ने कहा कि आवेदन काफी आते, लेकिन जाति प्रमाण पत्र की बाध्यता इसमें खलल डाल रही है. पंचायत के दर्जनों गरीब जिसे हम जानते हैं कि वह एसटी जाति के हैं, लेकिन विभिन्न वजहों से उनका जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पाया है. इस कारण वे आवेदन देने में असमर्थ हो रहे हैं.

रंकिणी मंदिर में खिचड़ी भोग का किया वितरण

मुसाबनी । जादूगोड़ा रंकिणी मंदिर में माघ पूर्णिमा के अवसर विशेष पूजा अर्चना की गई. भारी संख्या में श्रद्धालु पंहुचे और मां के चरणों में शीश झुकाया. मंदिर प्रबंधन द्वारा शांति और भक्ति भावना के साथ पूजा में सहयोग किया. इस अवसर पर मंदिर परिसर में खिचड़ी भोग का वितरण किया गया. मंदिर के पुजारी अनिल बाबा, संतोष बाबा, कान्हाई बाबा, श्रीपति बाबा ने पूजा अर्चना कराया. समाजसेवी सुशील अग्रवाल, टिकी मुखी, पंसस अजीत सिंह आदि खिचड़ी प्रसाद वितरण के दौरान उपस्थित रहे.

किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में ठंड ने फिर दी दस्तक

किरीबुरु। सारंडा जंगल क्षेत्र स्थित किरीबुरु-मेघाहातुबुरु और आसपास के क्षेत्रों में सूर्य व बादलों की आंख मिचौली के साथ-साथ तेज चल रही सर्द हवाओं की वजह से एक बार पुनः ठंड ने दस्तक दे दी है. तापमान में निरंतर उतार-चढ़ाव की वजह से सर्दी, खांसी, बुखार, दस्त, गले में दर्द जैसी बीमारियों में भी वृद्धि देखी जा रही है. लोग दिन में भी हल्का गर्म कपड़ा पहनने को मजबूर हैं. 24 फरवरी को किरीबुरु का न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम 24 डिग्री रहने का अनुमान है.

रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में फेयरवेल और अभिनंदन समारोह का आयोजन

छात्र-छात्राएं रेगुलर रहें, हर कार्यक्रम में हिस्सा लें: सचिव

संवाददाता। जमशेदपुर

रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को बी एड सत्र 2021-23 और डी एल एड सत्र 2020-22 और 2021-23 के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल का आयोजन किया गया. इसके साथ ही सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों के लिए अभिनंदन समारोह भी आयोजित किया गया. इस अवसर पर फेयरवेल देते समय सभी विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर विदा किया गया. पास आउट विद्यार्थियों को एप्रन और कैप पहनाकर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई. कार्यक्रम में सत्र 2024-26 के विद्यार्थियों के बीच गेम आयोजित किया गया.

एकाग्रचित होकर अपने लक्ष्य की ओर ध्यान दें : प्राचार्या डॉक्टर कल्याणी कबीर ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि विद्यार्थी धैर्य के साथ जीवन जीना सीखें. प्रतिदिन महाविद्यालय में उपस्थित रहें और महाभारत के अर्जुन की तरह एकाग्रचित होकर अपने लक्ष्य की ओर ध्यान दें. इस समारोह में सभी व्याख्यातागण उपस्थित रहे. असिस्टेंट प्रो. डॉ. भूपेश चंद और लेक्चरर जयश्री पांडा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया.

कार्यक्रम के बाद पूर्ववर्ती छात्रों के साथ एक बैठक भी की गई, जिसमें असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर सुमन लता और डॉक्टर सतीश चंद्र ने विद्यार्थियों को नैक की जानकारी दी.

दीपिका पारिया ने किया धन्यवाद ज्ञापन : कॉलेज के चेयरमैन रामबचन और अध्यक्षा रंभा देवी ने भी सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं. समारोह में डॉ. सतीश चंद्र, डॉ. दिनेश यादव, डॉ. सुमनलता, डॉ. गंगा भोला, लेक्चरर रश्मि लुगून, लेक्चरर अमृता सुरेन, असिस्टेंट प्रो. मंजू गगराई, लेक्चरर बबीता कुमारी, असिस्टेंट प्रो. ऐश्वर्य कर्मकार इत्यादि उपस्थित थे. कार्यक्रम का संचालन छात्रा स्नेहा विश्वकर्मा, लिलिमा भकत और सिमरन कुमारी ने किया. दीपिका पारिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

सुमन डे मिस्टर फ्रेशर्स और नयन दास मिस फ्रेशर्स रहीं

छात्रों में सुमन डे मिस्टर फ्रेशर्स और नयन दास मिस फ्रेशर्स रहीं. विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत-नृत्य प्रस्तुत किया. अपना वक्तव्य देते हुए सचिव गौरव कुमार बचन ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल के तरफ से जब भी कैंपस ड्राइव हो विद्यार्थी जरूर उपस्थित रहें. विद्यार्थियों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि सभी छात्र-छात्राएं रेगुलर रहें और हर तरह के कार्यक्रमों में हिस्सा लें.

उपयोग के बिना बेकार हो रहे विकास के नाम पर बनाए गए भवन

93 लाख की लागत से बने भवन की अब 20 लाख से मरम्मत होगी

दिलीप कुमार। चांडिल

चांडिल डैम रोड में बना मार्केट कंप्लेक्स.

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में दर्जनों ऐसे भवन है, जिसका निर्माण विकास के नाम पर लाखों-करोड़ों की लागत से किया गया है. इनमें से ऐसे भी भवन हैं, जिनका उद्घाटन भी नहीं हुआ और वे खंडहर बनने के कगार पर पहुंच गए हैं. कई भवन तो निर्माण काल से खुले भी नहीं हैं. ऐसे में आम जनता को इसका लाभ नहीं मिल रहा है. लोगों के बीच चर्चा है कि जब भवनों का उपयोग करना ही नहीं था, तो विभाग इन भवनों का निर्माण कराया ही क्यों? जनता के टैक्स से मिले रुपये पानी में क्यों बहाया जा रहा है? अधिकारी, जनप्रतिनिधि इन भवनों के उपयोग पर सक्रियता क्यों नहीं दिखाते हैं? लोगों का कहना है कि कहीं ठेकेदारी और कमीशनखोरी के लिए तो इन भवनों का निर्माण नहीं कराया गया है. अगर विकास को गति देने के लिए भवनों का निर्माण कराया गया होता तो जनता को उसका लाभ दिया जाता.

ना लोगों को मिला लाभ, ना सरकार को राजस्व : चांडिल डैम रोड में जिला परिषद फंड से वर्ष 2014 में 93 लाख की लागत से दो मंजिला मार्केट कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया गया था. लेकिन, सरकार की उपेक्षापूर्ण नीति और लापरवाही के कारण 10 वर्षों से मार्केट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन तक नहीं हो सका. और अब लघु सिंचाई प्रमंडल सरायकेला के द्वारा लगभग 20 लाख की लागत से मार्केट कॉम्प्लेक्स का उन्नयन कार्य का शिलान्यास किया गया है. चांडिलवासियों का कहना है कि मार्केट कॉम्प्लेक्स से स्थानीय लोगों को अबतक कोई लाभ नहीं मिला और सरकार ने इसे जिस उद्देश्य से बनाया, उसकी पूर्ति भी नहीं हो पाई. मार्केट कॉम्प्लेक्स बंद रहने से सरकार को भी राजस्व का घाटा हो रहा है.

अधिकारी सक्रिय

- कई भवन तो निर्माण काल से अबतक खुले भी नहीं हैं
- सामुदायिक शौचालय का उपयोग भी नहीं हो सका
- जिला परिषद फंड से हुआ था शौचालय का निर्माण

निर्माण के बाद नहीं खुला सामुदायिक शौचालय

जन कल्याण के लिए धरातल पर लाई जाने वाली ऐसी कई योजनाएं हैं, जिनका लाभ लोगों को अबतक नहीं मिल सका है. चांडिल बाजार में जिला परिषद की ओर से सामुदायिक शौचालय का निर्माण वर्ष 2014 में ही कराया गया है. निर्माण के बाद से ही बाजार के अंदर बने सामुदायिक शौचालय का उपयोग नहीं हो पा रहा है. चांडिल के तत्कालीन जिला परिषद सदस्य सह सरायकेला-खरसावां के जिला परिषद उपाध्यक्ष देवाशीष राय ने बाजार पहुंचने वाले लोगों को होने वाली परेशानी को दूर करने के उद्देश्य से जिला परिषद फंड से सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया था.

अनुमंडलीय अस्पताल की सुविधाएं लोगों को नहीं मिली

वहीं, चांडिल प्रखंड के गांगुडीह में अनुमंडलीय अस्पताल भवन बनकर भी अधूरा है. तत्कालीन विधायक दिवंगत सुधीर महतो के कार्यकाल में भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो अबतक बनकर पूरा नहीं हो सका है. ऐसे में लोगों को अनुमंडल बनने के 21 साल बाद भी अनुमंडलीय अस्पताल की सुविधाएं स्थानीय लोगों को नहीं मिल रही है. अनुमंडल क्षेत्र में ऐसे कई स्वास्थ्य उपकेंद्र और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर हैं, जो बंद ही रहते हैं. इसके अलावा कई तहसील कचहरी हैं, जिसके भवन बनने के बाद, एक दिन के लिए भी नहीं खुला.

पेंशन योजना का लाभ लेने के लिए लाभुक आवेदन दें : उप मुखिया

किरीबुरु। किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु के विभिन्न पंचायतों में 22 एवं 23 फरवरी को आयोजित विशेष पेंशन शिविर में जानकारी के अभाव में अनेक लाभुक नहीं पहुंच पाये. जिससे वह इस योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन नहीं जमा कर पाये. अब विभिन्न पंचायत प्रतिनिधियों ने अपने-अपने पंचायत के लाभुकों से अपील किया है कि जरूरतमंद एवं इच्छुक लोग अपने पंचायत के मुखिया व उप मुखिया से आवेदन के लिए फार्म प्राप्त एवं भरकर उनके पास जमा कर सकते है. योग्य लाभुकों की उम्र 50-59 वर्ष की की होनी चाहिये. 50-59 वर्ष के पुरुषों के लिए झारखंड का जाति प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है. जाति प्रमाण पत्र नहीं होने पर जाति प्रमाण पत्र का आवेदन का रशीद होना जरूरी है.

जर्जर चर्च रोड का निर्माण कार्य शुरू, लोगों में हर्ष

किरीबुरु। सेल की किरीबुरु खदान प्रबंधन के सीजीएम कमलेश राय एवं सिविल विभाग के महाप्रबंधक डी बी जयकर के संयुक्त व सराहनीय प्रयास की बदौलत किरीबुरु टाउनशिप स्थित चर्च रोड की लगभग 35 वर्षों से जर्जर सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ. इससे चर्च रोड क्षेत्र की जनता कमलेश राय और डी बी जयकर के प्रति आभार जताया. यह सड़क कब बनी थी यह किसी को याद नहीं है. इस क्षेत्र में सभी चर्च व एक गुरुद्वारा के अलावे सेलकर्मियों का आवास व चर्च हाटिंग है. यह सड़क एक प्रकार से झारखण्ड-ओड़िसा सीमा पर स्थित है. सेल की ओडिशा स्थित बोलानी खदान पास में है. काफी संख्या में पर्यटक इस सीमांत क्षेत्र से ओडिशा की खदानें व नजारें देखने आते हैं.

न्यूज अपडेट

माघ पूर्णिमा पर तीन राज्यों के श्रद्धालुओं ने की पूजा

घाटशिला। घाटशिला प्रखंड के आसना पंचायत अंतर्गत बिदु चांदान धोरोम गाड़ चतराबुरु में माघ पूर्णिमा के अवसर पर पूजा अर्चना के लिए तीन राज्य के श्रद्धालु शनिवार को जुटे. सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गयी थी. नायके राजेश टुडू के नेतृत्व में विधिवत पूजा अर्चना करायी गयी. उसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया. ऐसा माना जाता है कि चतरा बुरु ओलचिकि लिपि के जनक पंडित रघुनाथ मुर्मू की तपोभूमि रही है. पूर्व मुखिया शरबत मुर्मू बताते है पंडित रघुनाथ मुर्मू सन 1960 में ओल चिकि लिपि के प्रचार प्रसार हेतू ओड़िशा से बंगाल जाने के दौरान चतराबुरु में रुके थे. जहां सात दिन तक विद्या के भगवान बिदु चांदान की आराधना की थी.

महिला टीम दोदारी ने सलाई को 2-0 से पराजित किया

किरीबुरु। सेल की गुआ खदान प्रबंधन ने सीएसआर योजना के तहत गंगदा पंचायत के मुखिया एवं मानकी-मुंडाओं के सहयोग से दुईया मैदान में तीन दिवसीय फुटबॉल व अन्य खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. इसका उद्घाटन गुआ-चिडिया खदान के सीजीएम (खान) कमल भाष्कर, महाप्रबंधक (खान) एस पी दास, उप महाप्रबंधक (सीएसआर) अनिल कुमार, मुखिया सुखराम उर्फ राजू सांडिल, मानकी लागुडा. देवगम ने फीता काट तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया. उद्घाटन मैच दोदारी एवं सलाई महीला फुटबॉल टीम के बीच खेला गया, जिसमें दोदारी ने सलाई को पेनाल्टी सूट उट में 2-0 से पराजित किया.

ओवेरियान कैंसर जांच शिविर में लोगों ने कराया टेस्ट

घाटशिला। सवेरा फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से शनिवार को घाटशिला धर्मशाला में ओवेरियान कैंसर जांच एवं सलाह शिविर का आयोजन किया गया है. जांच शिविर का उद्घाटन पूर्व विधायक प्रदीप कुमार बलमुचू, जितेंद्र भारद्वाज सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. मौके पर डॉ. बलमुचू ने कहा कि कैंसर जांच एवं सलाह शिविर का आयोजन इसलिए किया गया है कि कैंसर के रोगी दिन प्रतिदिन बढ़ रहे हैं. लोगों को जांच के अभाव में कैंसर की जानकारी नहीं हो पाती है. जब तक जानकारी होती है,तब तक काफी समय निकल जाता है. उन्होंने कहा कि नई दिल्ली एम्स के चिकित्सा डॉ. आशीष बोलखे, डॉ. अनिकेत ठाकरे एवं डॉ निजामुद्दीन ने लोगों की जांच कर उचित सलाह दी.

शिक्षा प्रेमी राखाल प्रधान की 168वीं जयंती मनाई गई

घाटशिला। माटी कला भवन लालडीह घाटशिला में शनिवार को शिक्षाविद् एवं शिक्षा प्रेमी राखाल प्रधान का 168 वां जयंती मनाई गई. इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने कहा कि राखाल प्रधान का जन्म माघ पूर्णिमा 1857 में हुआ था. वे मुसाबनी प्रखंड के स्वासपुर गांव तथा पुश्तैनी घर है. तत्कालीन अंग्रेजी हुकूमत ने उनके सम्मान के लिए रखा माइंस रेलवे स्टेशन तथा कॉपर प्रोजेक्ट का नामकरण भी इनके नाम रखा था. इस अवसर पर गोस्टो बिहारी गोराई, विकास मजूमदार, सतीश सीट, नीलकमल महतो, राजहंस मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

जयंती पर याद किए गए स्व. बागुन सुंब्रुई

चाईबासा। कांग्रेस भवन चाईबासा में शनिवार को स्व बागुन सुंबरुई की जयंती मानते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि कांग्रेसजनों द्वारा व्यक्त किया गया. स्व सुंबरुई कोल्हान प्रमंडल के वयोवृद्ध नेता रहे है. उन्होंने राजनीति का शुभारंभ छोटानागपुर और संथाल परगना को बिहार से अलग झारखण्ड राज्य बनाने संबंधी जन आंदोलन से प्रारंभ किया. तदोपरांत वर्ष 1967 से प्रथम बार बिहार विधानसभा का सदस्य निर्वाचित होने के उपरांत लगातार वर्ष 2009 तक निर्वाचित सदस्य रहे है और इस दरम्यान पांच बार लोकसभा और चार बार बिहार विधानसभा तथा झारखण्ड विधानसभा के सदस्य रहे है. राजनीति की इस लंबी अवधि में बिहार राज्य के दो बार क्रमशः वन मंत्री तथा कल्याण मंत्री रहे है.

बराईबुरु में मागे पर्व 11 से 15 मार्च तक मनेगा

किरीबुरु। बराईबुरु में मागे पर्व या मागे परब 11 मार्च से होगा प्रारम्भ. मुख्य आयोजन 13, 14, 15 मार्च को. उक्त जानकारी मुखिया मंगल सिंह गिलुवा ने दी. उन्होंने बताया कि गांव के मुंडा जुनू पुरती की अध्यक्षता में बैठक कर मागे पर्व के विभिन्न आयोजनों की तिथि सुनिश्चित किया गया. इसके तहत 11 मार्च को ओते इलि, 12 मार्च को गुरी पोरोब, 13 मार्च को मारंग पोरोब, 14 मार्च को जतरा एवं 15 मार्च को हरमगेया का आयोजन होगा. बराईबुरु में आयोजित होने वाला मागे पोरोब सारंडा का सबसे ऐतिहासिक व भव्य होता है. इस पर्व का सबको इंतजार रहता है. उल्लेखनीय है कि मागे पर्व अथवा पोरोब झारखंड के हो व मुंडा आदिवासी समुदाय का एक पारंपरिक पर्व है. यह त्योहार माघ महीने की शुरुआत यानी जनवरी-फरवरी में मनाया जाता है.

अयोध्या जा रही यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त, 7 यात्री घायल

घाटशिला। गालूडीह थाना क्षेत्र के सालबनी गांव के समीप शनिवार को एनएच 18 फोरलेन पर ओडिशा के जाजपुर से अयोध्या जा रही यात्री बस ने सड़क पर खड़े खराब ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में सात यात्री घायल हो गये. घटना की सूचना मिलने पर गालूडीह पुलिस पहुंची और सभी घायलों को अनुमंडल अस्पताल घाटशिला भेजा. अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक ने सभी का प्राथमिक उपचार किया. दुर्घटना में अशोक कुमार दलाई, पितांबर साहू, सरोज कुमार नायक, प्रफुल्ल दास, शिवा नाथ एवं पूर्ण चंद्र साहू को गंभीर चोट लगी है. घटना के संबंध में यात्रियों ने बताया कि 52 यात्रियों का जत्था श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या दर्शन करने जा रहे थे.

---

18 छात्र श्नाइडर इलेक्ट्रिक में 2.80 लाख के पैकेज पर लॉक

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के गोलमुरी स्थित एनटीटीएफ आरडी टाटा तकनीकी संस्थान मे बीते दिनों श्नाइडर इलेक्ट्रिक कंपनी की ओर से कैंपस सिलेक्शन किया गया. इसमें सर्वप्रथम लिखित परीक्षा, छात्रों की व्यक्तिगत प्रतिभा, तकनीकी क्षमता को परखा गया एवं फाइनल सिलेक्शन इंटरव्यू राउंड के बाद किया गया, जिसमें छात्रों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए संस्थान को गौरवांवित किया. गुजरात की श्नाइडर कंपनी द्वारा एनटीटीएफ के 18 छात्रों को 2.80 लाख रुपये के पैकेज पर लॉक किया गया. सभी छात्रों ने तीनों राउंड की सिलेक्शन प्रक्रिया में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कंपनी में अपनी जगह बनाई. सभी चयनित छात्र एनटीटीएफ के फाइनल ईयर के हैं. चयनित छात्रों में संस्थान के डिप्लोमा इन टूल एंड डाई इंजीनियरिंग के शिवाशीष, गौरव कुमार, आदित्य कुमार मिश्रा, फैजान खान, आकाश राज, अनीश कुमार, नीतीश कुमार, राहुल कुमार सिंह, दिलीप कुमार, अनुराग कुमार साह, लोकनाथ महतो, हरमीत सिंह, अमन कुमार, रोहित गोराई, हर्ष यादव, एस संदीप सिंह, मोहम्मद फवाज अख्तर और आशुतोष कुमार शामिल हैं.

खूंटकटी रैयत रक्षा समिति की सभा आज होगी, तैयारियां पूरी

हम विकास के नाम पर अनैच्छिक विस्थापन के खिलाफ हैं : सन्नी

संवाददाता। चाईबासा

खुंटकट्टी रैयत रक्षा समिति, सदर अनुमंडल के तत्वाधान में खूंटकट्टी मैदान चाईबासा में होनेवाली रविवार की सभा की तैयारी पूरी कर ली गई है. यह बातें खूंटकट्टी रैयत रक्षा समिति के अध्यक्ष बलभद्र सवैया ने तैयारी का समीक्षा करने के बाद कही. उन्होंने कहा कि 11 बजे से सभा की शुरुआत होगी. सभा में चाईबासा बायपास सड़क के नाम पर जिन गांव के ग्रामीणों का बहुफसली सिंचित रैयत भूमि को अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है. उस प्रस्तावित गांव के ग्रामीण मुख्य रूप से भाग लेंगे. सभा में झारखंड सरकार के आदिवासी कल्याण एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ को आमंत्रित किया गया है.

इसके साथ ही सिंहभूम संसदीय क्षेत्र की सांसद गीता कोड़ा को भी खूंटकट्टी रैयत रक्षा समिति की ओर से सभा में आमंत्रित किया गया है.

कोल्हानवासी विकास परियोजना के खिलाफ नहीं है : खूंटकट्टी रैयत रक्षा समिति के द्वारा आयोजित सभा में मानकी मुंडा संघ कोल्हान पोड़ाहाट ,पश्चिमी सिंहभूम और वैसे सभी सामाजिक संगठन के नेतृत्वकारियों को सादर आमंत्रित किया गया है, जो जल,जंगल,जमीन और अपने अस्तित्व की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. मौके पर झारखंड पुनरूत्थान अभियान के मुख्य संयोजक सन्नी सिंकु ने कहा कि हम कोल्हानवासी किसी भी विकास परियोजना के खिलाफ नहीं है. हम विकास के नाम पर अनैच्छिक विस्थापन के खिलाफ है. चाहे कुजू डैम से अनैच्छिक विस्थापन हो या नोआमुंडी खदान से.

दहशत

वन विभाग ने लोगों को जंगली हाथी से सतर्क व सावधान रहने की अपील की

दंतैल हाथी अहले सुबह किरीबुरु न्यू कैंप मंदिर पहुंचा

संवाददाता। किरीबुरु

दंतैल हाथी सारंडा जंगल से एक बार पुनः किरीबुरु शहर के न्यू कैंप मंदिर क्षेत्र में पहुंच गया. इस हाथी को शनिवार की अहले सुबह लगभग साढ़े. पांच बजे लोगों ने मंदिर के बगल में खड़ा देखा. इसकी सूचना वन विभाग किरीबुरु को दी गई. वन विभाग की टीम जब न्यू कैंप मंदिर पहुंची, तब तक हाथी पास के जंगल में चला गया था. संभावना जताई जा रही है कि यह हाथी फिर से सेल का मैगजीन हाउस के बगल जंगल के रास्ते कलैता, मर्चीगड़ा, रांगरिंग आदि गांव क्षेत्र में जा सकता है या फिर पुनः किरीबुरु, हिल्टॉप आवासीय क्षेत्र में आकर उत्पात मचा सकता है. इसी हाथी ने 22 फरवरी की रात करमपदा में तीन लोगों का घर तोड़ दिया था. हाथी के डर से भाग रहे एक व्यक्ति की हृदयाघात से मौत भी हो गई थी.

खास बातें

- जंगली हाथी ने ग्रामीणों को काफी परेशान कर रखा है
- इलाके में जंगली हाथी के आतंक से सहमे हुए हैं लोग

हाथी आने पर दें वन विभाग को सूचना

वन विभाग की टीम ने बताया कि इस हाथी ने सभी को परेशान कर रखा है. इस हाथी की वजह से हमलोग अपना विभागीय अन्य कार्य नहीं कर पा रहे हैं. प्रतिदिन इसे शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से भगाने में ही समय बीत रहा है. क्षेत्र में कुछ और हाथियों का समूह है, जिसमें दो बच्चा हाथी भी है. लेकिन, वह समूह घने जंगलों में ही है, आबादी वाले क्षेत्रों में नहीं जाता है. उसी समूह का एक दंतैल हाथी ग्रुप से अलग होकर निरंतर उत्पात मचा रहा है. इस हाथी पर आग, पटाखा, तेज शोर आदि का कोई प्रभाव नहीं हो रहा है. इससे परेशानी और बढ़ गई है. वन विभाग ने तमाम ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लोगों को इस हाथी से सतर्क व सावधान रहने तथा हाथी आने पर वन विभाग को सूचना देने की अपील की है.

शशिकांत शर्मा कप्तान व संजू हेस्सा बनाए गए उप कप्तान

14 सदस्यीय क्रिकेट टीम का हुआ चयन

शैलेश सिंह। किरीबुरु

सेल, बीएसएल, बोकारो के तत्वावधान में 26 फरवरी से 15 मार्च तक बोकारो के सेक्टर-4 स्थित बीएसएल क्रिकेट स्टेडियम में अंतर विभागीय क्रिकेट चैंपियनशीप का आयोजन किया जाएगा. इसके लिए सेल, बीएसएस की झारखंड खान समूह (जेजीओएम) टीम का चयन किया गया है. जेजीओएम की टीम में सेल की किरीबुरु, मेघाहातुबुरु एवं गुआ के खिलाड़ियों को शामिल किया गया है. खिलाडडियों का चयन के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था. इस कमेटी में जेजीओएम के महाप्रबंधक (पीएंडए-खान) एसएन पंडा, मेघाहातुबुरु के महाप्रबंधक (सीसी) वीके सुमन, गुआ के महाप्रबंधक (सिविल) संजय बनर्जी एवं उप महाप्रबंधक (एफएंडए) अजय कुमार के अलावा समन्वयक के रूप में जेजीओएम के महाप्रबंधक (सीएसआर) नवीन कुमार सोनकुशरे को शामिल किया गया था. चयन समिति के सदस्यों ने खिलाड़ियों का चयन मेघाहातुबुरु में 21 से 23 फरवरी तक आयोजित अंतर खान क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल किरीबुरु, मेघाहातुबुरु एवं गुआ खदान के खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर किया. चयन के लिए 23 फरवरी की शाम ट्रायल लिया गया था. इसके बाद 14 खिलाड़ियों का चयन उनके बेहतर प्रदर्शन के आधार पर किया गया. बोकारो में आयोजित उक्त प्रतियोगिता में बीएसएल की विभिन्न विभागों की 15 टीमों के अलावे जेजीओएम की एक टीम के साथ कुल 16 टीम भाग लेगी. जेजीओएम का पहला मुकाबला 26 फरवरी को एसआरयू से, दूसरा मुकाबला 28 फरवरी को कोक ओवेन से तथा तीसरा मुकाबला 29 फरवरी को पी एंड ए टीम से होगा.

खास बातें

- जेजीओएम की टीम के साथ ही कुल 16 टीमें भाग लेंगी
- चयन के लिए 23 फरवरी की शाम ट्रायल लिया गया था

डीएमएफटी के न्यास परिषद अनुमोदन से 25 करोड़ 75 लाख 21 हजार 384 रुपये की लागत से होंगे विकास कार्य

59 योजनाओं के कार्यान्वयन को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

संवाददाता। रामगढ़

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले विकास कार्यों व संचालित की जाने वाले विभिन्न योजनाओं को लेकर डीएमएफटी के न्यास परिषद द्वारा 25 करोड़ 75 लाख 21 हजार 384 रुपए की कुल 59 योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गयी है. इसके तहत जलापूर्ति योजनाओं में गोला प्रखंड अंतर्गत बंदा पंचायत में भुभई पोस्ट मुरपा के राजाराम करमाली के घर के सामने चापानल लगाया जाएगा.

वहीं बरियातू पंचायत में ग्राम बड़की कोइया में अनिल कुमार की जमीन पर डीप बोरिंग, पुरबडीह पंचायत में ग्राम रायपुरा के बीनू कुमार महतो की जमीन पर डीप बोरिंग, संग्रामपुर पंचायत के ग्राम मुरुडीह के सार्वजनिक शौचालय के पास डीप बोरिंग, रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत वार्ड नंबर 9 गंडके में हीरालाल महतो की जमीन पर डीप बोरिंग, पतरातू प्रखंड अंतर्गत दोतल्ला बुध बाजार पंचायत के ग्राम दुंदवा में डीप बोरिंग कर सौर ऊर्जा आधारित जल मीनार का निर्माण, चितरपुर प्रखंड अंतर्गत मायल पंचायत के झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय चितरपुर प्रखंड परिसर के आसपास एवं प्रखंड स्टाफ क्वार्टर में पेजलापूर्ति हेतु समर्सिबल मोटर पंप सहित चार उच्च प्रवाही नलकूप और दर्जनों योजनाओं का निर्माण कार्य किया जाएगा.

इसके अलावे पथ निर्माण के क्षेत्र में मांडू प्रखंड अंतर्गत छोटकीडुंडी पंचायत में पंचायत सचिवालय भवन हेतु पहुंच पथ का निर्माण, कुज्जू दक्षिणी पंचायत में जनसंघ पेट्रोल पंप से लेकर प्रदीप केसरी के घर तक पीसीसी का निर्माण व जनसंघ पेट्रोल पंप से लेकर देवी मंडप तक नाली का निर्माण, रतवे पंचायत अंतर्गत चटनियाताड़ से नावांटांड प्यारेलाल महतो के घर तक पीसीसी पथ निर्माण, विष्णु साहू के घर से लेकर रोगा करमाली के घर तक पीसीसी पथ का निर्माण, कच्चादाढ़ी से लियाकत हुसैन के घर तक पीसीसी का निर्माण, फसरुक मियां के घर से अर्जुन ठाकुर के घर तक पीसीसी पथ निर्माण, कुजू पूर्वी पंचायत के ग्राम मुरपा में कार्तिक मांझी के घर से धनेश्वर मांझी के घर तक पीसीसी पथ का निर्माण सहित दर्जनों निर्माण का कार्य किया जाएगा.

विभागीय कवायद

- जलापूर्ति, पथ निर्माण योजना के तहत होंगे कई कार्य
- चापाकल, डीप बोरिंग व जलमीनार का होगा निर्माण

भवन प्रमंडल से बनेंगे कई पीसीसी पथ व नाली

भवन प्रमंडल रामगढ़ द्वारा मांडू प्रखंड अंतर्गत हेसागढ़ा पंचायत के ग्राम करीबांदा छप्पर टोला में छापर टोला मैदान के पास दिनेश टुडू के घर तक गार्डवाल का निर्माण, मंझला चुंबा पंचायत में डॉक्टर अंबेडकर प्रतिमा स्थल के समीप डॉ अंबेडकर भवन का निर्माण, तोपा पंचायत में मदरसा गुलशन राजा तोपा में सामुदायिक भवन निर्माण, बारूघुटु उत्तरी में सामुदायिक भवन का निर्माण, सारू बेड़ा पंचायत में ग्राम सिरका खुटेरवा श्मशान घाट का चहारदीवारी निर्माण, गोला प्रखंड अंतर्गत चोकाद पंचायत के ग्राम चक्रवाली में सामुदायिक भवन का निर्माण, नावाडीह पंचायत के सोनडिमरा में स्वास्थ्य केंद्र की चहारदीवारी निर्माण, पतरातू प्रखंड अंतर्गत पतरातू पंचायत के बाबा बूचा बांध का सुंदरीकरण एवं सामुदायिक भवन निर्माण, पतरातू रोड में शहीद चौक से संतोष गुप्ता की चहारदीवारी होते हुए भगवान शाह एवं जनार्दन सिंह के घर तक पथ एवं नाली निर्माण, वार्ड संख्या 21 के घुटवा के मौजा उरलुंग में सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य कराया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

मारपीट में युवक घायल थाना में दिया आवेदन

केरेडारी। बड़कागांव के डाड़ी निवासी मो. इमाम अंसारी ने केरेडारी उत्तरी जिपरि सदस्य के पति निरंजन साव पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए केरेडारी थाना में आवेदन दिया है. उसने कहा है कि केरेडारी मुख्य चौक पर चाय दुकान पर चुनावी चर्चा के दौरान पहरा निवासी निरंजन साव ने होटल में रखे रड से सिर पर वार कर दिया. बचने के क्रम में आंख में चोट लगी. वहीं दूसरी पक्ष निरंजन साव से पूछे जाने पर बताया कि कि वह अपने पुत्र की दुकान अर्चना मेडिकल में बैठे थे. उसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति आया और प्रतिबंध कप सिरप कोरेक्स मांगने लगा. मना करने पर गाली गलौज करते हुए पैकेट से 500 रुपये छपट कर भाग गया.

सभी पंचायतों से झामुमो निकालेगी न्याय यात्रा

विष्णुगढ़। झामुमो के युवा नेता गौरव पटेल के बनासो स्थित आवास पर शनिवार को झामुमो की बैठक हुई. इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ निकाली जाने वाली न्याय यात्रा पर चर्चा हुई. कहा गया कि झामुमो नेता व सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विरुद्ध केंद्र सरकार द्वारा साजिश रच कर उन्हें जेल भेजे जाने से पार्टी के कार्यकर्ता आक्रोशित हैं. गौरव पटेल ने कहा कि न्याय यात्रा अलग-अलग पंचायतों में अलग-अलग तिथियों को निकाली जाएगी. उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के जेल से निकलने तक यह न्याय यात्रा जारी रहेगी. अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कपिलदेव चौधरी और संचालन प्रखंड सचिव संजय प्रजापति ने किया.

10 स्वास्थ्य संस्थानों का ऑनलाइन उद्घाटन आज

विष्णुगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को झारखंड के 10 स्वास्थ्य संस्थानों का ऑनलाइन उद्घाटन करेंगे. इस कार्यक्रम का विष्णुगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा. इसकी जानकारी केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरुण कुमार सिंह ने दी. उन्होंने सीएचसी की कई उपलब्धियां भी गिनाई. कहा कि यह स्वास्थ्य केंद्र प्रसव के मामले में अव्वल है. हर महीने यहां सैकड़ों प्रसव कराए जाते हैं. इनमें सामान्य एवं सिजेरियन दोनों प्रसव शामिल है. डॉ सिंह ने कहा क्षेत्र पोलियो मुक्त हो चुका है. अभी प्रखंड को टीबी मुक्त करने का अभियान तेजी चल रहा है. इसके लिए वर्ष 2025 का लक्ष्य निर्धारित है, मगर विष्णुगढ़ सीएचसी इस लक्ष्य को चालू साल में ही प्राप्त कर लेगा.

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बार-बार बदली जा रही सरकारी दवा दुकान

गरीब मरीज व परिजन परेशान

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल अक्सर कमियों और अनियमितताओं को लेकर सुर्खियों में बना रहता है. अस्पताल प्रबंधन के लाख दावों के भी यहां समस्याओं के जिन का निकलना बंद नहीं हो रहा है. इस अस्पताल में मरीजों को निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए सरकारी दवा वितरण काउंटर खोला गया है. लेकिन, अधिकांशतः यह बंद ही पड़ा मिलता है.

अस्पताल में बने निःशुल्क दवाई काउंटर का बार-बार स्थान ही बदल दिया जाता है. इससे मरीज और उनके परिजनों को काफी परेशानी होती है. लेकिन, अस्पताल प्रबंधन को जैसे मरीजों की परेशानी से कोई लेना-देना ही नहीं है. सरकार द्वारा बनाया गया निःशुल्क दवा वितरण काउंटर कर्मचारी के हिसाब से चलता है. उसकी मर्जी हुई, तो खोला और जब मर्जी हुई, बंद कर दिए. इस बीच दवा लेने के लिए कोई आ जाए, तो कर्मी के लंच पर जाने की बात कह कर टालमटोल कर दिया जाता है. अगर दवा काउंटर खुली और वहां एक-दो ही दवा ही मिलती है, जबकि सभी दवाई सदर अस्पताल के डॉक्टर ही लिखते हैं.

बड़कागांव के बादम निवासी यशोदा देवी ने बताती हैं कि डॉक्टर को दिखाने अस्पताल आए थे. डॉक्टर ने पर्ची पर दवा लिख दी, लेकिन पैसे का अभाव था. ट्रॉमा सेंटर से जानकारी मिली कि यहां सरकार की एक निःशुल्क दवा दुकान भी है. घंटों ढूंढने के बाद निःशुल्क दवा काउंटर मिला, लेकिन वह बंद था. इसके बाद वह खिड़की पर ही काउंटर खुलने का इंतजार कर रही थी, लेकिन काउंटर नहीं खुला. महिला ने बताया कि गांव से आए हैं और केवल किराया का पैसा ही बचा हुआ है. ऐसे में अगर निःशुल्क दवाई नहीं मिलेगी, तो बिना दवा के ही वापस जाना होगा.

सूरते हाल

- अक्सर बंद ही मिलता है निःशुल्क दवा काउंटर
- दवाई दोस्त दुकान में लगी रहती है लंबी कतार

> निःशुल्क दवा दुकान का स्थान इसलिए बदला गया है कि नई बिल्डिंग में ओपीडी है और वहां से मरीजों को दवा लेने में सहूलियत होगी. यह दवा दुकान सरकारी है और इसके खुलने का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक और अपराह्न 3 बजे से शाम 6 बजे तक ही निर्धारित है.
> – डॉ एके सिंह, डिप्टी सुपरिटेंडेंट, एसबीएमसीएच

दवाई दोस्त को बता रहे सरकारी दुकान : कंचन

कटकमसांडी के लावा कुंदर निवासी कंचन देवी ने बताया कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर की लिखी हुई दवाई खरीदने के लिए दवाई दोस्त दुकान में खड़े हैं. वहां भी लोग यह कह रहे हैं कि यह दवाई दुकान सरकारी ही है. यहां कम पैसे में दवा दी जाती है. समझ में नहीं आ रहा कि निःशुल्क की जगह पैसे लेकर दवा क्यों दिया रहा है.

बंद रहता है निःशुल्क दवा काउंटर : राजदीप

सरकारी दवा दुकान के काउंटर के पास खड़े विष्णुगढ़ के रहने वाले राजदीप ने बताया कि यहां न दो दवा दुकान की खिड़की खुली है और ना ही कोई इसके बारे में बताने वाला है. कई लोगों के पूछने के बाद पता चला कि काउंटर का स्थान बदल ही गया है और एमसीडी के पास सरकारी दवा दुकान का काउंटर खोला गया है. उन्होंने यह भी कि निःशुल्क दवा काउंटर हमेशा बंद ही मिलता है. इस पर विभाग को संज्ञान लेना चाहिए.

काफी ढूंढा, नहीं मिली सरकारी दुकान : सूरज

सदर प्रखंड के डंडे निवासी सूरज महतो ने बताया कि बच्चे की तबीयत खराब है और सदर अस्पताल में इलाज कराने के लिए आए थे. पैसा के अभाव के कारण पर्ची पर लिखी दवाई खरीदने के लिए सरकारी काउंटर को बहुत ढूंढा, पर नहीं मिला. इसके बाद दवाई दोस्त दुकान में लाइन लगा कर खड़े हैं. दो घंटे खड़े रहने के बाद माइक पर अनाउंस किया गया और मात्र दो ही दवाइयां ही मिल सकीं, बाकी दवाइयां वहां उपलब्ध नहीं थी.

नयी जगह पर भी बंद था दवा काउंटर : सजदा

कटकमसांडी से आई महिला सजदा ने बताया कि पहले दवाई दोस्त दुकान के बगल में ही सरकारी दवा दुकान का काउंटर भी था. लेकिन पता नहीं किस वजह से सरकारी दुकान की जगह बदल दी गई. नए जगह स्थानांतरित निःशुल्क दवा दुकान को काफी ढूंढने के बाद मिला भी, तो काउंटर बंद था. उन्होंने यह भी कहा कि दवाई दोस्त से ज्यादा दवा की बिक्री हो, इसके लिए उस स्थान से निःशुल्क दवा काउंटर हटा दिया गया.

क्या है पूरा मामला

बता दें कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल कैंपस में दो दवा दुकान हैं. इसमें एक सरकारी काउंटर है, जहां निशुल्क दवाई दी जाती है. दूसरी दुकान दवाई दोस्त की है. पहले दोनों काउंटर आसपास ही हुआ करते थे. लेकिन, अब सरकारी दवा दुकान का स्थान बदल दिया गया है. ऐसे में जो भी मरीज या उनके परिजन सरकारी दवा दुकान पर आते हैं, उसे बंद पाते हैं. इन्हें दवाई दोस्त दुकान से दवा खरीदने के लिए कहा जाता है. ऐसे में दवाई दोस्त की दुकान में दवाई खरीदने वालों की लंबी कतार लगी रहती है. कुछ लोगों का कहना था कि कमीशन के लिए सरकारी दवा दुकान का स्थान बदली कर दिया गया है.

शिकायत के बाद जांच करने पहुंचे पथ निर्माण के मुख्य अभियंता, कहा-

निर्माण कार्य में तेजी लाएं संवेदक

संवाददाता। रामगढ़

बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद द्वारा पथ निर्माण विभाग के विभागीय सचिव से मतकम्मा से चुट्टपालु तक बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य में हो रही देरी की शिकायत की गई थी. इसके पश्चात विभागीय सचिव के निर्देश पर मुख्य अभियंता पथ निर्माण विभाग सह सदस्य तकनीकी झारखंड राज्य सड़क मार्ग प्राधिकार ने उक्त सड़क के निर्माण कार्य की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया.

उन्होंने कार्य में हो रही देरी को लेकर संवेदक को फटकार लगाई और कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया. कहा कि रविवार से ही मतकम्मा चौक की तरफ से काम लगाया जाए, अन्यथा संवेदक पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी. इस पर संवेदक ने भूमि की अनुपलब्धता एवं भूमि अधिग्रहण से संबंधित समस्याएं बताते हुए रविवार से ही मतकम्मा की ओर से भी कार्य प्रारंभ करने की बात कही. मुख्य अभियंता ने यह भी कहा कि हर एक व्यक्ति जिनकी भूमि ली जाएगी, उन्हें मुआवजा दिया जाएगा. उन्होंने ग्रामीणों से संवेदक को सहयोग करने का भी आग्रह किया. वहीं विधायक के निर्देश पर पहुंचे कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार पटेल ने कहा कि संवेदक की लापरवाही से ग्रामीणों को हो रही समस्या को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

तय सीमा के अंदर संवेदक गुणवत्तापूर्ण कार्य करें, उन्हें ग्रामीणों का भरपूर सहयोग मिलेगा. किसी भी तरह की अनियमितता बरते जाने पर विभाग को पुनः सूचित किया जाएगा. मौके पर विधायक प्रतिनिधि राज किशोर पांडेय, कांग्रेस कार्यकर्ता बालदेव राम, इमरान अंसारी, लोकेश आनंद, संजीव सिंह, अनिल कुमार आदि मौजूद थे.

लिया संज्ञान

- कार्य में हो रही देरी पर संवेदक को फटकार लगाई
- आज से शुरू होगा मतकम्मा चौक की तरफ से कार्य

पीवीयूएनएल की ओर से ड्राइविंग ट्रेनिंग शुरू

रामगढ़। पीवीयूएनएल ने युवाओं और महिलाओं के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है. एक माह के पाठ्यक्रम का यह प्रशिक्षण हॉटा ग्राउंड में चलेगा. पीवीयूएनएल के सीईओ आरके सिंह ने प्रशिक्षण का उद्घाटन दीप जलाकर और हरी झंडी दिखा कर किया. उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं और महिलाओं के लिए नौकरी के अवसरों में सुधार लाएगी, जो ड्राइविंग के क्षेत्र में अपना कौशल बढ़ाने के इच्छुक हैं. प्रशिक्षण के माध्यम से युवा और महिलाएं स्वावलंबी बनेंगी और समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी. यह पहल न केवल उनके जीवन को सकारात्मक दिशा में मोड़ेगी, बल्कि समाज के विकास में भी एक महत्वपूर्ण योगदान देगी.

जिला कांग्रेस कार्यालय में लोकसभा चुनाव को लेकर बनी रणनीति

तीन जोन के लिए संयोजक नियुक्त

संवाददाता। हजारीबाग

जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में शनिवार को आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण बैठक हुई. अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव ने की. इस दौरान हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र को तीन जोन में बांट कर तीन संयोजक तथा सभी प्रखंडों में दो-दो प्रभारी नियुक्त किए गए. इसमें निसार खान, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, विकास यादव को संयोजक बनाया गया है.

वहीं अशोक देव व ललितेश्वर प्रसाद चौधरी को नगर, अजय गुप्ता व राजीव मेहता को कटकमसांडी, प्रदीप मिश्रा व गोविंद राम को कटकमदाग, जावेद इकबाल व मो. रब्बानी को सदर, कैलाशपति देव व भैया असीम कुमार को दारू, विशेश्वर स्वर्णकार व सुरेंद्र मिश्रा को टाटीझरिया, उपेंद्र कुमार राय व ओमप्रकाश झा को विष्णुगढ़, अनवर हुसैन व जयप्रकाश यादव को डाड़ी, मो. वारिश व बाबर अंसारी को चुरचू प्रखंड का प्रभारी मनोनीत किया गया है. इसके अलावा महेश प्रसाद साव व दिलदार अंसारी को बड़कागांव, रामसेवक सोनी व कजरू साव को केरेडारी, रविशंकर अकेला व संजय यादव को बरही, निजामुद्दीन अंसारी व इकबाल रजा को चौपारण, रघु जायसवाल व यमुना यादव को पदमा, अरूण चौधरी व कृष्णा मेहता को बरकठ्ठा, नारायण साव व समसुउद्दीन अंसारी को चलकुशा और रीतलाल मंडल व मनोज मेहता को इचाक प्रखंड का प्रभारी नियुक्त किया गया है.

बैठक में महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, प्रखंड अध्यक्षों में नौशाद आलम, नरसिंह प्रजापति, अब्बास अंसारी, गौतम मेहता, अब्दुल मनान वारसी, अजित कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल, मनीषा टोप्पो आदि मौजूद थे.

चुनाव तैयारी

- निसार खान, कृष्णदेव प्रसाद व विकास को जिम्मेदारी
- हर प्रखंड में दो-दो प्रभारी बने, तैयारी पर आत्ममंथन

श्रद्धा सुमन

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संत शिरोमणि रविदास के कृतित्व से अवगत हुए बच्चे

निर्गुण धर्म के प्रवर्तक व समाज सुधारक थे संत रविदास : अभिषेक

संवाददाता। हजारीबाग

कोर्रा के बाबूगांव स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शनिवार को संत रविदास की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आयकर समाधान केंद्र लिमिटेड के निदेशक अभिषेक कुमार, रामदेव शर्मा, प्रधानाचार्य मनोज कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती, ऊं, भारत माता एवं संत रविदास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया.

आचार्य पवन कुमार गुप्ता ने अतिथि परिचय कराया. प्रधानाचार्य ने अभिषेक एवं रामदेव शर्मा को अंगवस्त्र एवं उत्सर्ग पत्रिका भेंट कर सम्मानित किया. मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि संत रविदास का जीवन प्रेरणा दायक है. वे निर्गुण धर्म के प्रवर्तक और संत कवि थे. उनके काव्य अंश सिख ग्रंथ गुरुग्रंथ साहिब में संकलित हैं. उनका जन्म बनारस के पास 15वीं शाताब्दी में हुआ था. वे कबीर के समकालीन थे. वे समाज सुधारकों में एक थे और समाज में समरसता और समानता का भाव फैलाते थे. इस अवसर पर रामदेव शर्मा ने कहा संत रविदास बहुत बड़े संत थे और मीराबाई के धार्मिक गुरु थे. मीराबाई इनके व्यक्तित्व से बहुत प्रभावित थीं. इन्होंने अपने कार्यों से समाज सुधार कर अपने जीवन को अनुकरणीय बनाया.

इस अवसर पर भैया बहनों ने भी इनकी जीवनी पर प्रकाश डाला. प्रधानाचार्य के धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत कार्यक्रम संपन्न हुआ. कार्यक्रम को सफल बनाने में आचार्य मुकेश कुमार सिन्हा, आनंद किशोर प्रजापति, सचिन कुमार पांडेय, पिंटू कुमार राय, अल्पना सिन्हा, रिंकी कुमारी, शिव शरण ठाकुर, रेवत लाल प्रसाद, पवन कुमार गुप्ता, निखत परवीन आदि की सहभागिता रही.

जयंती कार्यक्रम

- भैया-बहनों ने संत रविदास की जीवनी पर प्रकाश डाला
- समाज सुधार में संत रविदास का बड़ा योगदान : रामदेव

संत रविदास के आदर्शों को जीवन में उतारें : सीके पांडेय

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र की झुरझुरी पंचायत अंतर्गत ग्राम सक्रेज व बेलकप्पी पंचायत के ग्राम बंडासिंगा में संत शिरोमणि रविदास जयंती परंपरागत ढंग से मनाई गई. इस कार्यक्रम में स्थानीय जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि व समाजसेवी सीके पांडेय ने लोगों से संत रविदास के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि देश और समाज की उन्नति के लिए संतों का अनुशरण जरूरी है. संत रविदास ने रूढ़ीवादिता को समाप्त करने की पहल कर समाज को एक नई दिशा प्रदान की. वहीं, चंदवारा जिला परिषद सदस्य महादेव राम ने कहा कि संत रविदास द्वारा दिए गए संदेशों को आत्मसात करने की जरूरत है. झुरझुरी मुखिया सुमन कुमार ने संत रविदास के जीवन एवं दर्शन पर प्रकाश डाला.

शादीशुदा प्राइवेट शिक्षक के सिर चढ़ा प्यार का परवान

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड के खापिया गांव निवासी प्रमोद साव गोल्डन पब्लिक स्कूल का संचालन करते हैं. एक तरफ वह विद्यार्थियों को सही राह पर चलने की शिक्षा देते हैं, तो दूसरी ओर इस विद्यालय से जुड़ा एक प्रकरण पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. दरअसल, तीन बच्चों के पिता स्कूल संचालक प्रमोद साव का गांव के ही पास की ही एक लड़की के साथ 4 वर्षों से प्रेम-प्रसंग चल रहा था.

यह बात लोगों के सामने तब आई, जब उस लड़की को लेकर प्रमोद साव हजारीबाग गया. इस बीच लड़की के घरवालों को इस बारे में मालूम पड़ता है और हजारीबाग में ही दोनों को पकड़ा गया. इसके बाद आरोपी शिक्षक की लड़की के घरवालों ने पिटाई कर दी. इस संबंध में थाना में आवेदन भी दिया गया. ग्रामीणों के क फ ी समझाने के बावजूद बात नहीं बनी और आखिरकार दोनों आपसी सहमति से विवाह के बंधन में बंध गए. वहीं प्रमोद साव की पहली पत्नी बताती है कि हम उस लड़की को बहन बना कर रखेंगे. मामले में विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव का कहना है कि बच्चों का भविष्य संवारने में गुरु का योगदान बहुत बड़ा होता है. लेकिन, आज इस व्यक्ति ने गुरु के नाम को कलंकित करने का काम किया है.

उत्तरी छोटानागपुर अपडेट

पोस्ट ऑफिस के पास एक लाख रुपए की लूट

हजारीबाग। सदर थाना क्षेत्र में शनिवार को दिनदहाड़े पोस्ट ऑफिस के पास बदमाशों ने पुलिस को चुनौती देते हुए एक लाख रुपए की लूट की वारदात को अंजाम दे दिया. जानकारी के मुताबिक झुमरी तिलैया के रहनेवाले कैलाश कुमार कुशवाहा ने पोस्ट आफिस से एक लाख रुपये की निकासी की थी. उन्होंने रुपये को बैग में रख लिया और पैदल ही बैग को कांख में दबाकर आगे जा रहे थे. इसी दौरान अपाची गाड़ी से दो बदमाश आए और रुपयों से भरा फाइल झपट्टा मार कर छीन कर फरार हो गए. पीड़ित ने सदर थाना में इसकी शिकायत की गई है. पुलिस जांच कर रही है. दूसरी ओर बीते शनिवार को बड़ा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत हजारीबाग-बड़कागांव रोड में मांखम कॉलेज के पास झपट्टामारों ने एक महिला के गले से दिनदहाड़े चैन की छिनतई कर ली. पीड़िता के पति ने बताया कि एंजेल हाई स्कूल से बच्चे को छुट्टी के बाद घर जाने के क्रम में बाइक सवार दो बदमाशों ने छिनतई की घटना को अंजाम दिया है.

मेगा विधिक सशक्तिकरण शिविर 25 फरवरी को

हजारीबाग। जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी प्रखंडों में 25 फरवरी को मेगा विधिक सशक्तीकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्य प्रकाश सिन्हा की अध्यक्षता में जिला प्रशासन के सहयोग से डालसा द्वारा इस शिविर का आयोजन किया जाएगा. प्राधिकार के सचिव गौरव खुराना ने बताया कि 25 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे से शिविर प्रारंभ होगा. हजारीबाग हजारीबाग टाउन हॉल में आयोजित होनेवाले शिविर में प्रधान जिला जज, डीसी, एसपी, बीडीओ, सीओ समेत कई पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे. सशक्तीकरण शिविर के दौरान न्यायिक पदाधिकारी, मध्यस्थ, पैनल अधिवक्ता और पारा लीगल वालंटियर मौजूद रहेंगे. साथ ही प्रखंड स्तर पर भी अलग-अलग टीम बनाई गई है. इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की योजनाओं के तहत लाभुकों को सरकार से मिलने वाली सुविधाओं से लाभान्वित किया जाएगा. वहीं कानूनी जानकारी से भी अवगत कराया जाएगा.

पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में क्विज कंपटीशन

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के कपका स्थित सीबीएसई पैटर्न पर आधारित पीएम इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज में क्विज कंपटीशन का आयोजन किया गया. संस्था के निदेशक सत्येंद्र प्रसाद ने बच्चों से गणित, विज्ञान और सामान्य विज्ञान से लगभग 100 प्रश्न किए. प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सूरज राणा, द्वितीय स्थान पर आशिक कुमार मंडल तथा तृतीय स्थान पर रिया मंडल रहीं. निदेशक ने बच्चों से कहा कि नियमित सभी विषयों का अभ्यास करेंगे, तभी भविष्य में डॉक्टर, इंजीनियर या उच्च अधिकारी बन पाएंगे. इसके लिए आपको प्रत्येक दिन एक कदम आगे बढ़ना होगा. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य दिनेश कुमार भारती ने कहा कि विद्यालय समय-समय पर बच्चों के बीच इस प्रकार का कार्यक्रम का आयोजन करता रहता है. वहीं संस्था के प्रबंधक निदेशक वीरेंद्र प्रसाद ने कहा बच्चों का उत्साहवर्धन किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

चितरपुर में मनी संत शिरोमणि रविदास की जयंती

रामगढ़। चितरपुर प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को संत शिरोमणि रविदास जयंती धूमधाम से मनाई गई. इस दौरान चितरपुर, मारंगमरचा, छोटकीलारी, मायल सहित कई जगहों में समारोह का आयोजन किया गया. कई जगहों पर आकर्षक पंडल का निर्माण का संत रविदास की प्रतिमा स्थापित की गई थी. सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत भजन-कीर्तन व संत रविदास के विचारों को भी प्रस्तुत किया गया. पूजा-अर्चना के पश्चात लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. इधर छोटकी लारी के सेवानिवृत्त शिक्षक पुन्नू राम नायक पिछले 51 वर्षों से लगातार संत शिरोमणि की जयंती मना रहे हैं. शनिवार को छोटकीलारी स्थित अपने घर में उन्होंने चित्र पर पूजा-अर्चना की. उन्होंने कहा कि संत रविदास ने समाज में फैले छुआछूत, भेदभाव प ऊंच-नीच को दूर किया था. मौके पर पूर्व पंसस गीता देवी, भोला करमाली, कृपाल महतो, दिलीप नायक, शशि कांत सुमन, सूर्यांश कुमार प्रभाकर सहित कई मौजूद थे.

मृतक के परिजन से मिले सांसद जयंत सिन्हा

रामगढ़। हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा ने रामगढ़ मिलोनी क्लब स्थित अनिकेत कुमार के आवास जाकर दिवंगत अनिकेत भुइयां के परिजनों से मुलाकात की. इस क्रम में उन्होंने परिजनों से मिलकर अनिकेत की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की. इस दौरान अनिकेत के पिता महेंद्र राम ने सांसद को मामले सं अवगत कराया. जयंत सिन्हा ने इस मामले में जांच कमेटी बना कर न्यायिक जांच कराने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की राज्य सरकार से मांग की. साथ ही अपनी तरफ से भी हर संभव सहयोग करने की बात कही. बता दें कि दो दिन पूर्व अनिकेत का शव थाना के हाजत में कंबल के फंदे से लटका पाया गया था. पुलिस ने उसे चोरी के एक मामले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था. मौके पर प्रकाश मिश्रा, रवींद्र शर्मा, रंजन सिंह फौजी, नगर अध्यक्ष शिवकुमार महतो, ऋषिकेश सिंह, महेश चौधरी, सुबोध सिंह, विनोद राम, देवेंद्र सिंह, अभिषेक चौधरी, वरूण कुमार सिंह आदि थे.

जमशेदपुर में आयोजित विंटेज कार एंड बाइक रैली में 66 कारों और 91 बाइकों ने लिया हिस्सा

रैली में 1933 की ऑस्टिन सेवेन रही आकर्षण का केंद्र

जमशेदपुर। रोहित कुमार

पुरानी गाड़ियों का शौक रखने वालों के लिए जमशेदपुर में विंटेज कार एंड बाइक रैली का आयोजन किया गया है. इसमें सन् 1926 से लेकर 1985 मॉडल की कार और सन् 1923 से लेकर 1985 की बाइक को कार्यक्रम में शामिल किया गया. कार्यक्रम में कुल 66 कारें और 91 बाइकों ने हिस्सा लिया. हालांकि लोगों की बीच सन् 1933 की ऑस्टिन 7 आकर्षण का केंद्र बनी रही.

वहीं इसमें द्वितीय विश्व युद्ध में इस्तेमाल की गई पैरा ड्रापर बाइक को भी प्रदर्शित किया गया था. इस कार्यक्रम की शुरुआत से ही लोगों की भीड़ जमा होने लगी थी. कई लोगों ने पुरानी गाड़ियों को देख अपने पुराने दिन को याद किया. कोई गाड़ी का इतिहास जानना चाह रहा था तो खासकर यूथ पुरानी गाड़ियों के साथ तस्वीर उतारने में लगे थे. प्रदर्शनी में 1933 मॉडल का ऑस्टिन सेवेन गाड़ी शामिल रही. जिसके मालिक कोलकाता के गुरुमुख सिंह खोखर हैं. इसमें ऑस्टिन सेवेन एचपी का इंजन है. जिसकी ताकत 700 सीसी है. गुरमुख ने बताया कि यह कार मयूरभंज के राजा ने सन् 1933 में ली थी. उसके बाद उनसे किसी और ने ली. साल 1991 में उन्होंने इस गाड़ी को खरीदा. वे इस कार के तीसरे मालिक हैं. उस जमाने की यह सबसे सस्ती गाड़ी है. आज से कोई 70 साल पहले इसकी कीमत 800 रुपये थी. यह कोलकाता रैली में 39 बार इंडिविजुएल ट्रॉफी जीत चुकी है. इस कारण इसका नाम लिम्का बुक में दर्ज है.

वहीं द्वितीय विश्वयुद्ध में इस्तेमाल की गयी छोटी बाइक भी प्रदर्शनी में है. इसे पैराट्रूपर बाइक कहा जाता है. जिसे सैनिक हेलीकॉप्टर में लेकर चलते थे. दुश्मन को देखकर बाइक सहित पैरासूट से छलांग लगा देते थे. इसमें ब्रेटेन की विलियर्स कंपनी का इंजन लगा है. इसमें हॉर्न और लाइट नहीं है. यह ठेलकर स्टार्ट होती है. इसके मालिक चाईबासा के गुरुमुख सिंह हैं. गाड़ी की ताकत 2.5 सीसी है.

आठ साल पहले इंग्लैंड से टायर मंगाकर इसमें लगाया गया है. साइकिल का रिम लगा है. जमशेदपुर के आरुष सबरवाल के पास 1961 मॉडल की मर्सीडीज बेंज 190 है जिसे उन्होंने दिल्ली के एक कपूर फैमली से खरीदी थी. इस गाड़ी में आज भी ऑरिजनल पेंट और ग्लास लगे हुए हैं. आरुष बताते हैं कि यह कार ऋषि कपूर ने अपने एक गाने में इस्तेमाल की है. आज भी वे इस कार को सहेज कर रखे हुए हैं.

ऑस्टिन सेवेन के साथ गुरमुख सिंह .

उतारी तस्वीर

- वर्ष 1926 से लेकर 1985 मॉडल की है कार
- रैली में 1923 से लेकर 1985 की बाइक है शामिल
- ऑस्टिन के मालिक कोलकाता के गुरुमुख सिंह हैं

कुंभा टोली में रविदास की मनायी गई जयंती

चक्रधरपुर। संत रविदास ने जी ने अपनी अमृतवाणी से प्रेम, भक्ति व शक्ति का प्रचार कर लोगों में ऊंच-नीच की फैली कुरीतियों को दूर किया. आज पूरे देश में संत रविदास जी की जयंती पर उन्हें याद किया जा रहा है. यह बातें पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई ने शनिवार को संत रविदास जयंती के अवसर पर चक्रधरपुर की वार्ड संख्या आठ स्थित कुंभा टोली में संत रविदास मंदिर प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कहीं. उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है. संत रविदास ने हमें यह सीख दी है और हम सबों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए. संत रविदास जयंती के अवसर पर कुंभा टोली में दिन भर कार्यक्रम चलता रहा. शनिवार सुबह मंदिर प्रांगण में संत रविदास की प्रतिमा व तस्वीर रखकर पूजा अर्चना की गई.

शब-ए-बरात आज, मस्जिदों में रौनक

संवाददाता। धनबाद

धनबाद कोयलांचल में रविवार को शब-ए-बरात मनाया जाएगा. त्योहार को लेकर मुस्लिम समाज में खासा उत्साह देखा जा रहा है. इलाके के मस्जिदों को सजाया जा रहा है. साथ ही कब्रिस्तानों में भी रोशनी का इंतजाम किया जा रहा है. बता चलें कि शब-ए-बरात को मुस्लिम समाज पूरी रात कुरआन-ए-पाक की तिलवात करता है और नमाज की अदायगी करता है. रात में ही लोग कब्रिस्तान भी जाते हैं और इस दुनिया से विदा हो चुके अपने रिश्तेदारों के लिए दुआ मांगते हैं. धनबाद के वासेपुर, नया बाजार, टिकिया पाड़ा आदि इलाकों की मस्जिदों को सजाया जा रहा है. इंतेजामिया कमेटी की तरफ से रात में पानी और रोशनी की व्यवस्था की जा रही है. इसके अलावा रेलवे मजार मस्जिद को भी सजाया गया है. झरिया में त्योहार को लेकर काफी चहल पहल है. नूरी मस्जिद को सजाया गया है. होरलाडीह कब्रिस्तान कमेटी ने भी झरिया से होरलाडीह तक लाइट की व्यवस्था की है. कब्रिस्तान में भी रोशनी का बेहतर इंतजाम किया गया है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शिक्षा में सफलता का योग है. जॉब के लिए प्रयासरत हैं तो समय उत्तम है. विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा.

वृषभ किसी वृद्ध महिला से विवाद होगा. कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करने पड़ेंगे. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. शत्रुओं से सावधान रहें. मिठाई का दान बच्चों को करें.

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आय में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. लड्डू का भोग लगावें.

कर्क धन के आगमन से मन खुश होगा. समय बहुत ही उत्तम है. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. आलस का त्याग करें.

सिंह धन के लिए दिन अच्छा है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है. किसी गरीब को वस्त्र दान करें.

कन्या समय सामान्य है. मानसिक रोगों से बचना चाहिए. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

तुला चोट व रोग से हानि की आशंका है, लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. नए कार्य को लेकर जल्दबाजी न करें.

वृश्चिक कोई मानसिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु समय सामान्य है. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा. अन्न और जल दान करें.

मकर क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. काला वस्तु किसी गरीब को दान करें.

कुंभ समय बहुत ही अच्छा है. दांपत्य जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. किसी मंदिर में झाड़ू का दान करें.

मीन मौसमी बीमारियों से बचाव की आवश्यकता है. समय लाभ का मौका देगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. जल्दबाजी में कोई गलत कार्य न करें.

भवनाथपुर में झामुमो ने निकाली न्याय मार्च

भवनाथपुर (गढ़वा)। भवनाथपुर प्रखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की रिहाई के लिए प्रखंड अध्यक्ष मनोज यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने न्याय मार्च यात्रा निकाली. मौके पर केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा षड्यंत्र रच कर झूठा केश में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल भेज दिया गया है. न्याय मार्च यात्रा में उप प्रमुख पिंटू टोप्पो ब्रजेश सिंह, धर्मराज पासवान, परमवीर राम, सुरेश गुप्ता, शशि दुबे, विजय राउत, जसमुद्दीन अंसारी, शमशेर अंसारी, दीपक वर्मा, नईमुद्दीन अंसारी, विनोद यादव, उपेंद्र चौबे, शैलेंद्र यादव, गोपाल उरांव, संजय ठाकुर सहित कई लोग उपस्थित थे.

माता शबरी जयंती सह भुईयां परिवार मिलन समारोह में उमड़ी भीड़

माता शबरी से हम सभी को सीखने की जरूरत है: पुष्पा

संवाददाता। छतरपुर/पलामू

शहर के फुलवारी मैदान में शनिवार को माता शबरी जयंती सह भुईयां परिवार मिलन समारोह में उमड़ी भीड़ के बीच श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से माता शबरी की पूजा की. छतरपुर, नौडीहा बाजार, पाटन, हरिहरगंज, बिश्रामपुर, मेदिनीनगर, हरिहरगंज, पिपरा, हुसैनाबाद सहित पलामू जिले के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में महिला-पुरुष, बच्चे-बुजुर्ग आदि समारोह में भाग लिया. बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद सह भाजपा नेता मनोज कुमार एवं छतरपुर विधायक पुष्पा देवी ने माता शबरी की प्रतिमा की पूजन किया. विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि माता शबरी नारी शक्ति के प्रतीक है. जिनके द्वार पर भगवान राम को स्वयं आना पड़ा था.

विधायक ने कहा कि माता शबरी इस बात की प्रतीक है कि अगर आपकी श्रद्धा सच्ची हो तो भगवान आपके द्वार पर स्वयं आएंगे. माता शबरी से हम सभी को यह सीखने की जरूरत है कि श्रद्धा, शिक्षा, धैर्य और प्रतीक्षा में बहुत ताकत होती है. उन्होंने कहा कि 24 फरवरी को माता शबरी जयंती मनाया जाता है. इस कार्यक्रम के बहाने सभी से मिलना-जुलना होता है. भुईयां जाति की पहचान समाज में विशिष्ट बने इसके लिए सभी स्तर पर प्रयास करने की जरूरत है. पूर्व सांसद सह भाजपा नेता मनोज कुमार ने कहा कि पलामू व गढ़वा जिले में सबसे अधिक भुईयां समाज के लोग रहते हैं. हर जगह पर इनका आर्थिक व सामाजिक शोषण भी हो रहा है.

माघ पूर्णिमा पर ब्रह्मस्थान में श्रद्धालुओं की जुटी भीड़

गढ़वा। खजूरी स्थित श्री ब्रह्मस्थान पर शनिवार को माह पूर्णिमा के अवसर पर मेला लगा. यहां मेला लगने की परंपरा बहुत पुरानी है. मेले में काफी संख्या में लोग शामिल हुए. श्रद्धालुओं ने ब्रह्म स्थान पर पूजा-अर्चना की और सत्यनारायण भगवान का कथा का श्रवण किया. साथ ही विगत नौ दिनों से चल रहे रामचरितमानस परायण यज्ञ समापन हवन व श्रीब्रह्म बाबा की महाआरती के बाद समापन हुआ. मेले में बच्चों का मुंडन संस्कार भी हुआ. मेले में गढ़वा जिले के अलावा पलामू, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश से आए श्रद्धालुओं ने अपनी मन्नतें पूरी होने पर कथा श्रवण किया. इसके बाद ब्रह्म बाबा को जनेउ, चुनरी व नारियल चढ़ा कर पूजा अर्चना की. श्रीब्रह्म बाबा मैनेजमेंट ट्रस्ट खजुरी की ओर से माघ पूर्णिमा के मौके पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गयी थी. ट्रस्ट के स्वयंसेवक श्रद्धालुओं की सहायता में जुटे रहे. मेले में आई भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्वयं सेवकों के साथ पुलिस भी सक्रिय रही. मेले में आए लोगों ने महायज्ञ के अंतिम दिन यज्ञशाला की परिक्रमा कर विशेष पूजा की. शाम को पुजारी की देखरेख में ब्रह्मबाबा की महाआरती व भंडारे का भी आयोजन किया गया. मान्यता के अनुसार मन्नतें पूरी होने पर श्रद्धालु यहां सत्यनारायण भगवान की कथा सुनते हैं. मिट्टी का घोड़ा, नारियल व जनेऊ चढ़ाते हैं. श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा की इंतजाम किए गए थे. वहीं ब्रह्म बाबा वर्सिप मैनेजमेंट ट्रस्ट खजूरी के लोगों ने अपने स्तर से वॉलेंटियर तैनात किए थे. मेला समिति के अध्यक्ष राजेंद्र दुबे ने बताया कि गढ़वा से 7 किमी दूर खजूरी ब्रह्मस्थान में इस वर्ष भी 53वां मेले का आयोजन किया गया. श्रीराम चरित्र मानस यज्ञ भी आयोजित किया गया. बाबा का दर्शन और नारायण की कथा सुनने के लिए माघ पूर्णिमा पर लाखों श्रद्धालु आते हैं. पांच राज्यों के भक्तों का यहां महाजुटान होता है. मेले में लगी दुकानों पर श्रद्धालुओं ने खरीदारी की. इस दौरान लोगों ने बताया कि खजूरी ब्रह्मस्थान में लगे मेले में सभी सामान सस्ते दर पर मिल जाते हैं इसलिए हर साल यहां पांच राज्यों के श्रद्धालुओं की भीड़ लगती है. मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र दूबे, द्वारिका नाथ पांडेय, प्रदीप पासवान मौजूद थे.

आजसू पार्टी के मिलन समारोह का आयोजन

दोहन नहीं निर्माण सोच में होना चाहिए : सुदेश महतो

संवाददाता। रांची

राजनेताओं का उद्देश्य राज्य का दोहन नहीं, बल्कि उनका उद्देश्य राज्य का नवनिर्माण होना चाहिए. झारखंड में सरकार अपनी मौजूदगी का अहसास जनता को नहीं करा पाई है. लोगों की भावनाओं का सम्मान नहीं कर पाने वाली सरकार जनता के साथ न्याय नहीं कर सकती और न ही राज्य को आगे ले जा सकती है. उक्त बातें पूर्व उपमुख्यमंत्री सह आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने लातेहार विधानसभा अंतर्गत जालिमखुर्द-जगतारनपुर, बाजारटांड में आयोजित संकल्प सभा सह मिलन समारोह में कही. मौके पर राष्ट्रीय जनता दल की प्रदेश उपाध्यक्ष उषा देवी यादव समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं और सैकड़ों युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

दुःखी हैं गांव के लोग

सुदेश ने कहा कि सरकार ने ग्राम सभा की तिलांजलि दे दी है. जमीन के नीचे की खनिज संपदा पर सबकी नजर है, पर जमीन के ऊपर के लोगों की चिंता किसी को नहीं है. यही वजह है कि गांव के लोग दुःखी हैं. हर सुविधा शहर को पहले और गांव को बाद में मिला है. गांव की समस्या को समझने और जीने वाला गांव का लीडर चाहिए. राजनीति में आने का मकसद जगह भरना नहीं लातेहार की किस्मत बदलने वाला प्रतिनिधि चाहिए. लातेहार जिले के विकास के लिए किसी के पास रोडमैप नहीं. अधिकारी भी यहां नहीं रहना चाहते हैं. साल हुआ या नहीं उन्हें ट्रांसफर चाहिए. लातेहार तो नक्शे पर है, लेकिन लातेहारवासियों का दर्द इस नक़्शे पर नहीं है. कहा कि आज विद्यालय में शिक्षक नहीं हैं, अस्पताल में डॉक्टर्स की कमी है.

रविदास के समर्पण को अपनाने की जरूरत

मिलन समारोह के दौरान पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने संत रविदास जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी ने कठिन श्रम एवं समर्पण को बहुत महत्व दिया था. उनके गुणों को हमें अपनाने की जरूरत है. समाज कल्याण में उनके द्वारा किए गए कार्यों को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है.

इन्होंने ली सदस्यता

पार्टी के नीति एवं सिद्धान्तों से प्रवाभित होकर अजय कुमार गुप्ता, शेषनाथ पांडे, विजय प्रसाद साहू, संजय प्रसाद साहू, गोपाल साव ,रितेश कुमार, वीरेंद्र कुमार साव, मनोज साव ,लखिन्द्र लोहरा, मुकेश साव, मानो देवी, बेबी देवी, संगीता देवी, सुधीर कुमार गुप्ता, अमित भुईया, विजय भुईया, जय प्रकाश भुईया सरिता देवी, सुशीला देवी, मेनका देवी, गफ्फर अंसारी, मो मुस्लिम अंसारी, अलेन नवी, सबीर अंसारी ,मो मौसम, मो फिरदोस, मो जुनैद, विजय रजाक, ऐतवार अंसारी, इसरार अंसारी, सोएब अंसारी, अजाज, साजिद, जावेद, अजाउल ने सदस्यता ली.

ड्यूटी के दौरान दो रेलकर्मियों की मौत

धनबाद। गोमो-तेलो रेलखंड के बीच शनिवार सुबह चार बजे ड्यूटी के दौरान दो रेलकर्मियों की मौत ट्रेन से कटकर हो गई. मृतकों में पीडब्ल्यूआई के मोहन कुमार शर्मा और राहुल कुमार हैं, जो पेट्रोलिंग ड्यूटी पर थे. रेलवे सूत्रों के अनुसार दोनों रेलकर्मी रेल पटरी को दुरूस्त कर रहे थे, तभी वहां से तेज रफ्तार से ट्रेन आ गई. दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए. ईसीआरकेयू के मीडिया प्रभारी एनके खवास ने कहा कि उन्होंने ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन पदाधिकारियों डीके पांडेय और मोहम्मद जियाउद्दीन को जानकारी दी. उनके निर्देशानुसार घटनास्थल पर रवाना हो गए. चंद्रपुरा शाखा से संगठन सचिव अरविंद कुमार मेहता, सहायक सचिव सह चीफ यार्ड मास्टर रूपेश कुमार सदस्यों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे.

सभी को मिले समानता का अधिकार : जस्टिस सुजीत

संवाददाता। जमशेदपुर

देश में आदिम जनजाति शब्द को हटाने का प्रयास करना होगा. देश में सिर्फ जाती शब्द का ही इस्तेमाल किया जाए. सभी बराबर रहे और सभी को समानता का अधिकार मिले. यह बाते झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस सह झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद ने कही. वे पूर्वी सिंहभूम जिले के एमजीएम थाना अंतर्गत पलासबनी में आयोजित राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर में लोगों को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने कहा कि आज आदिम जनजाति को झालसा के बारे में कोई जानकारी नहीं है कि किस तरह लोग झालसा के इस्तेमाल से खुद को लाभ पहुंचा सकते है.

वृद्धावस्था पेंशन योजना में मिले 208 आवेदन

महुदा। झारखंड सरकार के निर्देशानुसार पंचायत सचिवालय पदुगोड़ा में पांच दिवसीय मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना को लेकर शिविर का आयोजन किया गया था. इस शिविर मे 20 फरवरी से 24 फरवरी तक आवेदन जमा किया गया. प्रथम दिन 20 फरवरी को 26, 21 को 76, 22 को 92, 23 फरवरी को 6, और 24 फरवरी को 8, कुल पांच दिनों में 208 आवेदन जमा किया गया. मुखिया महेश कुमार पटवारी ने बताया कि मेरे और वार्ड सदस्यों द्वारा प्रचार प्रसार कर 50 वर्ष उम्र की महिला और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति जाति के पुरुषों के बीच निःशुल्क पेंशन फार्म का वितरण स्वयं मुखिया द्वारा किया गया. उक्त शिविर में मुखिया महेश कुमार पटवारी व अंकित अग्रवाल का सराहनीय योगदान रहा.

तालिम के बिना इंसान की जिंदगी अधूरी : जाहिद हुसैन

संवाददाता। मझगांव

मदरसा कासीमुल उलूम मझगांव में एक जलसा दस्तारबंदी व शीरत कान्फेरेस से मुनाक्किद किया गया. जिसमें 2 हाफिजे कुरआन बच्चों को उनके उस्तादों सहित अन्य मौलानाओं ने मिलकर बच्चों के सिरों पर पगड़ी बांधी व उनको मदरसे की जानिब से सनद दी गई एवं इनामों से भी नवाजा गया. जलसे की आगाज कुरआन शरीफ की तिलावत कारी नुरुलअमीन ने पढ़ कर शुरु की गई. इस मौके पर जलसे की जेरे सदारत उड़िसा राज्य के केंद्रापड़ा के मौलाना मोहम्मद फारुख कासमी ने किया. वहीं जलसे में मेहमाने खुसुशी (मुख्य वक्ता) के रुप बंगाल के दार्जिलिंग के मौलाना व मुफ्ती सादून नजीब कासमी ने अपने बयान से हाफिजे कुरआन की फजीलत को बयान किया. वहीं ओडिशा के बड़बिल मुफ्ती जाहिद हुसैन ने कहा कि तालिम के बिना इंसान की जिंदगी अधूरी रहती है.

लापरवाही मुख्यमंत्री नए भवन निर्माण के शिलान्यास के लिए आदित्यपुर आने वाले थे

नए भवन निर्माण का शिलान्यास कार्यक्रम टला

संजीव मेहता। आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम के नए भवन निर्माण के शिलान्यास पर दूसरी बार ग्रहण लगा है. भूमि की अनुपयोगिता की वजह से नगर निगम के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास कार्यक्रम दूसरी बार टल गया है. राज्य के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन शनिवार को नए भवन निर्माण के शिलान्यास के लिए आदित्यपुर आने वाले थे, जिसकी सारी तैयारी कर ली गई थी, जिसे येन वक्त पर स्थगित कर दिया गया.

वहीं भवन के लिए भूमि का चयन और उसकी गलत जानकारी देने पर गम्हरिया के सीओ गिरेंद्र टूटी को रातों रात हटा दिया गया है, उनका स्थानांतरण कोडरमा कर दिया गया है. बता दें कि शनिवार को सरायकेला में 200 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास के साथ ही 25 करोड़ की लागत से आदित्यपुर नगर निगम के नए भवन का निर्माण होगा. इसका शिलान्यास आदित्यपुर में होना था. जिसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई थी. परंतु येन वक्त पर रितेश भालोटिया द्वारा उस जमीन पर दावा करते हुए हाई कोर्ट से स्टे ऑर्डर लाकर प्रशासन को थमा दिया गया, जिससे जिला प्रशासन की सारी तैयारी भूमि का चयन आदित्यपुर नगर निगम कार्यालय के नए भवन के लिए किया गया था. झारखंड सरकार के निबंधन भूमि सुधार और राजस्व विभाग के आवास और नगर विकास विभाग ने जमीन को स्थानांतरित भी कर दिया गया था. इसी जमीन पर शनिवार को मुख्यमंत्री शिलान्यास करने वाले थे. परंतु, येन वक्त पर शुक्रवार को ही जमीन पर दावा जताने वाले रितेश भालोटिया झारखंड हाई कोर्ट से स्टे ऑर्डर लाकर प्रशासन को दे दिया. इससे शिलान्यास होने वाले कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया. बता दें कि इससे पूर्व नगर निगम के प्रशासनिक भवन के लिए आरआईटी थाना भवन का चयन किया गया था.

सीओ हटे

- सीएम नहीं कर पाए भवन निर्माण का शिलान्यास
- 25 करोड़ की लागत से नए भवन का निर्माण होगा
- हटाया गए गम्हरिया सीओ गिरेंद्र टूटी, भेजे गए कोडरमा

बेकार हो गई. बताया जा रहा है कि गम्हरिया अंचल की आसंगी राजस्व ग्राम के सतवहनी के जमालपुर में खाता नंबर 187 प्लॉट नंबर 88, 93, 94 और 96 गैर-मजरूवा नेचर की

घायल युवक की इलाज के दौरान हुई मौत

धुरकी (गढ़वा)। धुरकी थाना क्षेत्र अंतर्गत गनियारी कला गांव के मंगल बाजार निवासी बलराम साह के 24 वर्षीय पुत्र अखिलेश साह की मौत सड़क दुर्घटना में इलाज के दौरान हो गई. बता दें कि मृतक अखिलेश अपने ससुराल भवनाथपुर जा रहा था. जहां बीच रास्ते पाल्हे जतपुरा गांव में विपरीत दिशा से आ रही बाइक व अखिलेश की बाइक दोनों में जोरदार टक्कर हो गई. जिससे अखिलेश बुरी तरह घायल हो गया. आनन फानन में परिजनों ने उसे सदर अस्पताल गढ़वा भर्ती कराया. जहां उसे सदर अस्पताल गढ़वा से रेफर कर दिया. परिजन रांची रिम्स अस्पताल में इलाज के लिए ले गए. वहां से भी रेफर कर दिया. रांची के पास में ही एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

बाघमारा में जनता का राज्य स्थापित होगा : सूरज महतो

संवाददाता। कतरास

अब बाघमारा की जनता जाग चुकी है. बदलाव हर हाल में होगा. यहां आदमकद खोर टाईगर नहीं बल्कि जनता का राज्य स्थापित होगा. बाघमारा की जनता का हकमारी करने वालों की जगह जेल में होगी. उक्त बातें जन शक्ति दल के सुप्रीमो सुरज महतो ने काको मोड़ प्रधान कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित कही. उन्होंने कहा कि बाघमारा विधानसभा के 47 पंचायत और 8 वार्ड में लगातार 75 दिनों तक जन शक्ति दल ने जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों लोगों का आशीर्वाद लिया है. लोगों का आशीर्वाद को लेकर रविवार को राहुल चौक से जन शक्ति दल के कार्यकर्ता आभार यात्रा निकालेंगे.

"बारिश का पानी ऊंचाई पर नहीं ठहरता और ढलान पर बहकर नीचे जाता है. ऐसे ही ज्ञान भी घमंड में ऊंचे उठे सिर में नहीं ठहरता. गहरे समुद्र में मोती हैं, लेकिन उन्हें प्राप्त करने के लिए आपको सभी जोखिम उठाने होंगे. यदि आप एक ही गोता लगाकर उन तक पहुंचने में विफल रहते हैं, तो यह निष्कर्ष न निकालें कि समुद्र में मोती नहीं हैं. –स्वामी रामकृष्ण परमहंस"

शुभम संदेश
रांची, रविवार 25 फरवरी, 2024

चरण शिथिल हो गए रसीले लाल-गुलाबी अरमानों के

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सोचा था इस साल वसंत की ओर से अपनी आंखें फेर लूंगा, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया. सोची हुई सभी बातें साकार कहां हो पाती हैं! इसलिए यह भी नहीं हो सका और वसंत के आगे हथियार डालना ही पड़ा. मैं भी क्या करूं? ध्यान करता हूं तो सजी-धजी वसुंधरा के साथ वसंत का मुस्कराता मुखमंडल दिखने लगता है. आंखें खोलता हूं तो नव पल्लवों से सुसज्जित द्रुमों और लतिकाओं की शोभा मन मोह लेती है. चिटखी कलियां, खिलते सुमन और गुनगुनाते भौंरे मस्त कर देते हैं. नूतन श्रृंगार कर प्रकृति की देवी वसंत के स्वागत सत्कार में तत्पर है. वसंत के पंचपुष्पी वाण ने सबको मस्त कर रखा है. महुए अपने मधुर-रस पूरित पुष्पों से वातावरण में मधुर रस घोल रहे हैं. आम की डालियों पर मंजरियां मादक गंध बिखेर रही हैं. कोकिला मधुर तान छेड़ रही है. ऐसे में कोई वसंत से अपनी आंखें कैसे फेर सकता है. कवियों और कवयित्रियों के मन उपवन में तो वसंत स्वभावतः मचल रहा है और एक से बढ़कर एक कविताओं और गीतों की रचना हो रही है. वसंत की बात सोचता हूं तो मेरे मानस में झारखंड से लेकर बिहार तक में काव्य ज्योति जगाने वाले जानेमाने कवि एवं गीतकार **प्रवीण परिमल** का यह गीत गूंज उठता है-

पतझर से ओझल थे अबतक
अंग-अंग इस दिग्दिगंत के ;
लो, आए फिर दिन वसन्त के !
क्षणभर में फिर लगी महकने
ख़ुशबूदार हवा, अमराई
फूलीं सरसों पीली-पीली
बागों में कोयल बौरायी
आंखों में सपने भर आये ;
शोख़ धरा औ' नभ अनंत के !
गदराया धरती का तन फिर
नभ-कपोल अरुणाभ हुआ है
रंजित पिंग पराग-गात
वनश्री का , लो , हेमाभ हुआ है
बरसे हैं रस- भरे बाण ;
धनु से छूटे जो पुष्पवंत के !
परस सिर्फ पलकों पर पाकर
नैन बसाए मेहमानों के
चरण शिथिल हो गए, रसीले --
लाल-गुलाबी अरमानों के
फिर भी मेरे नयन उनींदे ;
बाट जोहते रहे कन्त के ! लो आए फिर दिन वसन्त के !!

परिमल जी के चार काव्य संकलन, दो गजल संग्रह तथा दो जनवादी गीतों के संकलन प्रकाशित हो चुके हैं और सभी संकलन अपने आप में अनूठे और एक से बढ़कर एक हैं. खुशखबरी यह कि शीशे का घर और हसरतों के काफिले नाम से दो गजल संग्रहों का प्रकाशन शीघ्र ही होनेवाला है. इनकी रचनाएं आकाशवाणी और दूरदर्शन के अनेक केंद्रों के साथ ही विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर प्रसारित-प्रकाशित होती रहती हैं. इनके मगही गीतों का कोई जवाब नहीं है. ये कई संस्थाओं से सम्मानित हो चुके हैं. वसंत तो मधुर भावों का ऋतु है. जब दिल में भाव उमड़ पड़ेंगे उर्वर कविता की रचना हो ही जाएगी.

यह तो जमशेदपुर की रहनेवाली कवयित्री **माधवी उपाध्याय** की इस कविता से स्पष्ट हो ही जाता है, जिसका शीर्षक है-राग वसंती मन आने दो.

जिस दिन भाव उमड़ आयेंगे, उस दिन कविता उर्वर दूंगी..
अपने अन्तरभावों को तब, कोमल शब्दों में गुथ दूंगी..
रोके से जो रुक न पाए, उसे समाहित कर दूंगी..
उन प्रशांत झीलों के जैसी, खामोशी को स्वर दूंगी..
ठहरी सी नदियों को फिर से, पल में अविकल कर दूंगी..
भूली-बिसरी उन यादों को, निज गीतों से भर दूंगी ..
सुघड़ -भाव संयोजन से तब, नव अभिव्यक्ति अनवर दूंगी..
अभी धड़कनें थमी हुई हैं . शीत -लहर से जमी हुई ..
राग-वसंती मन आने दो, गीत प्रेम का भर दूंगी.
जिस दिन भाव उमड़ आयेंगे, उस दिन कविता उर्वर दूंगी..

माधवी जी उच्च शिक्षा प्राप्त विदुषी कवयित्री हैं. काव्य रचना की क्षमता इन्हें बिरासत में मिली है, क्योंकि इनके पिता डॉ. हरेराम त्रिपाठी चेतन ख्यातिलब्ध साहित्यकार हैं. इनका एक काव्य संकलन 'अनुपल गाता गीत पपीहा' प्रकाशित हो चुका है और अगला काव्य संकलन प्रकाशन की तैयारी में है. झारखंड में जब कवयित्री की बात हो तो **गीता चौबे गूंज** की चर्चा आवश्यक हो जाती है. हालांकि गीता जी संप्रति बेंगलुरु में निवास कर रही हैं, लेकिन इन्होंने झारखंड में लंबी अवधि तक साहित्य-साधना की है. छंदों पर तो इनका अधिकार है ही, साहित्य की हर विधा के सर्जन में प्रवीण हैं. अभी हाल ही में इनका नया उपन्यास 'लंबी होतीं परछाइयां' चर्चित हुआ. इनका पहला उपन्यास 'बंद घरों के रोशनदान' को 2021 मेंग्वालियर में सम्मानित किया गया. देश की विभिन्न संस्थाओं ने इन्हें भरपूर सम्मान दिया है. वसंत के अवसर पर सार छंद में रचित इनकी यह कविता पठनीय है-

हृदय सभी के गूंजित होते, प्रेम पगी बातों से.
पूनम का चंदा बतिआए, खिली हुई रातों से..
दूल्हा चंदा लेकर आता, तारों की बारातें.
दुलहिन बनी निशा से करता, प्रणय-प्रीत की बातें..
सर्द शिशिर की ठंडी रातें, गर्म तनिक हो आतीं.
मौसम परम सुहावन होता, दिल पे लिखता पाती..
ऊनी कपड़ों से अब तन को, मिलता है छुटकारा.
फिर से बक्से में जा छुपता, कंबल तो बेचारा..
मंद हवा के झोंकों में अब,घुलती खुशबू मीठी.
होती ठिठुरन नहीं देह में, बुझती अब अंगीठी..
शुरू पिघलना होने लगता, शिलाखंड बर्फानी.
करती स्वागत है वसंत का,दिल से धरती रानी..
वसंत के आने से खिलते, द्रुम के कोमल पत्ते.
शिशिर बदलता जैसे अपने, फटे-पुराने लत्ते..
नव कोंपल शाखों में आकर, नव अम्बर से सजतीं.
तरु से लिपट-लिपट नव बेलें, यौवन में पग धरतीं..

रांची के कवि **डॉ. चंद्रशेखर** भी वसंत को ऐसे ही दृष्टिकोण से देख रहे हैं. इनके वसंत में भी वैसी ही मादकता है. प्रस्तुत है डॉ. चंद्रशेखर की यह कविता-

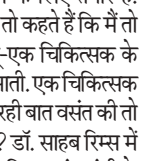

शीतते वसुंधरा पर
बहुरंगी फूलों की क्यारियां, पीली सरसों के गीलों खेत
पतझड़ के पेड़ पर उगते, कोमल पुलकित पल्लव
पंखुड़ियों पर सुनहरी किरणों से नहाई ओसकण
सतरंगी इंद्रधनुष के सौंदर्य को बिखेरता
आम्रमंजर के रसों के सुगंध को शीत बयार में घोलता
पूरी धरा के नर-नारी, नव-यौवन को
भीतर से जोड़ता इस वसंत के अथाह सौंदर्य से
संवरित करता नव प्रेम, नव उल्लास
प्रिय के नयनों में अपने सौंदर्य का दर्शन
आलीयता और एकात्मकता प्रथम सौंदर्यानुभव
प्रथम प्रेमानुभव कली से फूल
संकीर्णता से मुक्ति आत्मोत्सर्ग!!

डॉ. चंद्रशेखर पेशे से कुशल चिकित्सक हैं. रिम्स में दशकों तक सेवा अर्पित कर चुके हैं और साहित्य साधना में गहरी अभिरुचि रखते हैं. इनकी कविताएं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती हैं. इनका काव्य संकलन 'सिर्फ एक बार आ जाओ' प्रकाशित हो चुका है. अगला काव्य संकलन भी प्रकाशन के लिए तैयार है. वसंत के आगमन पर बात छिड़ती है तो कहते हैं कि मैं तो सेवानिवृत्त हो चुका हूं. मैं कहता हूं-एक चिकित्सक के पास सेवानिवृत्ति की उम्र कभी नहीं आती. एक चिकित्सक जीवन पर्यंत चिकित्सक ही रहता है. रही बात वसंत की तो इसका सेवानिवृत्ति से क्या रिश्ता है? डॉ. साहब रिम्स में रुग्णों की सेवा के साथ ही भारतीय चिकित्सा संघ रांची के अध्यक्ष, आइएमए झारखंड के उपाध्यक्ष, रिम्स चिकित्सक संघ के उपाध्यक्ष जैसे विभिन्न पदों की जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं. मतलब यह कि चिकित्सक, प्रेमी, नेता, साहित्यकार कभी सेवा निवृत्त नहीं होते. वसंत आया है तो इसका आनंद लीजिए और अब मुझे आज्ञा दीजिए. जय हिंद! जय झारखंड!!

मातृभाषाओं के अस्तित्व के समक्ष चुनौतियां

पिछले 21 फरवरी को पूरे देश में और विश्व में ₹अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस₹ मनाया गया. सरकारी, अर्ध सरकारी संस्थानों और बहुत सारे शैक्षणिक संस्थानों में भी इस दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किये गए. यूं भी कह सकते हैं कि इस दिवस को मनाने की औपचारिकता पूरी की गई. कुछेक संस्थानों में कार्यक्रम का प्रारूप ऐसा था मानो हिंदी दिवस मनाया जा रहा हो. कितनी विचित्र बात है कि शहर की बहुत बड़ी आबादी को अपनी मातृभाषा के अस्तित्व के महत्व का ज्ञान भी नहीं है! जब उन्हें उस भाषा से पहचान, उसकी संस्कृति, उसके परिवेश को भूलने में देर नहीं लगती तो फिर उस मां को भूलने में कितना समय लगेगा, जिससे उन्होंने बोलना सीखा था. शायद सफलता-समृद्धि प्राप्त करने की दौड़ में उस भाषा को ही भूल जाते हैं, जिसमें शिशु के रूप में अपनी मां से संवाद करते थे! मातृभाषा भूलने के साथ ही व्यक्ति के भाषा बोध का नैसर्गिक गुण भी शिथिल पड़ जाता है. अपनी मातृभाषा में कुशल व्यक्ति देश और दुनिया की कोई भी भाषा और बोली अधिक सहजता से सीख सकता है. कहीं पढ़ा था कि मातृभाषा 'विश्वास' की भाषा, भरोसे की भाषा है. इसी भाषा में मां ने उसे कुछ भी कहा था बाल्यावस्था में और उसने निस्संदेह भरोसा किया था उनपर! मनुष्य मातृभाषा के कारण ही ₹विश्वासर करना सीखता है, जानता है. सन्1999 में यूनेस्को ने प्रतिवर्ष 21 फरवरी को ₹अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवसर मनाए जाने की घोषणा की . इसके पीछे भी एक दीर्घ संघर्ष की कथा है. भारत की आज़ादी के बाद जब पूर्वी और पश्चिम पाकिस्तान बना तो पश्चिम पाकिस्तान की हुकूमत ने पूर्वी पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा भी उर्दू निर्धारित कर दी. पूरे पूर्वी पाकिस्तान में विरोध और प्रदर्शन होने लगे. सरकार दमन का रास्ता अख्तियार करने लगी. पूरे पूर्वी पाकिस्तान की भाषा बंगला थी और है. वहां के निवासी अपनी भाषा, संगीत, सभ्यता से बहुत ही अधिक प्यार करते हैं. विरोध उग्र हुआ. 1952 में विद्यार्थियों की भीड़ पर गोलीबारी हुई. सरकारी आंकड़ों के अनुसार पांच युवक शहीद हो गए थे. वास्तविक संख्या बहुत अधिक थी. ढाका में उनका स्मारक बनाया गया है और बाद में यूनेस्को ने इस दिवस को मातृभाषा दिवस के रूप में मनाना शुरू किया. 'बांग्लादेश' की नींव इसी भाषाई अस्तित्व की रक्षा के संघर्ष के धरातल पर ही पड़ी थी. भाषाविदों का एक अनुमान है कि सन 2050 तक विश्व की नब्बे प्रतिशत बोलियां और भाषाएं विलुप्त हो जाएंगी. राज्य सरकारें बोलियों और भाषाओं के संरक्षण के प्रति उदासीन और विमुख हैं. प्राथमिक विद्यालयों में मातृभाषा में शिक्षा सिर्फ वायदों तक ही सीमित है. भाषा और बोली का अन्योन्याश्रय संबंध संस्कृति और सभ्यता से है. झटका तब लगता है, जब शहर में पढ़ने वाले आधुनिक युवक-युवतियां संताली, मुंडारी, कुड़ुख़, सादरी, पंच परगनियां जैसी भाषा बोलना नहीं जानते! न ही उन्हें अपनी मातृभाषा सीखने जानने की कोई उत्कंठा है. मातृभाषाएं ऐसे ही पूरी सभ्यता और संस्कृति लिए विलुप्त होती जा रही है. यह चिंता का विषय है!

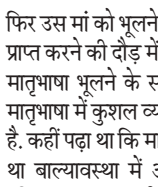

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

अमरकंटक के दर्शनीय तीर्थ स्थल : अवसि देखिए देखन जोगू

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

बात अमरकंटक के श्री नर्मदा मंदिर परिसर में कुल मिलाकर 24 मंदिर हैं. श्री नर्मदा मंदिर भारत का 39 वां शक्ति पीठ अधिष्ठात्री देवी श्री नर्मदा जी का है. अमरकंटक में प्रमुख मंदिर हैं-

श्री विष्णु मंदिर- प्राचीन मंदिरों में विष्णु मंदिर प्रमुख है. ऐसी लोक मान्यता है कि क्षीर सागर से उत्पन्न होने के पश्चात् भगवती लक्ष्मी यहीं निवास करती हैं. इसी स्थान पर महर्षि भृगु ने भगवान विष्णु के साथ भगवती लक्ष्मी का परिचय करवाया था. इस मंदिर में स्थापित भगवान विष्णु की प्रतिमा अत्यंत कलात्मक है. काले ग्रेनाइट पत्थर पर भगवान विष्णु के दशावतार उत्कीर्ण हैं, समीप ही लक्ष्मी जी की प्रतिमा विराजमान है.

पातालेश्वर महादेव- यह भी एक प्राचीन मंदिरों में एक है.जनश्रुतियों के अनुसार इस मंदिर की स्थापना आदि शंकराचार्य ने की थी. पातालेश्वर महादेव का मंदिर विशिष्ट प्रकार से बना हुआ है . पातालेश्वर महादेव का मंदिर अपने नाम के अनुरुप ही पाताल में स्थित है. कहने का तात्पर्य यह है कि शिवलिंग पृथ्वी की सतह से लगभग 10 फीट की गहराई पर स्थित है. प्रतिवर्ष पातालेश्वर शिवलिंग की जलहरी में श्रावण मास के अंतिम सोमवार के दिन श्री नर्मदा का प्रादुर्भाव होता है तथा यह समझ से परे है. ऐसी मान्यता है कि नर्मदा जी शिव जी को स्नान कराने आती हैं, ऐसा केवल श्रावण मास में ही होता है. अन्य समय चाहें कितनी ही वर्षा क्यों न हो इस प्रकार की घटना घटित नहीं होती.

रंग महला मंदिर- किंवदंती के अनुसार नर्मदा जी जब एक दिव्य कन्या के रूप में प्रकट हुई, तब उनके निवास के लिए रंगमहला नामक एक सुंदर महल प्रसाद स्वरूप नर्मदा जी को दिया गया. इसे आज रंगमहला मंदिर कहां जाता है. वाद्य, संगीत ,चौपड़ खेलने के स्थान को भी रंगमहल कहा जाता है.

श्री भगवती राज राजेश्वरी मंदिर (शंकराचार्य आश्रम)- नर्मदा मंदिर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर भगवती राजराजेश्वरी जी का सुंदर मंदिर बना हुआ है. शंकराचार्य आश्रम की स्थापना 1973 में की गई थी, जो कालांतर में भव्य सुंदर शंकराचार्य आश्रम बन गया है. पूर्व काल से ही शंकराचार्य आश्रम अध्यात्म का केंद्र रहा है.

भृगु कमंडल- नर्मदा मंदिर से दक्षिण दिशा की ओर लगभग 4 किलो मीटर की दूरी पर भृगु कमंडल नामक स्थान है. कहा जाता है कि इस स्थान पर भृगु ऋषि ने कठोर तप कर सिद्धि प्राप्त की थी. यहां आश्रम में कमंडल की आकृति का एक चट्टान है. नर्मदा परिक्रमा वासी सोनमूड़ा होते हुए भृगु कमंडल के दर्शन के लिए अवश्य आते हैं.

श्री बर्फानी आश्रम- नर्मदा मंदिर से पूर्व दिशा की ओर लगभग 100 मीटर की दूरी पर बर्फानी बाबा का आश्रम है. श्री बर्फानी सिद्धयोगाश्रम षट् साधु समाज के अंतर्गत वैष्णव धर्मावलंबी श्री रामानंद संप्रदाय से संबंधित है. अयोध्या में स्थित खाकचौक आश्रम की शाखा के इस आश्रम की स्थापना संवत् 2025 में हिमालय के महान कायाकल्पी संत अनंत श्री विभूषित योगीधिराज ब्रह्मर्षि श्री बर्फानी दादा जी के करकमलों द्वारा की गई. मंदिर निर्माण के पश्चात् संवत् 2040 में दिव्य आकर्षक मूर्तियों की स्थापना की गई, जिनमें मुख्य रूप से सीताराम लक्ष्मण के साथ , श्री राधाकृष्ण भगवान,श्री नारायण शिव पार्वती एवं दक्षिण मुखी बाल स्वरूप विचित्र वीर हनुमान जी महाराज विराजमान हैं.

अखिल जंगल चुटिया दल

नश्तर

सुधीर राघव

दूर दूर, बहुत दूर. कहीं एक जंगल में. मुनाफाखोर साम्राज्यवादी सेठ दुलीचंद सुनामी ने अपने मोहरे गधे को राजा बनाकर पूरे जंगल पर नियंत्रण कर लिया था. उसने जंगल के सारे गणतंत्र समर्थक शेरों को पिंजरों में कैद करवा दिया था. इसके लिए उसने सर्कस कर्मियों को भर्ती कर अबोलिएंट डिपार्टमेंट (सरगर्म विभाग) बनाया था, जिसे सेठ सुनामी अक्सर ईडी कहकर ही बुलाता था. भले ही सेठ सुनामी एकाधिकारवादी और साम्राज्यवादी था, मगर उसने दिखावे के लिए जंगल में राजा के चयन के लिए चुनाव प्रक्रिया जारी रखी थी. इससे एकतरफ जानवरों में यह भ्रम बरकरार था कि जंगल में गणराज्य कायम है तो दूसरी तरफ हकीकत यह थी कि मतगणना मशीनों और अपनी कंपनी के न्यूज चैनलों के जरिए नतीजों और नतीजों के प्रचार पर सेठ का पूरा नियंत्रण था. गधे के जरिए पूरे जंगल में मर्जी सेठ की ही चलती थी. सेठ गधे को प्यार से लॉर्ड बर्रो कहकर बुलाता था. कहने को गधे का एक राजनीतिक दल भी बनवा दिया था, जिसका नाम था भजन जंगल पार्टी. पार्टी की पहचान भजन था - मोक्ष बिना चैन कहां रे! इस भजन को गधा अपनी हर रैली में गाता था.

चुनाव फिर नजदीक आ रहे थे. मगर इस बार केलोबेलो के सारे न्यूज चैनल दिनभर अबकी बारी चुटियाधारी पर ही चर्चा कर रहे थे. चुटियाधारी पक्षी वैसे ही जंगल में अल्पसंख्यक थे. इसलिए उत्साहित होकर मोरों ने तत्काल अखिल जंगल चुटिया दल नाम से पार्टी लांच कर दी. जंगली मुर्गों ने जंगल चुटियापंथी मोर्चा बनाया तो सिपाही तीतर ने नौकरी से इस्तीफा देकर चुटियानंदन दल बना लिया. मोरल भी कहां पीछे रहने वाले थे, उन्होंने चुटियाधारी फारवर्ड ब्लाक बना लिया. हवा बदली देख गधे के होश फाख्ता हो गए. गधा होकर भी वह समझ गया कि सेठ उससे नाराज़ हैं. इसलिए उसके सारे चैनल इसबार किसी चुटियाधारी राजा की चर्चा कर रहे हैं.

गधा घबराया हुआ सीधा सेठ सुनामी की कैबिन में पहुंचा और चरणों में लोट गया. गधा गलती के लिए माफी मांग रहा था. सेठ सुनामी ने अपनी गर्दन सतर की और प्यार से गधे के सिर पर हाथ फिराते हुए पूछा - इतना घबराए हुए क्यों हो? गधे ने हिचकते हुए कहा - इस बार सभी चैनल चुटियाधारी का राग अलाप रहे हैं. यह सुनकर सेठ मुस्कुराया और उसने केलोबेलो के सीईओ झेंगा झकोई को बुलवा कर कहा - अरे झेंगा! लार्ड बर्रो को स्टूडियो ले जाओ और इनकी गलतफहमी दूर करो. झेंगा तत्काल गधे को स्टूडियो ले गया. गधे को एक खास एंगल में खड़ा किया गया. कैमरा उसकी पूंछ की तरफ लगाया गया. गधे का सिर ऐसे कोण पर मुड़वाया गया कि बीच का धड़ नजर नहीं आ रहा था. गधे के सिर के पीछे पूंछ एकदम से चुटिया जैसी लग रही थी. सुंदर सजी एंकर ने इंट्रो पढ़ना शुरू किया- तो जानवरो दिल थाम लो. इस चैनल पर हम पहली बार और सबसे पहले आपको मिलवा रहे हैं, चुटियाधारी जी से! अबकी बारी चुटियाधारी! गधे का यह नया चुटियाधारी लुक देखकर पूरा जंगल हतप्रभ था. सब चर्चा कर थे कि पिछले चुनाव में जब चैनल ने गधे को चौंचीदार बनाया था तो चौंच नकली लगाई थी. इसबार चुटिया एक दम रियल है. अब तो जंगल के सभी पूंछधारी गधे वाले पोज में सेल्फी ले रहे थे और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे थे - मैं भी चुटियाधारी.

पंकज पाल की कलाकृतियों में है यथार्थ का चित्रण

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

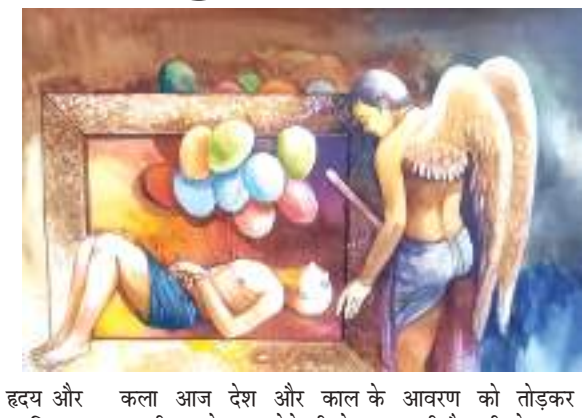

समकालीन कला में विविधता आश्चर्यजनक रूप से समृद्ध है. बदलता हुआ प्रबुद्ध समाज बडे मनोयोग से इस व्यक्तिगत भाषा को समझने परखने की चेष्टा कर रहा है. समकालीन रचनाधर्मिता के क्षेत्र में 'प्रयोग' शब्द आधुनिकता का पर्याय बन चुकी है. यह शब्द वैज्ञानिक युग की देन है. मशीनीकरण और तकनीकी प्रगति के साथ यह शब्द खास तौर से जुड़ा हुआ है. कलाकारों ने एक ओर अप्रत्यक्ष रूप से विज्ञान के विभिन्न पक्षों और प्रयोगधर्मिता के प्रति खिंचाव महसूस किया तो दूसरी ओर यान्त्रिक जड़ता के बन्धन से मुक्त होने की चेष्टा कर रहा है. परम्परा के जंजीरों ने जिस प्रकार तत्कालीन कला को जकड़ रखा था, उससे मुक्ति पाने की प्रतिक्रिया के लिए अमूर्तन तथा समकालीन विधाओं का जन्म हुआ. कला सदैव अमूर्त होती है. क्योंकि वह कलाकार के भावों की अभिव्यंजना होती है. बदलते परिवेश और तीव्र विकास ने मनुष्य के हृदय और मस्तिष्क को बड़ी गहनता से आन्दोलित किया है. व्यक्तिगत मानसिक विधाओं, बिम्बों, नये नये मुहावरों और साहसिक प्रयोगों ने सारे कला क्षितिज को ही बदल डाला है. कला के नये मानदण्ड, नई परिभाषाएं, नये स्वर चारों ओर उभर रहे हैं. चित्र की विषय वस्तु को त्यागकर कलाकार धरातल के विन्यास, लिपि मूलक गुणों के निर्वाह, आकारों के तनाव, रंगों के आकर्षण और विकर्षण तथा बुनावटों की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं.

कला आज देश और काल के आवरण को तोड़कर स्थानीयता से मुक्त होने की चेष्टा कर रही है. तभी तो समय और विषय के अनुकूल पंकज कुमार पाल जैसे कलाकार आज अपनी कलाकृतियों में यथार्थवाद का चित्रण कर रहे हैं. वास्तव में कला मेहनत और समय की मांग करती है. इस कारण भी अधिक लोग इस माध्यम की ओर आकर्षित नहीं होते. इसके बावजूद पंकज कुमार पाल जैसे कलाकारों ने कला को नया अंदाज देने की कोशिश की है. इनकी कलाकृतियों में यथार्थ का चित्रण दिखता है. चंडीगढ़ से मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स की उपाधि प्राप्त करने के बाद पंकज कुमार पाल ने कई ग्रुप शो और सोलो शो प्रदर्शनी में भाग लिया, जहां इनकी कला की खूब चर्चा होती रहीं. 1998 में इन्हें महाकौशल काल परिषद रायपुर से बेस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया. वहीं 1993 में पटना विश्वविद्यालय से इन्होंने गोल्ड मेडल भी प्राप्त किया. यथार्थवादी कलाकार पंकज कुमार पाल की कलाकृतियां ज्यादातर मुहावरे जैसे ही नजर आती है और हर कला एक अलग भाव लिये कला प्रेमियों के समक्ष दिखता है. ये अपनी कलाकृतियों को काल्पनिक रंगों से ही आकर्षक बनाते हैं. पंकज कुमार पाल की कलाकृतियां नये वातावरण को झेलने के लिये ही नहीं, उसे आत्मसात करने के लिए भी तैयार हो चुका है. उसकी नियति अब एक निर्णायक दौर से गुजर रही है. जहां उसे अपने अस्तित्व की पहचान की लालसा है, जिसमें कोई भी कला प्रेमी एक बार डूबता है तो चाहकर भी उस संसार से बाहर निकल कर यथार्थ की दुनिया से वापस लौटना ही नहीं चाहता. सच कहा जाय तो पंकज की कलाकृतियां अपने आप में पूरी दास्तां बयां करती है और इनकी कलाकृतियों में संवेदनशीलता की आंतरिक दृष्टि स्पष्ट झलकती रहती है.

मुक्तात्मा

कहानी

वीणा ठाकुर
मैथिली कथा

कुमार मनीष अरविन्द
हिन्दी अनुवाद

गतांक से आगे -

बहू तो प्रतिमा की हुई अब, परन्तु वहां तो थाली परोसने का रिवाज ही नहीं था. वे दोनों ही पति-पत्नी टेबुल पर रखे पॉट में से प्लेट में खाना लेकर खा लेते थे. कहीं कोई आग्रह नहीं. इतना भर करती थी अर्चना कि जाते-जाते प्रतिमा को कह देती थी- ''मां, आप खाना खा लीजिएगा. सबकुछ फ्रिज में है ही. नहीं तो मेरी बना भी देगी. हमलोगों की प्रतीक्षा मत कीजिएगा. ''प्रतीक्षा मत कीजिएगा'' सुनकर प्रतिमा को कितने अपमान की अनुभूति होती थी, यह बेटा-बहू समझ कहां पाते थे!

अमेरिका से वापस आए हुए कितने वर्ष बीत गए, पर प्रतिमा को अब भी वैसे ही स्मरण है. उसने बच्चे की तेल से मालिश कर उसकी आंखों में काजल लगा दिया था. अर्चना की उस दिन नाइट ड्यूटी थी. आकर बच्चे को देखते ही हड़बड़ाती हुई उसने प्रतिमा से कहा था- ''यह आपने क्या किया? किसने कहा था आपको काजल लगाने को ?''... और तब तुरंत बच्चे को लेकर वह हॉस्पीटल चली गयी थी, आंख के डॉक्टर से दिखलाने के लिए. प्रतिमा अपराधबोध में गड़ गयी थी. आशु के आने पर प्रतिमा ने बड़ी आशा से आशु के चेहरे की ओर देखा था, परन्तु आशु ने कहा था- ''मां, मेरी है न, वह पूरी तरह ट्रेंड है. यह उसका काम है. काजल में कार्बन होता है... भाग्य अच्छा था कि ज्यादा देर नहीं हुई थी. अर्चना समय पर आ गयी थी, नहीं तो अनर्थ हो जाता.'' प्रतिमा अवाक्. जीवन भर उसने अपने पुत्र के साथ-साथ अपनी गोतनी और ननदों के बाल-बच्चों को तेल-काजल लगाया था. किसी को भी कहां हुआ था कुछ? वह यह कह नहीं सकी कि बौआ, अपने देश में तो छोटे बच्चे के लिए तेल-काजल अमृत होता है. मौन रहकर एक प्रकार से उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था.

एक रात आशु थोड़ा पहले आ गये थे. प्रतिमा को दिन में व्रत था. थोड़ी देर बाद अर्चना भी आ गयी थी. खाना खाते हुए आशु ने प्रतिमा को खाने के लिए कहा तो उसके मुंह से निकल गया ''बेटा, आज मेरा व्रत है. मैं फलाहार कर लूंगी. सबकुछ मेरी के हाथ का छुआ है, सो अन्न नहीं खाऊंगी.''

''इंडियन्स की हिपोक्रेसी यही है. भाषण देते हैं कि सभी जीव में ईश्वर बसते हैं, परन्तु मनुष्यों और जानवरों में, मनुष्य-मनुष्य में भेद करते हैं. ऊंच-नीच, छुआ-छूत.''... अर्चना ने 'इंडियन' किसे कहा? प्रतिमा को ? अब वह स्वयं नहीं रही इंडियन? अर्चना तो पेट की जायी नहीं थी. प्रतिमा ने उसे क्षमा कर दिया... परन्तु आशु तो पुत्र थे, आशु को कैसे क्षमा कर सकती थी प्रतिमा?

वह जब यहां नयी-नयी आयी थी तो पूछ लिया करती थी- ''अर्चना कब आएगी ?'' आशु बिना कोई उत्तर दिए चुप रहते. बाद में वह समझने लगी थी कि यहां दूसरों की प्राइवेसी में हस्तक्षेप अपराध है. प्राइवेसी और आत्मनिर्भरता इस देश में अत्यन्त महत्वपूर्ण चीजें हैं. आगे कुछ पूछने की हिम्मत प्रतिमा की नहीं हुई थी.

वह मणिशंकर के प्रकट अनिच्छा की अवहेलना कर ममता के आकर्षण में खिंचती यहां चली आयी थी, परन्तु शून्य से भरे चकाचौंध के बीच उसे यह समझ में नहीं आता था कि इतने वैभव के रहते हुए भी यहां लोगों का मन इतना दरिद्र क्यों हो जाता है. उसी रात न जाने किस आन्तरिक आवेग में वह आशु के विछावन पर बैठी टीवी देख रही थी. देखते-देखते आंख लग गयी थी. शायद उसके मन में यह इच्छा थी कि यहीं सो जाएगी, जैसे पहले भी कई बार पुत्र के पास ही सो जाती थीं. परन्तु आशु ने उसे उठाते हुए कहा था- ''कपड़े बदल लीजिए मां, आराम से अपने बिस्तर पर जाकर सो जाइए.'' तब उसने समझा कहां था कि यह जगह अर्चना की है. अर्चना घर में नहीं हो तब भी यह जगह अर्चना की ही है. बिस्तर की दाहिनी ओर का खालीपन अर्चना का है... उतना ही, जितना उस स्थान का भरा रहना अर्चना का.

अलसायी हुई उठी थी प्रतिमा. कपड़े भी नहीं बदले. वैसे ही पसर गयी थी अपने बिछावन पर जाकर. मन में एक आशा थी कि शायद आशु उधर आ जाए, परन्तु नहीं! तभी बगल वाले फ्लैट का दरवाजा धड़ाम से बन्द हुआ था. इस धमक से आशु के फ्लैट का दरवाजा भी थर्रा गया था. दीवार से दीवार संयुक्त हैं, लेकिन लोग नहीं दिखते. गलीचे बिछे हैं, फिर भी फर्श पर कदमों की आहट साफ सुनाई दे जाती है, परन्तु नजरों में कोई आकृति नहीं बनती. यह कैसा सम्बन्ध है? दीवारें हिल जाती हैं, परन्तु मन तक नहीं पहुंच पाता कोई भी स्पन्दन!

कैसे लोग रहते होंगे इस घर में? क्या होती होगी उनकी दिनचर्या? कैसी रसोई, कैसा शयन-कक्ष और कैसा रहन-सहन होगा? इन घरों की घड़कन किस केन्द्र में बसी है? इन बातों का कुछ भी ज्ञान प्रतिमा को नहीं था. जबकि अपने गांव, अपने शहर के घरों में दरवाजे बन्द हों, तब भी सभी को यह पता होता है कि कब, किस समय में क्या-क्या हो रहा है. अपनी उदासी के उद्गम की तलाश करते-करते प्रतिमा को विश्वास हो गया कि मात्र अपने लिए जीवित रहने का नाम विदेश है. यहां मनुष्य मात्र व्यक्ति बनकर रहता है. किसी पीढ़ी की कोई पहचान यहां नहीं है. बच्चा मात्र उन्हीं दोनों प्राणियों का दायित्व था. शायद आशु-अर्चना को स्वतंत्रता का वायरस लग चुका था. प्रतिमा बच्चे का कोई भी काम नहीं कर सकती थी.

प्रतिमा के जीवन में आशीष की तरह की एक शाम आयी थी, जब उसके अपने पौत्र के जन्म का समाचार सुना था. जीवन और उम्र की उदासी पीछे छूट गयी थी. बच्चा क्या आया था जीवन में, प्रतिमा के शरीर का रोम-रोम जैसे आँख बन गयी थी. प्रत्येक इन्द्रीय जैसे कान बन गया था. बच्चा जब कभी रोता था तो उसकी चेतना जैसे उसके पीछे लगी वहीं जम जाती थी. परन्तु अर्चना को लगता जैसे उसकी प्राइवेसी भंग हो रही है. एक बार जब अर्चना ने प्रतिमा के सामने ही अपना दरवाजा जोर से बन्द कर लिया था, तो उसे यह भ्रम मात्र हुआ था कि यहां ऐसे अत्सुक होकर झांकना असभ्यता है. समझा तो उसने पर... वहां सभी प्रकार की भौतिक सुविधाएं तो थीं, परन्तु प्रेम पर, स्नेह पर, आत्मीयता पर जैसे सारे प्रतिबंध थे. वह मन भर न अपने पोते को दुलार कर सकती थी और न अपने बेटे को.

एक व्यर्थता का बोध, अनचिन्हा-अनुपयोगी होने की एक अनुभूति इसप्रकार होने लगी प्रतिमा को, कि धीरे-धीरे एक हीन-भावना से ग्रसित होने लगा उसका मन. उस दिन तो हद हो गया. छुट्टी का दिन था. आशु के कुछ मित्र रात्रि-भोजन पर निमंत्रित थे. अर्चना आया के साथ उत्साह से रसोईघर में व्यस्त थी. प्रतिमा ने भी सारी अन्य बातें भूलकर कुछ भारतीय व्यंजन तैयार किए थे. ये व्यंजन आशु के अमेरिकी मित्रों को बहुत स्वादिष्ट लगे. सभी मित्र खूब प्रशंसा करते भोजन कर रहे थे. प्रतिमा अर्चना की मदद कर रही थी. आशु के एक मित्र ने भोजन की प्रशंसा करते हुए कहा- ''वेरी डिलिसियस, यह आपने बनायी है? अर्चना ने हंसते हुए कहा- ''नहीं, यह मिसेज चौधरी ने बनायी है.'' जब तक प्रतिमा कुछ समझ पाती, तब तक उसने फिर कहा- ''योर मेड इस वेरी ट्रेन्ड, हाउ सोफिस्टिकेटेड इज दिस इंडियन लेडी !''

अर्चना के चेहरे पर हल्की प्रसन्नता बिखर उठी थी. इधर प्रतिमा की सारी इन्द्रियां कान बन गयीं थीं, इस आशा में कि आशु अब कहेगा- ''शी इज माइ मदर.'' परन्तु नहीं... आशु चुप रह गया था. मौन को तो स्वीकार ही माना जाता है न! प्रतिमा का हृदय छिन्न-भिन्न हो उठा था! उसकी आंखों में आंसू भर आए जिसे सबसे छुपाती हुई वह भीतर आ गयी थी.

वह रात प्रतिमा के जीवन की सबसे भारी रात थी. उस घटना के बाद गूंगी हो गयी थी प्रतिमा. छाती फट गयी हो जैसे उसकी. छाती फटने की ध्वनि, लेकिन किसी ने सुनी कहां? सुनने वाले भी तो भाग्यशालियों को ही मिलते हैं. आंखों से आंसू बूंद बन-बन कर झरते रहे, परन्तु वहां उसकी पीड़ा को समझने वाला कोई नहीं था. अकेली, असहाय, विवश होकर आर्त्त स्वर से अपने पुत्र के पास अपने देश लौट जाने की जैसे उसने गुहार लगायी थी. आशु को शायद प्रतिमा के स्वर की दृढ़ता का अनुभव हो गया था. कुछ दिन और रुक जाने का आग्रह करने का साहस भी नहीं जुटा पाया था वह. प्रतिमा महिषी लौट आयी थी.

कोशी की क्षीण धारा. शीशे की तरह पारदर्शी. उसके भीतर झक-झक करते उजले बालू के असंख्य कण. जल पर पड़ता सूर्य का लालिमा युक्त प्रकाश. पानी में छोटी-छोटी तरंगें... तरंगों पर दौड़ती-खेलती किरणें. तरंगों के साथ बहती हुई-सी जन्म-जन्मान्तर से संचित मनुष्य मात्र की मोह-माया. मोह-माया से मुक्त निर्निमेष दृष्टि से ताकती मुक्तात्मा बनी कोशी के कछेर पर बैठी प्रतिमा! **(समाप्त)**

समीक्षा : थके पांव से बारह कोस

समय के सवालों से टकराती सहज कहानियां

गोविन्द सेन

शीर्षक किसी भी कृति के प्रति उत्सुकता जगाता है. नीरज नीर के दूसरे कहानी संकलन का शीर्षक- 'थके पांव से बारह कोस' ऐसी ही उत्सुकता जगाता है. जब अनुक्रम में कहानियों के शीर्षकों पर नज़र डालते हैं तो इस शीर्षक की कोई कहानी नहीं मिलेगी. दरअसल सभी कहानियों के भावों को यह शीर्षक अभिव्यंजित कर रहा है. यह प्रयोग सराहनीय है.

समीक्षा

पुस्तक : थके पांव से बारह कोस (कहानी संकलन) पेपरबैक संस्करण
लेखक : नीरज नीर
प्रकाशक : ज्ञानगंगा, नई दिल्ली
मूल्य - 300 रुपए

आज की कहानी की यह विशेषता है कि वह अपने समय के सवालों से टकराती है. पात्रों की जिजीविषा को दर्ज करती है. मानवता के पक्ष में खड़ी रहती है. गैर बराबरी को मिटाकर समानता के ध्वज को ऊंचा करना चाहती है. हर तरह की शोषणकारी ताकतों को बेपर्दा करती है. सामाजिक सच्चाइयों को सतह पर लाती है. विघटित जीवन मूल्यों के प्रति चिंता इसमें दिखाई देती है. यह नैतिक सवालों को उठाती है. ये सभी तत्व हम नीरज नीर की कहानियों में पाते हैं. ये कहानियां थके हुए पांवों की पीड़ा का कोरस है. थकन के बावजूद पांव बदस्तूर आगे बढ़ रहे हैं. 'जादूगर और लाल पान की बेगम' संकलन की पहली कहानी है. इसका मुख्य पात्र विहाग अखबार में काम करता है. वह गोपनीय रूप से जादूगर का काम भी करता है. लाल पान की बेगम जादू से संपादक की जेब में स्थान पा जाती है. ठगा जाता है विहान. कहानी में एक वाक्य आता है- 'अखबार की नौकरी में वरिष्ठता की कोई कद्र ही नहीं रह गई है.' यह वाक्य प्रकारांतर से हर विभाग की नौकरी के लिए लागू होता है. कहानी की व्यंजना दूर तक जाती है. 'उजड़े सफर में मेघ मल्हार' कहानी का रेडियो में कार्यरत प्रस्तोता-उद्घोषक अभिनव भी ऐसी ही उपेक्षा का शिकार होता है.

कथाकार ने कई कहानियों में स्त्रियों की अंतहीन पीड़ा को वाणी दी है. 'आपके इंतजार में' कहानी पकड़उआ शादी की समस्या को लेकर बुनी गई है. 'दर्द न जाने कोई' कहानी में एक औरत के दर्द को उकेरा गया है. रमेशर सिंह ढलती उम्र में जमीन बेचकर बंगाल से एक औरत सुनीता को खरीद लाया. अपनी काहिली की वजह से जब भूखों मरने की नौबत आई तो घर छोड़कर भाग गया. कहानी सुनीता के आगे के संघर्ष को शिद्दत से चित्रित करती है. कहानी 'कलंकिनी' भी स्त्री शोषण की कथा है. 'पागलखाना' कहानी की नायिका विभोर से कहती है-"जानते हो बाबू, जो सचमुच पागल हैं, उन्हें तो अपनी स्थिति का अहसास नहीं है, लेकिन जो पागल नहीं हैं या ठीक हो गए हैं, उनकी पीड़ा पर्वत सी है." 'इज्जत' आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर लड़कियों की प्रतिनिधि कहानी है. एक अन्य कहानी 'सात बजे की ट्रेन' की मुख्य पात्र रेणु अकेली संतान है. वह बेंगलुरु में अपने पति के साथ एक अच्छी कंपनी में कार्यरत है. घर पर उसकी मां अकेली छूट जाती है. कहानी इसी समस्या पर आधारित है.

'हाकिम का पाजामा' में एक रोचक फंतासी है. इसमें न्याय के अंधेपन पर तीखा तंज किया है. ताकतवर शक्तियां जिसे चोर घोषित कर दे, वही चोर मान लिया जाता है. सज़ा उस घोषित चोर को ही मिलेगी, भले ही असली चोर का पता चल गया हो. कहानी में कई परतें हैं. 'सतयुग का आगमन' में गणतंत्र के क्रमिक ध्वंस का रूपक रचा गया है. पूरी कहानी में प्रखर व्यंग्य व्याप्त है. एक चोर के जनता के सेवक के रूप में ऊंचा मुकाम हासिल करने की यह दिलचस्प कथा है. 'बहादुर की हथेली' कहानी आज के नफरत के दौर में सांप्रदायिक सद्भाव की बात करने वाले राजीव प्रसाद और उसके मित्र मनोहर सिंह की कहानी है. कहानी में पात्रों के जरिए आज के माहौल का यथार्थ चित्रण है. राजीव प्रसाद एक स्थान पर अपने विचारों से असहमत युवक को समझाते हुए कहते हैं- "भाईचारा और प्रेम के बिना कोई समाज चल नहीं सकता है, मेरे छोटे भाई. चारों ओर नफ़रत और घृणा का माहौल हो, तो न समाज प्रगति कर सकता है और न सुरक्षित रह सकता है. आपसी प्रेम और विश्वास ही वह स्तम्भ है जिस पर देश का भवन खड़ा होता है. इतिहास को खोदने बैठेंगे, तो हमारे हाथ केवल विध्वंस ही लगेगा. इतिहास की कोई सीमा नहीं होती. एक रेखा मिटाएंगे तो दूसरी रेखा आकर खड़ी हो जाएगी."

इस घोर अमानवीय समय के बरक्स 'बकरा मंडी' मानव और पालतू पशु के बीच के संबंधों की मर्मस्पर्शी कहानी को प्रस्तुत करती है. जुम्मन अंसारी को अपना बकरा सुल्तान बेटे से भी ज्यादा प्यारा है. लेकिन मजबूरी में उसे बेचने के लिए जुम्मन को मंडी में जाना पड़ता है.

संकलन की भूमिका वरिष्ठ कथाकार अवधेश प्रीत ने लिखी है. वे लिखते हैं-'किस्सागोई यदि इन कहानियों को आत्मीय बनाती है तो कहन की सादगी चकित करती है. फंतासी और रूपक के प्रयोग से कई कहानियां अपना अभीष्ट पाती हैं.' नीरज नीर की ये कहानियां निश्चित ही इस कथन की तस्दीक कर रही हैं. किताब का कवर आकर्षक और छपाई साफ़-सुथरी है.

उपलब्धियां

नंदा पाण्डेय को वासुदेव प्रसाद स्मृति पुरस्कार

मध्यप्रदेश हिंदी लेखिका संघ की ओर से हर वर्ष दिए जाने वाले कृति पुरस्कारों की घोषणा की गई . संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर कुमकुम गुप्ता ने 2023- 2024 के पुरस्कारों की घोषणा करते हुए बताया कि विभिन्न विधाओं में महिला साहित्यकारों की प्रविष्ठियां आमंत्रित की गई थी. इनमें काव्य विधा में रांची की नंदा पाण्डेय के काव्य-संग्रह 'मनरंगना' का चयन वासुदेव प्रसाद स्मृति पुरस्कार के लिए किया गया है. चयनित सभी साहित्यकारों को 3 मार्च को हिन्दी भवन भोपाल में सम्मानित किया जाएगा.

सारिका भूषण को कविता पांडुलिपी सम्मान

सृजनलोक की ओर से कविता पांडुलिपी सम्मान (2020) के लिए रांची की सारिका भूषण के कविता संग्रह "मौन को मुखर होने दो" को चयनित किया गया है. सृजनलोक प्रकाशन समूह के संपादक और निदेशक संतोष श्रेयांस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह पुरस्कार चेन्नई में आयोजित सृजनलोक सम्मान समारोह में चार मार्च को दिया जाएगा. प्राप्त जानकारी के अनुसार सृजनलोक की ओर से प्रत्येक वर्ष सृजनलोक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है जो कोरोना के कारण कुछ वर्ष स्थगित रहा. इस वर्ष 2021 के लिए भी सम्मान दिए जाएंगे.

अनिता रश्मि को विनोद बिहारी महतो सम्मान

झारखंड साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति (तदर्थ) ने स्मृति सम्मान 2024 की घोषणा कर दी है. समिति ने हिंदी, क्षेत्रीय व जनजातीय साहित्य व संस्कृति पर काम करने वाले लोगों के नामों की घोषणा की है. इसी वर्ष मई माह में सम्मान समारोह का आयोजन होगा.

जयनन्दन को बिरसा मुंडा शिखर सम्मान, अनिता रश्मि को विनोद बिहारी महतो स्मृति सम्मान, कालेश्वर को राधाकृष्ण स्मृति सम्मान, विनय सौरभ को भारत यायावर स्मृति सम्मान व डॉ नीलोत्पल रमेश को डॉ रामदयाल मुंडा स्मृति सम्मान दिया जाएगा. अनिल किशोर सहाय को महेंद्र सिंह स्मृति सम्मान मिलेगा. इनके अलावा डॉ मुकुंद रविदास, आलोका कुजूर आदि भी सम्मानित होंगे.

व्यंग्य >> बर्बरीक

खाली की गारंटी दूंगा, भरे हुए की क्या गारंटी

ग़ज़ब किया जो तेरे वादे पे ऐतबार किया तो हम तो वादों पर बरसों से ऐतबार करते रहे हैं बल्कि आदतन करते रहे हैं. आश्वासन पर भी भरोसा करते रहे हैं. फिर बताया गया कि वादे तो टूट जाते हैं. बहुत सारे गानों ने भी कहा कि वादा तो टूट जाता है. हम जितना कहते कि जो वादा किया है, निभाना पड़ेगा. लेकिन वे कह देते कि वादे तो बड़े भंगुर होते हैं, टूट जाते हैं. धीरे धीरे वादे घिस गए, इन पर यकीन करना मुश्किल होता गया. हर बार भरोसा टूटा. गरीबी हटाने का, महंगाई घटाने का, बेरोजगारी मिटाने का, कर्जा पटाने का, खाते में पंद्रह लाख आने का - सब वादे टूट गए. हम आशिकों की तरह उम्मीद करते रहे कि कभी न कभी कोई न कोई तो आएगा, अपना मुझे बनाएगा, दिल में मुझे बहाएगा. लेकिन हर बार इश्क़ में धोखा ही मिला. वैसे भी इश्क में धोखे का मज़ा ही अलग है. इश्क़ तभी कामयाब माना जाता है जब दिल टूट जाए. आपने कभी ऐसे इश्क़ की कहानी नहीं सुनी होगी जिसमें प्रेमियों की शादी हो गई और आशिक को लौकी धनिया लाते देखा गया.

अब आश्वासन की जगह गारंटी लाई गई है. नया चमकदार शब्द है. हालांकि पहले कंपनियां गारंटी देती थी. अब गारंटी पर से उनका विश्वास नहीं रहा, अब वारंटी देने लगी. लेकिन अब नेता गारंटी देने लगे. सही भी है कि जब खाली हो अंटी तो दे दो गारंटी. कोई पूछ ले कि पहले दो करोड़ रोजगार का वादा था उसका क्या? अरे, भाई, वह तो वादा था, गारंटी थोड़े ही थी. इस बार अलग किस्म का माल है. इसकी गारंटी है. लेकिन हमारे ग्रंथों में तो संसार की ही गारंटी नहीं दी गई है तो... इसलिए तो हम दे रहे हैं. गाना नहीं सुना है -खाली की गारंटी दूंगा भरे हुए की क्या गारंटी. सबकुछ जब खाली हो तो गारंटी दी जा सकती है. गारंटी है कि अभी अस्सी करोड़ लोग पांच किलो अनाज के मोहताज हुए हैं, आगे सवा सौ करोड़ भी इस दायरे में आएंगे. हर जगह मंदिर इकॉनॉमी पर जोर दिया जाएगा ताकि लोग नेताओं से कोई उम्मीद नहीं रखें, सीधे भगवान् से ही मांगें. गारंटी तो पहले भी दी गई थी, तब गारंटी शब्द का प्रयोग नहीं किया गया था. अगर ऐसा नहीं हुआ तो चौराहे पर लाकर वैसा कर देना. अब लोग इतने भी बेगैरत थोड़े ही है कि चौराहे पर इंतज़ार करते. देखिए, अब गारंटी मिली है, फिर कुछ और मिलेगी. इस गारंटी को भुनाकर दो वक्त का भोजन मिल सकता है क्या, पता करना पड़ेगा.

कविता/गज़ल

विद्याभूषण

बीस सुरों का कोरस

सुनो कारीगर!
किस्से अरबों हैं,
शब्द लिखने के लिए ही
यह कागज बना है,
दर्शक दीर्घा से बहस जरूरी है.
कई रोज से रास्ते के बीच
एक छोटी-सी लड़ाई चलती है,
कि रेत की ऊर्वर शिलाएं
बोरसी में आग सुलगा सकती हैं क्या!
यह अंधा युग है:
कोई एक कंठ विषपायी
आत्मजयी भले बन जाये,
वह कागज के फूल नहीं खिला सकता.
खुले हुए आसमान के नीचे
काल सर्प मुर्दा गाड़ी की तरह
सरक रहा है.

प्रारम्भ ही जब इतिहासहंता हो
तो ये सपने ये प्रेत
सदी का साथ छोड़ेंगे कैसे?
नये शिशु का जन्म होता है जिस दिन,
उस दिन फूल नहीं रंग बोलते हैं.
ओ अजन्मा सुनो!
चाहे तुम जितने सबूत पेश करो,
हारे को हरिनाम
संस्मरणारम्भ नहीं बन सकता.
जनता का आदमी कहता है
कि दुनिया रोज बदलती है.

इसी दुनिया में
लकड़बग्घा हंस रहा है
और अंधेरे में
ब्रह्मराक्षस का शिष्य
हरी घास पर क्षण भर टिक कर
समय का रास्ता खोज रहा है.
शहर अब भी संभावना है,
पहाड़ पर लालटेन लेकर
भीतरी नदी की यात्रा
भले तय होती हो,
मगर साये में धूप
संसद से सड़क तक ले जाती है.

एक सूनी नाव कुआनो नदी तक
पहुंच जाती है कभी-कभी,
आत्महत्या के विरुद्ध होना
मुक्तिप्रसंग नहीं है.
बुद्ध और नाच घर की मूर्तियां
या तालाब की मछलियां
जलसा घर में रहती हों भले,
तो भी अकेले कंठ की पुकार को
गंगा तट पर
एक गीत लिखने का मन
हो सकता है,
शायद इसीलिए
किसी को चांद का मुंह टेढ़ा लगता है
और कोई अकाल में सारस ढूंढ़ता है.
कुरुक्षेत्र की माटी में
पके धान की गंध तो है,
लेकिन उदास है पृथ्वी.
आओ, खुली बयार,
शुरुआत तो कभी भी हो सकती है,
मगर विसंगतियों के बीच
चीजों को देख कर
नीम रोशनी में पथराई आंखें
बोल पड़ेंगी-नाटक जारी है.
डायरी के जन्म दिन पर
आदमकद खबरें दर्ज लेंगी,
कवि दर्प सहित कह सकता है
कि पहले मैं सन्नाटा बुनता हूं.
संशय की एक रात
जब लौटेगा वह घर,
दीवारों पर खून से अंकित होंगी
बेरंग बेनाम चिट्ठियां
जारी इतिहास के विरुद्ध
इस यात्रा में जनशक्ति
नंगे पांव का रास्ता नापती हुई
गांव का संवाद दोहरायेगी,
मौसम हुआ कबीर
तो बाइस्कोप का गीत लिखनेवाले
लिक्खेंगे इतिहास,
और टूटता जलबिम्ब देख कर
लगगा कि अब सभाध्यक्ष हंस रहा है.

फिलहाल जंगल खामोश है,
जंगल की आग बेचैनी बढ़ा रही है,
हवा में जहर है,
धूल और धुआं भी,
इसलिए कल सुबह होने से पहले
ईंधन चुनते हुए
आग के आसपास आओ.
टूटा हुआ आदमी
अपनी शताब्दी के नाम
इतिहास का दर्द तुम्हें सौंप देगा,
ताकि खंड-खंड पाखंड पर्व
अगली सदी में अलविदा कहे
और वह आकस्मिक नहीं लगे.

अज्ञाड़ का एक कवि
अंधेरी कविताएं लिखता रहा,
पक गयी धूप के संग
गर्म हवाएं उतरेंगी बबुरी वन में,
अबूतर कबूतर की उड़ान
करेगी कि आकाश विभाजित है
और प्रकृति युद्धरत है.
खिलाफ हवा से गुजरते हुए
वे हाथ होते हैं अबेकस,
तब पैदल चलने वाले पूछते हैं
कि मिट्टी का चेहरा त्रास भीत क्यों है!
हुआ कुछ इस तरह
कि पुल पर पानी है
और तालाब में डूबी छह लड़कियां
प्रार्थना के शिल्प में नहीं कह सकतीं-
मैं हूं, यहां हूं.

बची हुई पृथ्वी कहेगी-
मौसम को हांक चलो,
वरना अदृश्य हो जायेंगी कोमल पतियां,
मगर हरापन नहीं छूटेगा.
बीच का पहाड़ दरकेगा,
कीमत चुकाती जिन्दगी के आग
अपने घर कर रास्ता दिख जायेगा.
बीस सुरों की सदी में
लोहा ठंढा हो रहा है,
इसलिए जागते रहो सोनेवालों,
और पठार को सुनो.
अपने लिए
घर की तलाश में यात्रा
अधूरी रह गयी तो क्या!
एक जन्म में सब कुछ
कहां मिल पाता है सबको!
यहां से देखो,
कविता की आंख
खोज रही है धूप का टुकड़ा
अभी, बिलकुल अभी
महासर्ग गुजरा है,
और कल तुम सुनना मुझे.

(अभिव्यक्ति की जो त्वरा कविता के बतौर पहचानी जाती है, उसके संदेश का दायरा सीमाओं का अतिक्रमण भी करता है. यह कविता हिन्दी मानस के विविध रुझानों को नाटकीय अंदाज में समेटती है. एक सूत्र-संदर्भ यह भी कि इन पक्तियों में शताधिक कविता संकलनों के शीर्षक समाहित हैं.)

मुक्ति शाहदेव

चलो चलते हैं

जहां मिलते हैं
धरती और गगन
गाते हैं पंछी
होकर मगन
जहां बहती है
नदी खामोश
और हवा भी
रहती है मद्धम
थाम कर हाथ
एक दूजे का चलो
जी लेते हैं हम
पूरी एक उम्र
लब चुप हों
और बतियाते हों नयन.
चलो चलते हैं
दूर तक यूं ही
हाथों में हाथ लिए
ना कोई चाह
मंजिल की
ना फिक्र
लौट आने की
चलो, चलते हैं दूर तक
यूं ही.....!

शम्भुनाथ मिस्त्री

कितना कुछ है भरा-भरा

फागुन की फगुनहट चली
पतझर-सा अब माघ झरा.
भीड़ प्रदर्शन-सा कुछ कुछ
धूप लगी तन को दहने,
आलस आया बात सधी
नेता के ढंग-से कहने.
पर कुछ नम थी हवा मृदुल
किसलय-सा मन हुआ हरा.
सारे सूखे पात गिरा
छोड़ आह कुछ ठंडी-सी,
माघ गया मन बना सघन
भरी याद की मंडी-सी;
मौसम का प्रभाव बीता
लगता है कितना गहरा.
कुछ अंकुर में स्वप्न उगे
ले ठेसू-सी सादकता,
मौसम के मदिराने पर
भाव जवाकर ही पकता;
फागुन का यह रंग महल
कितना कुछ है भरा भरा.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

रांची टेस्ट : भारत ने पहली पारी में सात विकेट पर 219 रन बनाए

बशीर की फिरकी में फंसी भारतीय टीम

संवाददाता । रांची

शोएब बशीर (84 रन देकर चार विकेट) और टॉम हार्टली (47 रन देकर दो विकेट) ने भारतीय बल्लेबाजों को अपने स्पिन जाल में फंसाकर इंग्लैंड को चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शनिवार को यहां पहली पारी में बढ़त हासिल करने की ओर अग्रसर किया. भारत ने इंग्लैंड के पहली पारी के 353 रन के जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 219 रन बनाए. इस तरह से भारत अभी इंग्लैंड से 134 रन पीछे है. सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को छोड़कर भारत के युवा बल्लेबाजों को स्पिनरों के लिए अनुकूल पिच से सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई. जायसवाल ने 117 गेंद पर 73 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल है. भारत ने पहले सत्र में कप्तान रोहित शर्मा (02) तथा दूसरे सत्र में शुभमन गिल (38), रजत पाटीदार (17) और रविंद्र जडेजा (12) के विकेट गंवाए. इंग्लैंड की तरफ से दूसरे सत्र में तीनों विकेट बशीर ने लिये. जायसवाल, सरफराज खान (14) और रविचंद्रन अश्विन (01) तीसरे सत्र में पवेलियन लौटे. इससे पहले इंग्लैंड की पारी का आकर्षण जो रूट का शतक रहा. वह 274 गेंद पर 10 चौकों की मदद से 122 रन बनाकर नाबाद रहे. उन्होंने ओली रॉबिंसन (96 गेंद पर 58 रन) के साथ आठवें विकेट के लिए 102 रन की साझेदारी की. भारत की तरफ से जडेजा ने 67 रन देकर चार विकेट लिए. भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ओवर में ही रोहित का विकेट गंवा दिया. अनुभवी जेम्स एंडरसन की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद रोहित के बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर बेन फॉक्स के दस्तानों में समा गई. जायसवाल ने गिल के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी करके भारतीय पारी को संवारने का बीड़ा उठाया. यह दोनों बल्लेबाज सहज होकर बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन 44 रन के अंदर तीन विकेट गंवाने से भारत फिर बैकफुट पर चला गया. गिल शुरू में सतर्कता बरतने के बाद जब अपने नैसर्गिक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे थे तब बशीर की गेंद पर अंपायर ने उन्हें पगबाधा आउट दे दिया. भारतीय बल्लेबाज ने डीआरएस का सहारा भी लिया लेकिन इससे भी कोई फायदा नहीं हुआ. जायसवाल जब 40 रन पर थे तब इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने उन्हें जीवनदान दिया. इस युवा बल्लेबाज ने इसके बाद रॉबिंसन के खिलाफ अपने कदमों का अच्छा इस्तेमाल किया और बशीर पर छक्का भी जमाया. पाटीदार फिर से मौके का फायदा उठाने में असफल रहे. वह बशीर की गेंद पर पगबाधा आउट होने से पहले अपनी पारी के दौरान किसी भी समय सहज नहीं दिखे. जडेजा ने हार्टली पर लगातार दो छक्के लगाए लेकिन बशीर ने अगले ओवर में उन्हें ओली पोप के हाथों कैच करा दिया.

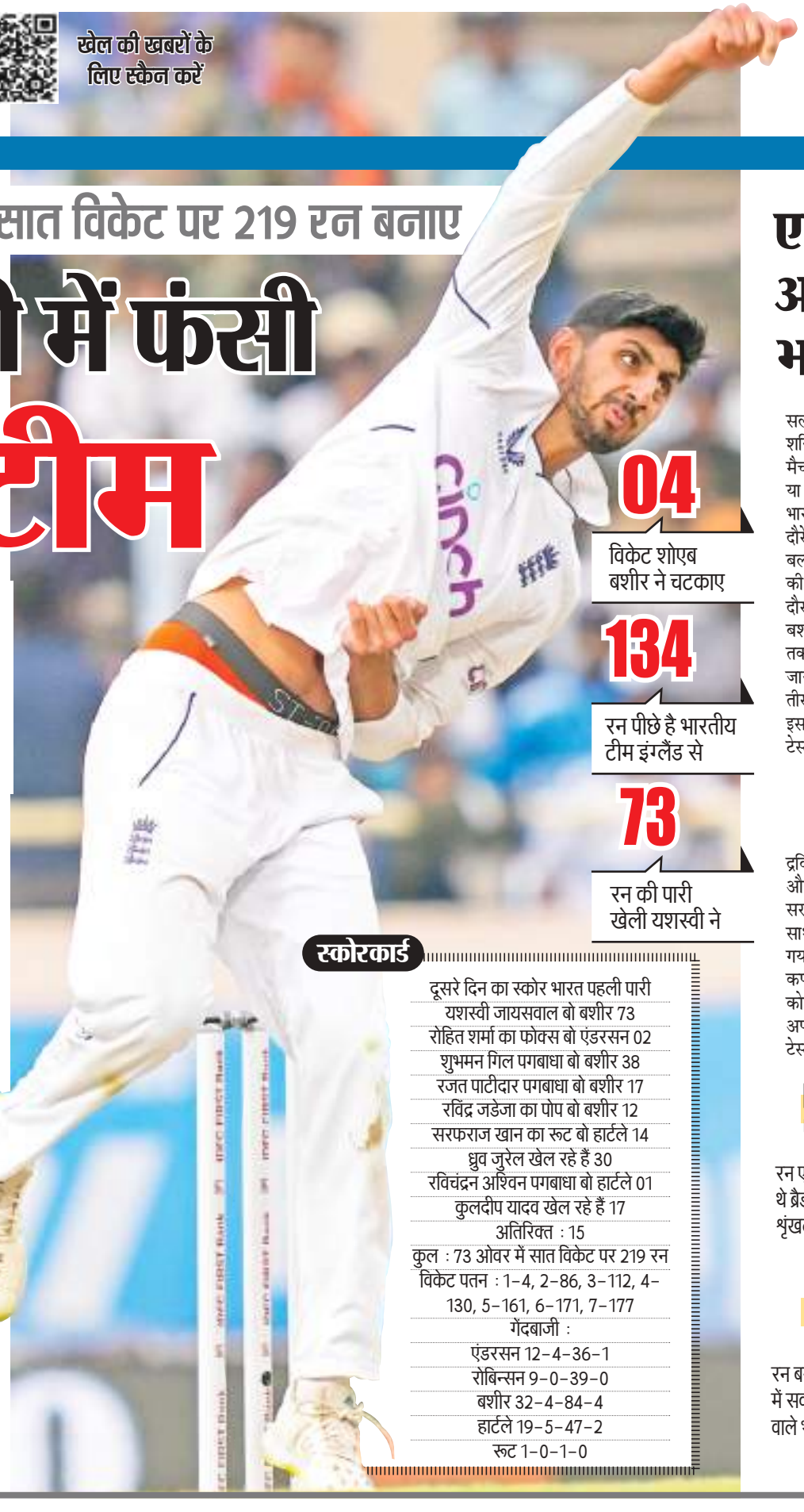

आखिरी सत्र में जुरेल व कुलदीप ने भारत को संभाला

भारत का स्कोर एक समय सात विकेट पर 177 रन था, लेकिन इसके बाद दूसरे दिन के आखिरी सत्र में विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल (58 गेंद पर नाबाद 30) और कुलदीप यादव (72 गेंद पर नाबाद 17) ने दिन के बाकी बचे 17 .4 ओवर में कोई झटका नहीं लगने दिया और भारतीय पारी को संभाला . इन दोनों ने आठवें विकेट के लिए अभी तक 42 रन की साझेदारी की है .

04 विकेट शोएब बशीर ने चटकाए

134 रन पीछे है भारतीय टीम इंग्लैंड से

73 रन की पारी खेली यशस्वी ने

स्कोरकार्ड

दूसरे दिन का स्कोर भारत पहली पारी	
यशस्वी जायसवाल बो बशीर	73
रोहित शर्मा का फोक्स बो एंडरसन	02
शुभमन गिल पगबाधा बो बशीर	38
रजत पाटीदार पगबाधा बो बशीर	17
रविंद्र जडेजा का पोप बो बशीर	12
सरफराज खान का रूट बो हार्टले	14
ध्रुव जुरेल खेल रहे हैं	30
रविचंद्रन अश्विन पगबाधा बो हार्टले	01
कुलदीप यादव खेल रहे हैं	17
अतिरिक्त : 15	
कुल : 73 ओवर में सात विकेट पर 219 रन	
विकेट पतन : 1-4, 2-86, 3-112, 4-130, 5-161, 6-171, 7-177	
गेंदबाजी :	
एंडरसन 12-4-36-1	
रोबिन्सन 9-0-39-0	
बशीर 32-4-84-4	
हार्टले 19-5-47-2	
रूट 1-0-1-0	

एक श्रृंखला में 600 से अधिक रन बनाने वाले पांचवे भारतीय बने यशस्वी

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल शनिवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ चौथे मैच के दूसरे दिन एक टेस्ट श्रृंखला में 600 या इससे ज्यादा रन बनाने वाले पांचवें भारतीय बन गये. पिछले साल वेस्टइंडीज दौरे पर पदार्पण करने वाले बायें हाथ के बल्लेबाज जायसवाल ने मौजूदा पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में अपनी सातवीं पारी के दौरान यह उपलब्धि अंतिम सत्र में शोएब बशीर पर एक रन लेकर नाबाद 55 रन तक पहुंचने के बाद हासिल की..

जायसवाल ने मौजूदा श्रृंखला के दूसरे और तीसरे टेस्ट में दो दोहरे शतक जमाये हैं. इस तरह 22 साल का यह खिलाड़ी एक टेस्ट श्रृंखला में 600 से ज्यादा रन बनाने के कारनामे में भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर, विराट कोहली, राहुल द्रविड़ और दिलीप सरदेसाई के साथ शामिल हो गया. पूर्व भारतीय कप्तान गावस्कर, कोहली और द्रविड़ ने अपने करियर में एक टेस्ट श्रृंखला में दो बार 600 से ज्यादा रन बनाये. वहीं सरदेसाई ने यह उपलब्धि 1970-71 में वेस्टइंडीज में हुई श्रृंखला में हासिल की थी. गावस्कर ने 1970-71 की इस श्रृंखला में ही चार शतक और तीन अर्धशतकों से 774 रन जुटाकर एक टेस्ट श्रृंखला में किसी भारतीय बल्लेबाज का सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया था। गावस्कर ही एकमात्र भारतीय हैं जो एक टेस्ट श्रृंखला में दो मौकों पर 700 से ज्यादा रन जुटा सके हैं.लिटिल मास्टर' ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के भारत दौरे पर चार शतक और एक अर्धशतक से छह टेस्ट में 732 रन बनाये थे. एक टेस्ट श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन के नाम है जिन्होंने 1930 में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट में चार शतकों से 974 रन बनाये थे.

974 रन एक श्रृंखला में बनाए थे ब्रैडमैन ने,जो एक श्रृंखला में सर्वाधिक है

774 रन बनाकर एक श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय हैं गावस्कर

ब्रीफ खबरें

गोल्ड कप : अमेरिका ने अर्जेंटीना को हराया

कार्सन। जेडिन शॉ के दो गोल से अमेरिका ने कोनकाकॉफ महिला गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अर्जेंटीना को 4-0 से शिकस्त दी. अमेरिका ने पहले 20वें मिनट तक 3-0 से बढ़त बना ली थी. उसके लिये 19 साल की शॉ ने 10वें और 18वें मिनट में गोल दागे जबकि अनुभवी एलेक्स मोर्गन ने 19वें मिनट में हेडर के जरिये तीसरा गोल किया. टीम के लिए अंतिम गोल लिंडसे होरान ने 77वें मिनट में पेनल्टी किक पर दागा. अमेरिका अब ग्रुप चरण के अंतिम मैच में सोमवार को मेक्सिको के सामने होगा.

अईपीएल से पहले सवाई मान सिंह स्टेडियम सील

जयपुर । आईपीएल मैच की मेजबानी से एक महीने पहले यहां सवाई मान सिंह स्टेडियम को राजस्थान खेल परिषद द्वारा सील कर दिया गया. परिषद ने दावा किया कि ऐसा इसलिये किया गया है क्योंकि राज्य क्रिकेट संस्था ने बकाया भुगतान सहित अपनी देनदारियों को पूरा नहीं किया है. स्टेडियम के साथ राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के कार्यालय को भी सील कर दिया गया. राजस्थान खेल परिषद ने आरसीए को नोटिस भेजा था कि वे प्रोपर्टी राज्य परिषद को सुपुर्द कर दें लेकिन ऐसा नहीं हुआ.

विश्व चैंपियनशिप: यथीराज प्रमोद व कृष्णा फाइनल में

भाषा । पटाया

भारत के सुहास यथीराज, प्रमोद भगत और कृष्णा नागर पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में अलग-अलग वर्गों के पुरूष एकल फाइनल में पहुंच गए. दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी यथिराज ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी फ्रांस के लुकास माजूर को 21-16, 21-19 से हराया. वह पहली बार एसएल4 पुरूष एकल वर्ग के फाइनल में पहुंचे हैं. लुकास मौजूदा विश्व चैंपियन और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं. कर्नाटक के रहने वाले यथिराज 2007 उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी हैं. वह फिलहाल उत्तर प्रदेश सरकार में युवा कल्याण और प्रांतीय रक्षक दल के महानिदेशक और सचिव हैं.

अब उनका सामना इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान से होगा. एसएल4 वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में सुकांत कदम को सेतियावान ने 21-13, 21-19 से मात दी. पुरूष एकल एसएल3 वर्ग में पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद भगत ने भारत के मनोज सरकार को 23-21, 20-22, 21-18 से हराया. अब वह इंग्लैंड के डेनियल बेथेल से खेलेंगे. बेथेल ने भारत के नीतेश कुमार को 21-18, 20-22, 21-14 से हराया . पुरूष युगल में चिराग बेरेथा और राजकुमार तथा महिला युगल में मनदीप कौर और मनीषा रामदास ने सेमीफाइनल में जगह बनाई. महिला एकल वर्ग में नित्याश्री, पलक कोहली और मनीषा गिरीशचंद्र अपने अपने सेमीफाइनल मुकाबले हार गई, जिससे उन्हें कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा.

पैरालंपिक स्वर्ण विजेता नागर ने विटोर को हराया

एसएच6 वर्ग में पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता नागर ने ब्राजील के विटोर टावारेस को 21-16, 21-17 से हराया . अब वह चीन के लिन नेइली से खेलेंगे . महिला एकल एसयू5 वर्ग में मनीषा रामदास ने फ्रांस की एम लेफोर्ट को 19-21, 21-20, 21-14 से मात दी . अब उनका सामना चीन की यांग कियू शिया से होगा . एसएच6 महिला युगल वर्ग में रचना शैलेशकुमार और नित्या श्री सुमति सिवन भी फाइनल में पहुंच गई .

गुडफेलो क्लासिक के फाइनल में अभय सिंह

नयी दिल्ली । एशियाई खेलों के पदक विजेता भारतीय खिलाड़ी अभय सिंह ने मिस्र के अब्देलरहमान अब्देलखालेक को 3-1 से हराकर टोरंटो में चल रहे गुडफेलो क्लासिक स्क्वाश टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई. शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने इस 9000 डालर इनामी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में मिस्र के खिलाड़ी को 54 मिनट तक चले मुकाबले में 11-5, 6-11, 11-7, 11-6 से हराया. अभय सिंह दूसरी बार पीएसए चैलेंजर टूर के फाइनल में पहुंचे हैं. उन्होंने इससे पहले मुंबई में जेएसडब्ल्यू विलिंगडन का खिताब जीता था.

'डब्ल्यूपीएल अलग शहरों में कराने से बढ़ेंगे दर्शक'

बेंगलुरु । पूर्व भारतीय कप्तान और गुजरात जायंट्स की 'मेंटोर' मिताली राज ने कहा कि महिलाओं की प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को एक से ज्यादा शहर में आयोजित करने से टीमों को नये दर्शक बनाने में मदद मिलेगी और इससे टूर्नामेंट के 'प्रोफाइल' में भी इजाफा होगा. डब्ल्यूपीएल का पहला चरण केवल मुंबई में कराया गया था लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टूर्नामेंट का आयोजन दिल्ली और बेंगलुरु में कर रहा है. मिताली ने कहा कि अगर डब्ल्यूपीएल प्रत्येक शहर में आयोजित होगा तो इससे फ्रेंचाइजी को नये दर्शक बनाने का मौका मिलेगा जो स्टेडियम में आकर उन्हें खेलते हुए देखेंगे.

रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल

मुशीर के दोहरे शतक से मुंबई मजबूत

भाषा । मुंबई

मुशीर खान के नाबाद 203 रन से मुंबई ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल के दूसरे दिन पहली पारी में 383 रन बनाकर स्टंप तक बड़ौदा के 127 रन तक दो विकेट झटक लिये. भार्गव भट्ट ने सात विकेट चटकाये लेकिन मुशीर ने नाबाद दोहरे शतक से मुंबई को पहली पारी में अच्छे स्कोर तक पहुंचाया. इसके बाद मेहमान टीम को मुंबई ने शुरूआती झटके देकर सलामी बल्लेबाज और भारत के अंडर-19 विश्व कप खिलाड़ी प्रियांशु मोलिया (01) और ज्योत्सिनल सिंह (32) के विकेट हासिल किये. शार्दुल ठाकुर ने मोलिया और शम्स मुलानी ने ज्योत्सिनल का विकेट लिया. इससे 23वें ओवर तक बड़ौदा का स्कोर दो विकेट पर 65 रन हो गया पर शाश्वत रावत और कप्तान विष्णु सोलंकी ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए कोई विकेट नहीं गिरने दिया. रावत 69 और सोलंकी 23 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं. लेकिन दिन मुशीर के नाम रहा जिन्होंने अपने प्रथम श्रेणी शतक को बड़े स्कोर में तब्दील किया और मुंबई को पहली पारी में मजबूत स्कोर बनाने की नींव रखी. मुशीर ने 357 गेंद में 18 चौके की मदद से नाबाद 203 रन बनाये. उनका योगदान घरेलू टीम के लिए अहम रहा जिससे टीम एक समय 99 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद 400 रन के करीब पहुंचने में सफल रही. इस 18 वर्षीय दायें हाथ के बल्लेबाज ने विकेटकीपर बल्लेबाज हार्दिक तमोर (57 रन) के साथ आठवें विकेट के लिए 181 रन की साझेदारी निभायी. तमोर ने भी दबाव का अच्छी तरह सामना करते हुए अर्धशतक जड़ा जिसके लिए उन्होंने 248 गेंद खेलीं और केवल तीन चौके जमाये. इससे मुंबई पांच विकेट पर 142 रन के स्कोर से 323 रन तक पहुंचने में सफल रही. भट्ट ने पहले दिन में तीन और विकेट जोड़कर 42.4 ओवर में 112 रन देकर सात विकेट झटके. नाद राथवा ने भी 86 रन देकर तीन विकेट हासिल किये.

383 रन मुंबई की टीम ने पहली पारी में बनाए

02 विकेट पर बड़ौदा ने पहली पारी में 127 रन बनाए

203 रन बनाए मुशीर खान ने

07 विकेट चटकाए भार्गव ने

आंध्र के खिलाफ मध्यप्रदेश की टीम ने की शानदार वापसी

इंदौर। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन से मध्यप्रदेश ने शानदार वापसी करते हुए आंध्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के दूसरे दिन 83 रन की बढत बना ली. पूर्व चैंपियन मध्यप्रदेश ने नौ विकेट पर 234 रन से आगे खेलना शुरू किया और आखिरी विकेट इसी स्कोर पर गंवा दिया. सलामी बल्लेबाज यश दुबे (64) और हिमांशु मंत्री (49) ने पहले विकेट के लिये 123 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरूआत दी थी.आंध्र के लिये केवी शशिकांत ने 37 रन देकर चार विकेट लिये जबकि नीतिश कुमार रेड्डी ने 50 रन देकर तीन विकेट चटकाये. मध्यप्रदेश के गेंदबाजों ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए आंध्र को पहली पारी में 172 रन पर समेट दिया. आंध्र के कप्तान और इस सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले रिकी भुई 53 गेंद में 32 रन बनाकर कुलवंत खेजरोलिया का शिकार हुए. अनुभव अग्रवाल ने 18 ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि लेग स्पिनर कुमार कार्तिकेय को भी तीन विकेट मिले. दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर मध्यप्रदेश ने बिना किसी नुकसान के 21 रन बना लिये थे. दुबे छह रन बनाकर और मंत्री 15 रन बनाकर खेल रहे थे.

टेनिस — विश्व की नंबर वन खिलाड़ी हुईं उलटफेर का शिकार, सीधे सेटों में हारीं

स्वियातेक को हराकर अन्ना दुबई ओपन के फाइनल में

भाषा । दुबई

अन्ना कलिंस्काया ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक को उलटफेर का शिकार बनाकर दुबई ओपन टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया. कलिंस्काया ने बेहतरीन खेल का नजारा पेश किया और स्वियातेक को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से पराजित किया. यह पिछले एक वर्ष में पहला अवसर है जबकि स्वियातेक को सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा. कलिंस्काया पहली क्वालीफायर हैं जिन्होंने शीर्ष 10 में शामिल तीन खिलाड़ियों को हराकर दुबई ओपन के फाइनल में प्रवेश किया. इससे पहले उन्होंने विश्व में नंबर 9 खिलाड़ी येलेना ओस्टापेंको और नंबर तीन कोको गॉफ को हराया था. कलिंस्काया फाइनल में इटली की विश्व में 26वें नंबर के खिलाड़ी जैसमीन पाओलिनी से भिड़ेगी. पाओलिनी ने सेमीफाइनल में सोराना क्रिस्टिया को 6-2, 7-6 (6) से हराया.

- पिछले एक साल में पहली बार सीधे सेटों में हारीं स्वियातेक
- फाइनल में इटली की जैसमीन से भिड़ेंगी अन्ना कलिंस्काया

रियो ओपन : कैमरन नोरी सेमीफाइनल में

रियो डी जनेरियो । गत चैंपियन कैमरन नोरी ने ब्राजील के थियागो सेबोथ वाइल्ड को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में पराजित करके रियो ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया . दूसरी वरीयता प्राप्त नोरी ने वाइल्ड को 6-1, 3-6, 6-2 से हराया . सेमीफाइनल में उनका सामना अर्जेंटीना के मरियानो नवोन से होगा जिन्होंने ब्राजील के जोआओ फोंसेका को 2-6, 6-3, 6-3 से हराया . इससे पहले अर्जेंटीना के दो खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में वह एक दूसरे के आमने-सामने होंगे . चौथी वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने सर्बिया के दुसान लाजोविच को 3-6, 6-4, 6-4 से हराया .

- सेमीफाइनल में मरियानो नवोन से भिड़ेंगे कैमरन नोरी

नागल को दुबई ओपन में मिली वाइल्डकार्ड इंट्री

दुबई । भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल को एटीपी 500 टूर्नामेंट दुबई चैंपियनशिप के मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्डकार्ड मिला है. टूर्नामेंट के क्वालीफायर शनिवार को शुरू हो गये और मुख्य ड्रॉ के मैच सोमवार से आरंभ होंगे. नागल का सामना पहले दौर में इटली के लोरेंजो सोनेगो से होगा जिनकी मौजूदा विश्व रैंकिंग 49 है. इस 26 साल के भारतीय का यह साल शानदार रहा है, उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया था, जिसमें वह कजाखस्तान के एलेक्जैंडर बुबलिक को हराकर दूसरे दौर में पहुंचे थे. वह 1989 के बाद ग्रैंडस्लैम में वरीय खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय बने थे. इस महीने नागल ने करियर की सर्वश्रेष्ठ 98 रैंकिंग हासिल की थी.

रांची विवि. की सावित्री ने रिकर्व में जीता कांस्य

संवाददाता । रांची

शिलांग में 20 से 24 फरवरी तक आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स तीरंदाजी में रांची यूनिवर्सिटी की सावित्री कुमारी ने रिकर्व में कांस्य पदक जीता. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस रांची की तीरंदाज सावित्री कुमारी ने व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य पदक जीता. बता दें कि दीपक कुमार ने टीम स्पर्धा में गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर को हराकर शुक्रवार को स्वर्ण पदक जीता था. झारखंड ने इस प्रतियोगिता में कुल 2 पदक जीते हैं, जिसमें 1 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक शामिल है. दोनों तीरंदाज एवं उनके प्रशिक्षकों को इस शानदार प्रदर्शन के लिए और झारखंड का नाम रोशन करने पर रांची यूनिवर्सिटी के खेल डायरेक्टर चंचल भट्टाचार्य, झारखंड तीरंदाजी संघ के सचिव द्रोणाचार्य पूर्णिमा महतो, सहित अन्य प्रशिक्षको व खेल प्रेमियों ने बधाई दी.

ब्रीफ खबरें

नवादा में 15 लाख रु. का गांजा बरामद

नवादा। नवादा में पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद किया है. ये कार्रवाई नगर थाना क्षेत्र के पुलिस के द्वारा की गई. इस मामले में पुलिस ने एक तस्कर को दबोचा है. उससे लगभग बाजार कीमत का 15 लाख रुपए का गांजा बरामद हुआ है. पुलिस ने बताया कि एक ट्रक जो झारखंड राज्य से नवादा की ओर आ रहा है, जो गया की ओर जा रहा था, उस ट्रक में गिट्टी एवं गांजा लदा हुआ था. संदेह होने पर ट्रक को रुकने का इशारा किया गया. लेकिन ट्रक ड्राइवर, ट्रक को गया की ओर लेकर भागने लगा.

मासूम की हत्या मामले में उम्रकैद की सजा

जमुई। दो साल की मासूम से दरिंदगी के दोषी को अदालत ने कड़ी सजा सुनाई है. कोर्ट ने हत्यारे को अंतिम सांस तक कारावास की सजा सुनाई और 25 हजार का जुर्माना भी लगाया. कोर्ट ने पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपये के मुआवजे के भी निर्देश दिये. 21 मई 2023 को जमुई शहर में कूड़ा चुननेवाले रंजीत माझी ने 2 साल की एक मासूम को घर से उठा लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया. दुष्कर्म के बाद रंजीत ने बच्ची की हत्या भी कर डाली और उसकी लाश को बस स्टैंड के पास फेंक दिया. इस मामले में रंजीत की गिरफ्तारी के बाद लाश बरामद किया गया.

प्रसव के दौरान महिला और नवजात की मौत

मोतिहारी। मोतिहारी के घोड़ासहन थाना क्षेत्र स्थित एक निजी नर्सिंग होम में प्रसव के लिए भर्ती महिला और उसके बच्चे की मौत हो गई. घटना के बाद चिकित्सक और कर्मी फरार हो गए. जिसके बाद मृतका के परिजनों ने जमकर बवाल करते हुए नर्सिंग होम में तोड़-फोड़ की. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस नर्सिंग होम पहुंची और आक्रोशित लोगों को शांत कराया. मिली जानकारी के अनुसार कोटवा थाना क्षेत्र के पोखरा गांव निवासी आलोक सिंह की 23 वर्षीया गर्भवती पत्नी रीमा देवी अपने मायके घोड़ासहन थाना क्षेत्र के भेलवा गांव आई थी.

दो अपराधी गिरफ्तार, एक कार्बाइन, दो बंदूक और गोली बरामद

पटना। पटना पुलिस ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चला रही है. इसी कड़ी में टॉप टेन दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार अपराधियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोली बरामद किया गया है. जिसमें फूलचंद यादव (30) डुमरिया बाढ़ निवासी और दूसरा कुंदन चौधरी (25) आस्थावा जिला नालंदा का रहने वाला है. पुलिस के मुताबिक इनलोगों के पास से एक देसी कार्बाइन, 8 जिंदा कारतूस, 4 देसी कट्टा, 01 रेगुलर पिस्तौल, 5 जिंदा कारतूस, 4 देसी पिस्टल मैगजीन, 6 मोबाइल, 01 लैपटॉप, 01 बाइक, एक आधार कार्ड बरामद किया गया है.

गैस पाइपलाइन के निर्माण को दी मंजूरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने आखिरकार ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन के अपने खंड पर निर्माण कार्य शुरू करने की मंजूरी दे दी है. इससे नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी. अंतरिम सरकार की ऊर्जा पर मंत्रिमंडलीय समिति ने पाकिस्तान के अंदर 80 किलोमीटर के खंड के पहले चरण के लिए कई वर्षों की देरी के बाद मंजूरी दी. पाकिस्तान सरकार ने ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन के अपने खंड पर निर्माण कार्य शुरू करने की मंजूरी दे दी है.

मुंबई हवाई अड्डे पर पांच घंटे फंसे रहे यात्री

मुंबई। एयर मॉरीशस की उड़ान में सवार यात्री शनिवार को मुंबई हवाई अड्डे पर पांच घंटे से अधिक समय तक विमान में फंसे रहे. एक यात्री ने बताया कि बाद में एयरलाइन ने इसे रद्द करने का फैसला किया. उन्होंने कहा कि मुंबई से मॉरीशस के लिए एयर मॉरीशस की उड़ान एमके 749 को सुबह 4.30 बजे प्रस्थान करना था और यात्री 3.45 बजे से विमान में चढ़ गए. यात्री ने आरोप लगाया कि विमान में लगभग 200 यात्री सवार थे. एक 78 वर्षीय यात्री को विमान का एयर कंडीशनिंग सिस्टम काम नहीं करने के कारण सांस लेने में समस्या हो गई थी.

6,134 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को दी मंजूरी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में 6,134 करोड़ रुपये की 27 नई औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी. मुख्य सचिव पी के जेना की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में प्रस्तावों को राज्य सरकार की मंजूरी मिल गई. अधिकारी ने कहा कि मंजूरी पाने वाले क्षेत्रों में एल्यूमीनियम, नवीकरणीय ऊर्जा, विनिर्माण, अंतरिक्ष और रक्षा, खाद्य प्रसंस्करण, परिधान और कपड़ा और आईटी बुनियादी ढांचा शामिल हैं. उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से 42,275 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है.

नये अवतार में नजर आएगा बेगूसराय का सिमरिया धाम

सीएम ने किया 3535 करोड़ की विविध योजनाओं का लोकार्पण

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

बेगूसराय का सिमरिया धाम सुंदरतम स्वरूप के साथ नये अवतार में दिखेगा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को 3535.57 करोड़ रुपये की लागत से गंगा नदी के किनारे सिमरिया धाम स्थल, नव निर्मित सीढ़ी घाट एवम सौंदर्यीकरण का लोकार्पण किया. इसके साथ ही 701 अन्य योजनाओं का लोकार्पण और 393 योजनाओं का कार्यारंभ किया. इस पावन स्थल का जीर्णोद्धार होने से उत्तर बिहार की एक बड़ी आबादी को लाभ होगा. सिमरिया धाम के विकास की योजना के पहले फेज में करीब 250 मीटर लंबाई में सीढ़ी घाट के निर्माण का कार्य को पूरा किया गया है.श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बहुमंजिली धर्मशाला व पूरे क्षेत्र में पौधारोपण के साथ सौंदर्यीकरण से दृश्य नयनाभिराम बन गया है. संपूर्ण कल्पवास मेला क्षेत्र में सड़क और पाथ-वे की छवि देखते बनती है.

श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए कई जा रही बेहतर : श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए लगातार बेहतर व्यवस्था की जा रही है. सिमरिया गंगा तट पर मौजूदा राजेंद्र पुल और उसके दक्षिण में निर्माणाधीन सिक्स-लेन सड़क पुल के बीच दो फेज में कुल लगभग 550 मीटर लंबाई में सीढ़ी घाट एवं रीवर फ्रंट के साथ-साथ चेंजिंग रूम,गंगा आरती का स्थान, घाट के समानांतर नदी में सुरक्षा घेरा, धार्मिक अनुष्ठान के लिए मंडप, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था, धर्मशाला, शौचालय परिसर, पार्क, पार्किंग, पाथ-वे, प्रशासनिक भवन, वाच टावर और प्रकाश की व्यवस्था आदि शामिल है.

धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बनेगा सिमरिया धाम

बिहार और झारखंड वासियों के लिये सिमरिया धाम में सुविधाओं का विकास हो जाने पर यह धार्मिक पर्यटन का एक बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा. यह स्थल रेल और सड़क मार्ग से जुड़ा है. यहां पर्यटन का विकास होने पर आसपास के इलाके में होटल और परिवहन सहित कई तरह के कारोबार एवं रोजगार के अवसर पैदा होंगे. कुल मिलाकर यह योजना मिथिला सहित संपूर्ण बिहार के लोगों के लिए एक बड़ा तोहफा साबित होगा.

सिमरिया धाम का है काफी धार्मिक महत्व

सिमरिया धाम आस्था का एक बड़ा केंद्र है. यहां सिर्फ बिहार नहीं, बल्कि झारखंड से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पधारते हैं. उत्तरवाहिनी गंगा होने के कारण इसका धार्मिक महत्व काफी अधिक है. हर साल कार्तिक मास में यहां कल्पवास मेले की परंपरा सदियों से चली आ रही है. सरकार का प्रयास है कि पावन सिमरिया धाम को मुख्य गंगा नदी के किनारे सबसे सुंदर तीर्थ के रूप में विकसित किया जाये. हरिद्वार स्थित 'हर की पौड़ी' गंगा नदी की मुख्य धारा के किनारे नहीं,बल्कि इसकी शाखा के किनारे निर्मित है. सिमरिया कल्पवास मेले को एक दशक से अधिक से राजकीय मेला का दर्जा प्राप्त है.

पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे लोकार्पण

बिहार के 33 रेलवे स्टेशनों का जल्द होगा पुनर्विकास

संवाददाता। पटना

पूर्व मध्य रेलवे के 38 स्टेशनों को एयरपोर्ट के तर्ज पर बनाने का फैसला लिया गया है. यात्रियों की बढ़ती भीड़ और सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुनर्विकास का फैसला लिया गया है. पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने इसकी जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि पूर्व मध्य रेल के पांच मंडल के अंतर्गत कुल 38 स्टेशनों का 3029 करोड़ रुपये की लागत से कायाकल्प होगा. दरअसल, सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पूरे देश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 554 से अधिक स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास तथा देश भर के 1585 से अधिक नवनिर्मित रोड ओवर ब्रिज और आरयूबी, एलएचएस का लोकार्पण करेंगे. बता दें कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इन स्टेशनों पर आवश्यकतानुसार स्टेशन भवन, प्रवेश एवं निकास द्वार, फुटओवर ब्रिज, कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया, पार्किंग, दिव्यांग सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, आदि का विकास कार्य किया जाएगा.

गया में बैंक से लौट रहे किसान से 5 लाख लूटे

गया। गया में अपराधियों ने एक किसान के 5 लाख कैश की छिनतई कर ली. घटना की शिकायत थाने में की गई है. पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है. जानकारी के अनुसार यह घटना विष्णुपद थाना क्षेत्र अंतर्गत हुई है. गया जिले के बोधगया प्रखंड के परेवा गांव के रहने वाले किसान बैजू यादव ने स्टेट बैंक आफ इंडिया के मुख्य ब्रांच से 5 लाख कैश की निकासी की थी. बाइक के हैंडल में रुपए से भरा बैग टंगा था. इसी बीच विष्णुपद थाना अंतर्गत बाईपास के समीप पल्सर बाइक से ओवर ट्रैक करते दो अपराधी आए और झपट्टा मारकर रुपए भरा थैला छीन लिया. रुपयों से भरा थैला छीनने के बाद अपराधी भागने में सफल हो गए.

जन विश्वास यात्रा : एक मौका मिलना चाहिए, तेजस्वी बोले-

लालू नहीं झुके, हम भी नहीं झुकेंगे

संवाददाता। गया

जन विश्वास यात्रा के तहत शनिवार को पूर्व उप मुख्यमंत्री सह नेता विरोधी दल तेजस्वी यादव गया पहुंचे. उन्होंने यहां लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उप मुख्यमंत्री रहते लाखों नौकरी देने का काम किया लेकिन एक मौका मिला तो हरेक नौजवान के भविष्य को सुनहरा करेंगे. तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा वालों ने दो लोगों को डिप्टी सीएम बनाया है. तीन साल में तीन बार नीतीश कुमार शपथ ले रहे हैं.

सरकार हटी तो ईडी से जांच कराई जा रही है. भाजपा डराना चाहती है लेकिन जब लालू नहीं झुके तो उनका लड़का भी नहीं झुकेगा. तेजस्वी ने आग्रह करते हुए कहा कि पटना के गांधी मैदान में तीन मार्च को एकजुट होकर आइए. बीजेपी को भगाना है. एक बार राजद को मौका दीजिए.

तेजस्वी ने कहा कि जो भरोसा और प्यार राजद पर आप लोगों ने जताया था इसके लिए वह आभारी हैं. हम आपका विश्वास लेने आए हैं. आज से यह लड़ाई छिड़ गई है और हम आपकी लड़ाई लड़ने आए हैं. तेजस्वी आपके लिए मर-मिटने को तैयार रहेगा. नया बिहार बनाना है. रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा, कारखाना आदि बेहतर हो इसमें हम लगे हैं. तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें 10 से 12 सीट बेईमानी कर हरा दिया गया.

विजय सिन्हा ने किया मेले का उद्घाटन

समस्तीपुर। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पूसा स्थित राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कृषि मेला का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर शनिवार को किया. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्मारिका का विमोचन किया. इसके बाद उन्होंने मेले में विभिन्न स्टॉल तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया. उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने विश्वविद्यालय के कार्य की सराहना की तथा प्रांतीय एवं केंद्रीय सरकार के किसानों के लिए किए जा रहें कार्य की जानकारी दी.

उप मुख्यमंत्री की गाड़ी के आगे छात्रा ने लगाई छलांग

संवाददाता। पटना

राजधानी के गांधी मैदान स्थित बिस्कोमान भवन के पास उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की गाड़ी के आगे एक छात्रा ने शनिवार को छलांग दी, जिससे वह बेहोश होकर सड़क पर गिर गई. गाड़ी के चालक ने तुरंत ब्रेक लगा दी और हादसा टल गया. इसके बाद सम्राट चौधरी गाड़ी से बाहर निकले तो देखा कि छात्रा फूट-फूट कर रो रही थी. वहां मौजूद छात्र चीख-चीख कर कह रहे थे कि सर एक मौका दे दीजिए. छात्र-छात्राओं का कहना था कि एसटीईटी परीक्षा नहीं लिए जाने के कारण टीआरई की परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो पाए हैं. इसलिए उन्हें मौका दिया जाए. गांधी मैदान के पास एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी लौट रहे थे. इस बीच बिस्कोमान भवन के पास उनके कारकेड को देख प्रदर्शनकारी छात्र-छात्राओं ने गाड़ी को रोकने की कोशिश की. इस दौरान एक छात्रा डिप्टी सीएम की कार के सामने छलांग लगा दी. इसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गयी.

युवक ने दो को मारी गोली, घायल

संवाददाता। पटना

पटना के पीरबहोर थाने से कुछ ही दूरी पर शुक्रवार देर रात बीच सड़क पर दो लोगों को गोली मार दी गयी. एक को सीने में और दूसरे को बांह में गोली लगी है. वहीं एक युवक बाल-बाल बच गया. घायल युवकों की पहचान सब्जीबाग निवासी सनी और सद्दाम के रूप में हुई है. बताया जाता है कि आपसी विवाद को लेकर फायरिंग की गयी है. राजधानी के बीच सड़क पर फायरिंग की खबर से इलाके में दहशत फैल गयी है. गोली की आवाज सुनकर आस-पास के लोग वहां जुट गये. स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया और पुलिस को भी घटना की जानकारी दी.

बात करते-करते युवकों के बीच हो गया झगड़ा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, चंबल घाटी इलाके में शुक्रवार देर रात कई युवक मौजूद थे. किसी बात को लेकर उनके बीच झगड़ा हो गया. बात इतनी आगे बढ़ गयी कि सभी युवक मारपीट करने लगे. इसी बीच दो युवकों ने हथियार निकालकर गोलीबारी शुरू कर दी. इस गोलीबारी में सनी को सीने में और सद्दाम को बांह में गोली लग गयी. वहीं गुड्डू नाम का शख्स बाल-बाल बच गया. गोली की आवाज सुनकर आस-पास के लोग वहां जुट गये. आनन-फानन में घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया. घटना की सूचना पाकर टाउन डीएसपी अशोक सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच की.

कारोबार

एलन मस्क ने एक्समेल के अपकमिंग लॉन्च की पुष्टि की, गूगल की जीमेल सर्विस को देगी टक्कर

आ रहा है एक्समेल नाम का एक प्रोडक्ट

भाषा। नयी दिल्ली

ट्विटर को खरीदने के बाद अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क इस क्षेत्र में अपना कारोबार बढ़ाने में लगे हैं. इसी के तहत मस्क अब जीमेल को टक्कर देने की तैयारी कर रहे हैं. खुद मस्क ने एक यूजर के सवाल का जवाब देते हुए इस बात की जानकारी दी. चैट जीपीटी का अपना वर्जन जारी करने के बाद, एलन मस्क ने एक्समेल के अपकमिंग लॉन्च की पुष्टि की है, जो सीधे गूगल की जीमेल सर्विस को टक्कर देगी. अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बातचीत में मस्क ने कहा कि 'एक्समेल' नाम का एक प्रोडक्ट आ रहा है. मस्क ने यह घोषणा तब की जब सोशल मीडिया पर एक फेक इमेज वायरल हो गई, जिसमें दावा किया गया कि जीमेल बंद होने वाला है. मस्क ने अपनी अपकमिंग एक्समेल सर्विस के बारे में ज्यादा डिटेल्स नहीं दी है. इसलिए फिलहाल इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि इसे कब एक्सेस किया जा सकेगा. हालांकि इसे एक्स ऐप में जोड़े जाने की उम्मीद है. यह पुष्टि तब हुई जब एक्स की सिक्योरिटी इंजीनियरिंग टीम के एक सीनियर मेंबर नाथन मैक्ग्राडी ने पोस्ट में कहा कि हम एक्समेल कब बना रहे हैं? जिसके जवाब में मस्क ने कहा कि ये आ रहा है. कहा जा रहा है कि एक्समेल के आने से ईमेल सर्विस के क्षेत्र में एक बड़ी उथल-पुथल देखने को मिल सकती है.

वहीं सोशल मीडिया पर अपने संभावित प्रतिद्वंद्वी की चर्चा को देखते हुए गूगल के जीमेल ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी. इशारों ही इशारों में एलन मस्क को जवाब देते हुए जीमेल ने एलन मस्क के एक्स प्लैटफॉर्म पर लिखा कि जीमेल यहीं टिक कर रहने वाला है. बता दें कि एक्स पर एक वायरल पोस्ट जिसमें दावा किया गया था कि जीमेल बंद हो जाएगा. जिससे लोगों परेशान हो गए. पोस्ट में एक स्क्रीनशॉट था, जिसमें लिखा था कि 'गूगल जीमेल को खत्म कर रहा है', जो आग की तरह इंटरनेट पर फैल गया. मैसेज में कहा गया है कि सालों तक दुनियाभर में लाखों लोगों को जोड़ने, निर्बाध कम्युनिकेशन को सक्षम करने और अनगिनत कनेक्शनों को बढ़ावा देने के बाद, जीमेल की यात्रा समाप्त हो रही है. 1 अगस्त, 2024 तक, जीमेल आधिकारिक तौर पर बंद हो जाएगा, जो इसकी सर्विस के अंत का प्रतीक होगा. इसका मतलब है कि इस तारीख से, जीमेल अब ईमेल भेजने, प्राप्त करने या स्टोर करने का सपोर्ट नहीं करेगा. हालांकि एलन मस्क के साथ पिछली घटनाओं को देखते हुए इस बात पर विश्वास किया जा सकता है कि वह सच में जीमेल का विकल्प लेकर आ रहे हैं. मस्क पहले भी चुपचाप किये गए रिप्लाई के माध्यम से कई बड़ी चीजों का पूर्व संकेत देते रहे हैं. बता दें कि एलन मस्क पहले भी एक्स को ट्विटर यानी एक्स को एक एवरीथिंग एप बनाने का प्लान जाहिर कर चुके हैं. एक्स की नयी सीईओ लिंडा याकारिनो भी इस बात पर अपनी मुहर लगा चुकी हैं. ऐसे में अब टेक जगत में नयी अटकलों और संभावनाओं को जगह मिल गई है कि एलन मस्क एक्समेल के रूप में जीमेल का विकल्प तैयार कर रहे हैं.

इस बीच, एक एक्स यूजर ने कमेंट किया कि जीमेल से भरोसा उठ गया है. जल्द से जल्द एक्समेल पर स्विच करने का समय आ गया है! एक अन्य ने कहा कि मैं अपने जीमेल का उपयोग उसी तरह करूंगा जैसे मैं अब अपने हॉटमेल का उपयोग जंक के लिए करता हूं.

मिलेगा विकल्प

- मस्क ने एक्समेल के बारे में ज्यादा डिटेल्स नहीं दी है.
- गूगल ने कहा कि जीमेल यहीं टिक कर रहने वाला है
- एक्समेल के रूप में तैयार हो रहा जीमेल का विकल्प

वित्त मंत्री सीतारमण ने बिट्स पिलानी के नए परिसर का किया उद्घाटन

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को बिड़ला समूह द्वारा संचालित इंजीनियरिंग संस्थान बिट्स पिलानी के पांचवें परिसर का उद्घाटन किया. इसके साथ ही प्रतिष्ठित संस्थान में प्रबंधन और डिजाइन का पाठ्यक्रम भी शामिल हो गया है. समूह के चेयरमैन और संस्थान के कुलाधिपति कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि महानगर के नजदीक कल्याण क्षेत्र में स्थित 60 एकड़ में फैले 1,600 करोड़ रुपये के इस परिसर की पूरी क्षमता 5,000 छात्रों की है. साल 1964 में राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में बिड़ला के पैतृक गांव पिलानी में शुरू हुए इस संस्थान के पांच परिसरों- पिलानी, गोवा, हैदराबाद, दुबई और कल्याण में 80,000 छात्र पढ़ते हैं. नया परिसर इंजीनियरिंग के अपने मुख्य क्षेत्र से हटकर कानून, प्रबंधन और डिजाइन पर केंद्रित है. डिजाइन स्कूल पिछले सप्ताह ही शुरू किया गया है, जबकि कानून और प्रबंधन स्कूल पिछले साल से पवई में अस्थायी परिसर में संचालित थे. नए परिसर को संचालित घोषित करते हुए सीतारमण ने कहा कि संस्थान ने 'फॉर्च्यून 500' में 7,300 मुख्य कार्यपालक अधिकारी, वैश्विक ख्याति के 300 शिक्षाविद और 600 सिविल सेवक दिए हैं.

एक्सपडाइट्स फाउंडेशन ने चलाया बीमा जागरुकता अभियान

संवाददाता। खूंटी

एक्सपडाइट्स वर्कर्स फाउंडेशन ने शुक्रवार को बीमा जागरुकता अभियान चलाया. एक्सपडाइट्स वर्कर्स फाउंडेशन खूंटी के प्रयास से आईआरडीए द्वारा चलाये जा रहे स्टेट इंश्योरेंस प्लान के तहत मैग्मा एचडीआई इंश्योरेंस कंपनी के द्वारा इंश्योरेंस फॉर आल विजन के साथ बीमा जागरुकता अभियान चलाया गया. जिसके तहत लोगों को बीमा उत्पाद एवं क्लेम सम्बंधित जानकारी से अवगत कराया गया. कार्यक्रम में मैग्मा एचडीआई इंश्योरेंस कंपनी से आय पर सचिन कुमार ने जीवन बीमा के महत्व के बारे में बताया. वहीं एक्सपडाइट्स वर्कर्स फाउंडेशन खूंटी के प्रतिनिधि रोबिन कुमार ने कहा कि बीमा बचत के साथ्-साथ सुरक्षा प्रदान करने का एक साधन है. कार्यक्रम में गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस कंपनी से अंजलि दुबे, मैग्मा एचडीआई इंश्योरेंस कंपनी से शिवानी सिंह, समाज कल्याण के प्रतिनिधि शिवाजी प्रसाद एवं समशुदीन अंसारी के द्वारा भी जानकारी दी गई. इस दौरान पारा लीगल के वोलेंटियर एवं खूंटी के पुरुष एवं महिलाओं ने इंश्योरेंस से सम्बंधित अपनी-अपनी जानकारी साझा की. मैग्मा एचडीआई के अधिकारी सचिन कुमार ने बताया कि खूंटी जिला में ब्लाक स्तर पर भी बीमा जागरुकता अभियान चलाया जायेगा.

लिस्टिंग अगले हफ्ते मिलेंगे कमाई के कई मौके, निवेशक कर सकते है बड़ी कमाई

3 कंपनियों के खुलेंगे आईपीओ, विभोर की होगी लिस्टिंग

मुंबई।एजेंसी

आईपीओ में निवेश करने वालों के लिए अगला हफ्ता काफी व्यस्त रहने वाला है. कम से कम 3 कंपनियों के इनीशियल पब्लिक ऑफर अगले सप्ताह खुलने को तैयार हैं. इन आईपीओ के माध्यम से निवेशक अच्छी कमाई कर सकते हैं. इसमें से 2 आईपीओ मेनबोर्ड रूट के जरिए लॉन्च किए जाने वाले हैं, जबकि एक एसएमई आईपीओ है. इसके अलावा अगले हफ्ते 20 फरवरी को विभोर स्टील ट्यूब्स की लिस्टिंग होने वाली हैं. जिन निवेशकों ने विभोर स्टील ट्यूब्स के आईपीओ के लिए बोली लगाई है, उनकी लिस्टिंग पर नजर रहेगी. जानिए अगले हफ्ते कौन से आईपीओ लांच होने वाले हैं.

लग्जरी होटल बनाने वाली जूनिपर होटल्स का आईपीओ 21 को खुलने वाला है. यह निवेश के लिए 23 फरवरी तक खुला रहेगा. जूनिपर होटल्स के इस आईपीओ के तहत सिर्फ नए शेयर ही जारी होंगे यानी मौजूदा शेयर होल्डर्स ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत शेयर नहीं बेचेंगे. हयात चेन की कुछ प्रॉपर्टीज चलाने वाली जुनिपर होटल्स ने 1800 करोड़ के आईपीओ के लिए 342-360 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है. शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये है. आईपीओ के लिए लॉट साइज 40 शेयरों का निर्धारित किया गया है. इसका मतलब है कि आईपीओ में निवेश करने वालों को कम से कम 14400 रुपये का निवेश करना होगा. अगले सप्ताह लांच होने वाला दूसरा शेयर है जीपीटी हेल्थकेयर लिमिटेड. जीपीटी हेल्थकेयर का आईपीओ 22 फरवरी को खरीदने के लिए उपलब्ध होगा. यह कंपनी आईएलएस हॉस्पिटल ब्रांड के तहत मीडियम साइज के मल्टी स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल चलाती है.

298.86 गुना ओवर-सब्सक्राइब हुआ विभोर ट्यूब्स का आईपीओ

विभोर स्टील ट्यूब्स का आईपीओ आखिरी दिन तक 298.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था. सभी कैटेगरी में इस आईपीओ पर निवेशकों ने अच्छी प्रतिक्रिया की. इसे कुल 107 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिल गई है, जबकि ऑफर पर 35.92 लाख शेयर हैं. आईपीओ के लिए 141-151 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड रखा गया था. अब 20 फरवरी को लिस्टिंग के बाद पता चलेगा कि इस आईपीओ ने निवेशकों को कितना लाभ कराया.

खेतान इंडिया लिमिटेड

डिस्ट्रीब्यूटर व डीलर मीट संपन्न

संवाददाता। रांची

खेतान इंडिया लिमिटेड का डिस्ट्रीब्यूटर और डीलर मीट रांची के दलादिली होटल एलएमटी में आयोजित किया गया. इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के सुपर डिस्ट्रीब्यूटर शशि प्रकाश, जोनल हेड शमीम अहमद, स्टेट हेड सुब्रत दत्ता व सारिक मुजम्मिल मौजूद थे. कार्यक्रम में वितरकों को संबोधित करते हुए शमीम अहमद ने कहा कि खेतान एक ऐसी कंपनी है,जो लोगों को अच्छे प्रोडक्ट देना जानती है. खेतान के प्रोडक्ट पंखे, गीजर, कूलर और केबल वायर दूसरी कंपनियों से कई गुना बेहतर हैं. उन्होंने कहा कि कंपनी बंगाल, झारखंड, बिहार, ओडिशा में अच्छा काम कर रही है, जल्द छत्तीसगढ़ में इसकी शुरुआत की जाएगी. मौके पर डिस्ट्रीब्यूटर और कंपनी के अधिकारियों ने एक दूसरे से आइडिया साझा किया. डिसटीब्यूटरों की मन की बात कंपनी के पदाधिकारी ने सुना. खेतान झारखंड के सुपर डिस्ट्रीब्यूटर शशि प्रकाश ने कहा कि जल्द डिस्ट्रीब्यूटर और डीलरों का सम्मान समारोह रांची में आयोजित किया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

ईरान ने आतंकी कमांडर शाह बख्श को मार डाला

तेहरान । ईरान ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी इस्माइल शाह बख्श और उसके कुछ साथियों को मार गिराया है. ईरान की इस कार्रवाई से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की आशंका है. ईरान इंटरनेशनल इंग्लिश ने अपनी रिपोर्ट यह जानकारी दी. ईरान के सरकारी मीडिया ने अपने एक्स हैंडल में ईरान के सैन्य बलों की पाकिस्तान के खिलाफ की गई इस कार्रवाई का ब्यौरा साझा किया है. ईरान के सैन्य बलों ने पाकिस्तान क्षेत्र में जैश अल-अदल के आतंकवादी ग्रुप कमांडर इस्माइल शाह बख्श को ढेर कर दिया.

इमारत में आग लगने से 15 की मौत, 44 झुलसे

बीजिंग । चीन के जियांग्सू प्रांत की राजधानी नानजिंग में एक आवासीय इमारत में आग लगने से 15 लोगों की मौत हो गई और 44 अन्य व्यक्ति झुलस गए. झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. चीन के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने घटना का विवरण देते हुए प्रांतीय अधिकारियों के हवाले से कहा है कि आग लगने के कारणों की जांच के लिए टीम बनाई गई है. ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, इस आवासीय इमारत में शुक्रवार सुबह 4:39 बजे आग लगी. प्रारंभिक विश्लेषण में साफ हुआ है कि आग इमारत के अंदर खड़ी इलेक्ट्रिक साइकिलों के कारण लगी.

नेपाल के विदेशमंत्री जाएंगे अयोध्या

काठमांडू । नेपाल के विदेशमंत्री एनपी साउद भगवान रामलला के दर्शन करने के लिए शनिवार को नई दिल्ली से अयोध्या जाएंगे. रायसीना डायलॉग में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंचे साउद तीन दिन की भारत यात्रा के आखिर में दोपहर अयोध्या पहुंचेंगे. उनके साथ उनकी पत्नी भी होंगी. विदेशमंत्री सुबह 11 बजे दिल्ली से प्रस्थान कर दोपहर करीब 12 बजे अयोध्या पहुंचेंगे. महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर उत्तर प्रदेश के मंत्री व वरिष्ठ अधिकारी उनका स्वागत करेंगे. यहां से वह सीधे राम मंदिर के लिए रवाना होंगे. अपनी पत्नी ज्योत्सना साउद के साथ वह विशेष पूजा करेंगे.

दो मार्च तक सरकार के गठन की संभावना

इस्लामाबाद । सत्ता साझा करने संबंधी समझौते के बाद पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी दो मार्च तक गठबंधन सरकार बनाने और नौ मार्च से पहले राष्ट्रपति चुनाव कराने की योजना बना रही हैं. मीडिया की एक खबर में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई. पीएमएल-एन को पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी की पीपीपी का समर्थन मिलेगा. ये दोनों दल आठ फरवरी को हुए चुनाव के बाद मिलकर नयी सरकार बनाने पर सहमत हुए हैं. पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ (72) के एक बार फिर से शीर्ष पद संभालते नजर आएंगे.

यूक्रेन ने एक और विमान को मार गिराया

कीव । यूक्रेन के वायु सेना प्रमुख ने कहा कि सेना ने शुक्रवार को रूस को करारी शिकस्त देते हुए उसके एक विमान को मार गिराया है. जनरल मायकोला ओलेशचुक ने रूसी ए-50 विमान को मार गिराने में मदद करने के लिए यूक्रेन के सैन्य खुफिया विभाग का आभार व्यक्त किया. यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि यहां युद्ध पर चर्चा हो रही थी उस वक्त एक हवाई हमला हुआ और दक्षिणी बंदरगाह शहर ओडेसा में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया.

कोटा में छात्र ने की खुदकुशी की कोशिश

कोटा । शिक्षा नगरी कोटा में कोचिंग स्टूडेंट सुसाइड के मामले चिंताजनक है. 2024 के दो महीने भी नहीं हुए और पांच स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं जबकि 6 स्टूडेंट्स सुसाइड करने की कोशिश कर चुके हैं. अब कोटा में एक और स्टूडेंट का सुसाइड करने की कोशिश का मामला सामने आया है. छात्रा पिछले 2 साल से कोटा में नीट की तैयारी कर रही है. पहले नस काटी, फिर पंखे पर लगाया फंदा मामला कोटा कुंन्हाडी थाना क्षेत्र लैंडमार्क सिटी बताया जा रहा है. जहां शुक्रवार (23 फरवरी) को कोचिंग की छात्रा ने आत्महत्या करने की कोशिश की.

उप्र में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दूसरे चरण में प्रियंका गांधी भी रहीं मौजूद

देशभक्त नफरत की नहीं, मोहब्बत की दुकान चलाते हैं : राहुल

भाषा। मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का दूसरा चरण शनिवार को मुरादाबाद से शुभारंभ हुआ. राहुल के साथ उनकी बहन एवं पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी यात्रा में शामिल हुईं. न्याय यात्रा में कांग्रेस के साथ ही गठबंधन सहयोगी समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी भी मौजूद रहे. इस अवसर पर मौजूद लोगों को राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत पार्टी के कई प्रमुख नेताओं ने संबोधित किया. राहुल ने भाजपा पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि देशभक्त नफरत की

नहीं, मोहब्बत की दुकान चलाते हैं. नफरत हमेशा मोहब्बत से कटती है. हमें संकल्प लेना चाहिए कि इस देश में हम नफरत को नहीं फैलने देंगे. उन्होंने कहा कि देश की 90 प्रतिशत जनता में दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक शामिल हैं लेकिन देश की बड़ी कंपनियों के मालिक इन 90 प्रतिशत लोगों में से नहीं हैं. उन्होंने कहा कि जैसे हड्डी टूटने पर पहले चरण में हाथ का एक्सरे कराया जाता है वैसे ही इन 90 प्रतिशत लोगों की सभी जगह भागीदारी हो इसके लिए प्रथम चरण में जातिगत जनगणना आवश्यक है.

मुरादाबाद की बहू प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि जब तक आप बदलाव नहीं लाएंगे तब तक आपकी स्थिति नहीं बदलेगी. बदलाव तब आएगा, जब आप अपनी परिस्थिति को समझ कर वोट करेंगे. उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में किसानों के कर्ज माफ नहीं होते हैं, सिर्फ बड़े-बड़े उद्योगपतियों के कर्ज ही माफ होते हैं. इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल एवं संजय कपूर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद, महानगर अध्यक्ष अनुभव मेहरोत्रा आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे.

कासगंज में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी

हादसे में सात बच्चों समेत 24 लोगों की मौत, 18 हुए घायल

भाषा। कासगंज (उप्र)

कासगंज जिले के पटियाली थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह गंगा स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पटियाली-दरियावगंज मार्ग पर एक पोखर में पलट गयी जिससे सात बच्चों और आठ महिलाओं समेत 24 लोगों की मौत हो गयी और 18 यात्री घायल हो गये. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा शोक प्रकट करते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपये आर्थिक सहायता देने का निर्देश

दिया है. पुलिस महानिरीक्षक शलभ माथुर ने शनिवार को बताया कि वह मंडलायुक्त के साथ मौके पर जा रहे हैं. ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार श्रद्धालु एटा के जैथरा से कासगंज में गंगा स्नान करने जा रहे थे तभी पटियाली-दरियावगंज मार्ग पर ओवरटेक करने के चक्कर में संतुलन बिगड़ गया. उन्होंने कहा कि जल्द पोस्टमार्टम कराकर शवों को परिजनों को सौंप दिया जाएगा.

मोदी ने दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना का किया उद्घाटन, बोले-

देश भर में हजारों वेयरहाउस और गोदाम बनाए जाएंगे

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) में अनाज भंडारण के लिए 11 गोदामों का उद्घाटन किया. ये गोदाम सहकारी क्षेत्र में सरकार की दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना का हिस्सा हैं. इस योजना के तहत 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश शामिल है. मोदी ने गोदामों और अन्य कृषि बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए देश भर में अतिरिक्त 500 पैक्स की आधारशिला भी रखी. इन पहलों का मकसद नाबार्ड और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) की मदद से पैक्स गोदामों को खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला के साथ निर्बाध रूप से जोड़ना है. प्रधानमंत्री ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सहकारी क्षेत्र एक लचीली अर्थव्यवस्था को आकार देने और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति देने में सहायक है. उन्होंने कहा, आज हमने अपने किसानों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी भंडारण योजना शुरू की है. इसके तहत देश भर में हजारों वेयरहाउस और गोदाम बनाए जाएंगे.' उन्होंने कहा कि इसके तहत 700 लाख टन भंडारण क्षमता बनाई जाएगी. मोदी ने सहकारी क्षेत्र से आग्रह किया कि वे खाद्य तेलों और उर्वरकों सहित कृषि उत्पादों के लिए आयात निर्भरता कम करने में मदद करें. उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि देश में भंडारण बुनियादी ढांचे की कमी के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है.

पहले की सरकार ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया

प्रधानमंत्री ने कहा, पिछली सरकारों ने इस समस्या पर कभी ध्यान नहीं दिया. लेकिन, आज पैक्स के जरिए इस समस्या का समाधान किया जा रहा है. इस पहल पर 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे. मोदी ने कहा कि विशाल भंडारण सुविधाओं के निर्माण से किसान अपनी उपज को गोदामों में रखने, इसके बदले संस्थागत ऋण लेने और अच्छी कीमत हासिल करने में सक्षम होंगे.

पैक्स का कम्प्यूटरीकरण किया जाएगा

मोदी ने यह भी कहा कि बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम में संशोधन किया गया है और पैक्स का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है. प्रधानमंत्री ने देश भर में 18,000 पैक्स के कम्प्यूटरीकरण के लिए एक परियोजना का भी उद्घाटन किया. किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि छोटे किसान उद्यमी बन रहे हैं और यहां तक कि अपनी उपज का निर्यात भी कर रहे हैं. उन्होंने कहा, हमने 10,000 एफपीओ स्थापित करने का लक्ष्य रखा था. हम पहले ही 8,000 एफपीओ स्थापित कर चुके हैं. उनकी सफलता की चर्चा अब वैश्विक स्तर पर हो रही है. मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्र भी सहकारी समितियों से लाभान्वित हो रहे हैं. प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहकारी समितियों को उन वस्तुओं की एक सूची बनानी चाहिए, जिनका भारत आयात करता है और उन्हें स्थानीय स्तर पर उत्पादित या निर्मित करने की योजना बनानी चाहिए. उन्होंने कहा कि सहकारी संगठन खाद्य तेल, उर्वरक और कच्चे तेल के आयात को कम करने में मदद कर सकते हैं.

एथनॉल में हम बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं

मोदी ने कहा, ईंधन आयात को कम करना होगा. एथनॉल में हम बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं. एथनॉल का उत्पादन काफी बढ़ गया है. इससे पहले, सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना भारत के 100 प्रतिशत अनाज भंडारण की क्षमता बनाने में मदद करेगी. उन्होंने कहा कि आगामी आम चुनाव से पहले 30,000 और पीएसीएस का कम्प्यूटरीकरण पूरा हो जाएगा. उन्होंने कहा कि यह सहकारी क्षेत्र को पुनर्जीवित करने और छोटे तथा सीमांत किसानों को सशक्त बनाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है. शाह ने कहा कि 2,500 करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय के साथ 65,000 पैक्स के कम्प्यूटरीकरण की परियोजना को मंजूरी दी गई है.

उप्र पुलिस भर्ती परीक्षा निरस्त

फिर से परीक्षा कराने के आदेश

भाषा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को राज्य के विभिन्न जिलों में 17 और

18 फरवरी को हुई पुलिस भर्ती परीक्षा को निरस्त कर दिया है और छह माह के भीतर पुनः परीक्षा कराने के आदेश दिये हैं. इस बीच मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा बीते 11 फरवरी को आयोजित की गई समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 से जुड़ी शिकायतों की भी जांच कराने का निर्णय लिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यह फैसला किया. मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उप्र पुलिस आरक्षी (सिपाही) के पदों पर चयन के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा-2023 को निरस्त करने तथा आगामी छह माह के भीतर ही पुनः परीक्षा कराने के आदेश दिए गये हैं. इसी संदेश में उन्होंने कहा कि परीक्षाओं की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता. युवाओं की मेहनत से खिलवाड़ करने वाले किसी भी दशा में बख्शे नहीं जाएंगे.

कर्नाटक में दुर्घटना में छह लोगों की मौत

बेलगावी (कर्नाटक)। कर्नाटक के बेलागावी जिले से लगभग 90 किलोमीटर दूर दत्त जंबोटी रोड पर हुई दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को हुई दुर्घटना में पांच लोगों की घटनास्थल पर जबकि एक अन्य की अस्पताल में मौत हो गई. पुलिस के अनुसार एक कार ने खड़े हुए दोपहिया वाहन और फिर एक अन्य दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, खड़े हुए वाहन के पास मौजूद दो लोगों को गंभीर चोट आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, उनमें से हनमंत मलप्पा माल्यागोल नामक व्यक्ति की अस्पताल में मृत्यु हो गई. पुलिस ने कहा कि अन्य मृतकों की पहचान एकनाथ भीमप्पा पदतारी (22), मल्लिकार्जुन रामप्पा मराठे (16), आकाश रामप्पा मराठे (14), लक्ष्मी रामप्पा मराठे (19) और नागपा लक्ष्मण यादवन्नावर (48) के रूप में हुई है. मुर्गोड पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है.

पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

सुकमा । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है. पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है. उन्होंने बताया कि भेज्जी थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना पर डीआरजी के जवानों को गश्त पर रवाना किया गया था. सुरक्षाबल के जवान जब बुर्कलंका गांव के करीब पहुंचे तब नक्सलियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी. इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की.

हल्द्वानी के बनभूलपुरा कांड

हिंसा का मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक दिल्ली से गिरफ्तार

भाषा। नयी दिल्ली

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुई हिंसा का मास्टर माइंड अब्दुल मलिक गिरफ्तार हो गया है. हिंसा के आरोपी अब्दुल मलिक के वकील अजय बहुगुणा और शलभ पांडे का दावा है कि उत्तराखंड पुलिस ने उसे दिल्ली से गिरफ्तार किया है. 8 फरवरी को बनभूलपुरा हिंसा के बाद अब्दुल मलिक फरार चल रहा है. मलिक की गिरफ्तार की बाद जमानत याचिका दाखिल की गई है. सेशन कोर्ट में हल्द्वानी एडीजे फर्स्ट की कोर्ट में अब्दुल मलिक की अग्रिम जमानत याचिका दाखिल हुई है. मलिक के वकील ने यह अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है. वहीं 27 फरवरी को अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई होगी. बता दें कि हाल ही में हल्द्वानी हिंसा के मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक और उसकी

पत्नी सहित छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी करने और आपराधिक साजिश रचने का एक मामला भी दर्ज किया गया था. हिंसा के बाद से मलिक फरार चल रहा था और पुलिस ने उसकी प्रॉपर्टी को भी कुर्क किया था.

नैनीताल पुलिस ने मुख्य आरोपियों के पोस्टर जारी किए गए थे. जिसमें 9 उपद्रवियों की पहचान की गई थी, जिनमें, अब्दुल मलिक (मास्टरमाइंड), तस्लीम, वसीम, अयाज अहमद, अब्दुल मोईद, रईस उर्फ दत्तू, शकील अंसारी, मौकिन सैफी और जिया उल रहमान के नाम शामिल था.

इंफाल में विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत

इंफाल । मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले में संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) धमाके से एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. घटना शुक्रवार रात डीएम कॉलेज परिसर में हुई. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ओइनाम केनेगी (24) नामक व्यक्ति की अस्पताल में मौत हो गई, वहीं घटना में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति का अस्पताल में इलाज जारी है. अब तक किसी संगठन ने धमाके की जिम्मेदारी नहीं ली है. इस बीच अज्ञात व्यक्तियों ने इंफाल वेस्ट जिले के लाम्फेलपट में नागरिक संस्था से जुड़े संगठन 'यूनाइटेड कमेटी मणिपुर' (यूसीएम) के कार्यालय में आग लगा दी. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में अज्ञात लोगों ने शुक्रवार रात पौने एक बजे इंफाल ईस्ट जिले में एक स्कूल के प्रशासनिक प्रकोष्ठ में तोड़-फोड़ की और उसमें आग लगा दी. उन्होंने बताया कि आग ने परिसर में खड़े एक वाहन को भी अपनी चपेट में ले लिया.

पश्चिम बंगाल में टीएमसी-कांग्रेस गठबंधन तय

टीएमसी ने कांग्रेस को पांच सीटें देने पर हुई राजी

- कांग्रेस टीएमसी को मेघालय में तूरा सीट देने को तैयार है वहीं असम में भी कांग्रेस टीएमसी के लिए एक सीट छोड़ेगी

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के बीच 'इंडिया' गठबंधन के तहत सीट बंटवारे का हल निकाल लिया गया है. सूत्रों ने शनिवार को जानकारी दी है कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी कांग्रेस के लिए पांच सीटें छोड़ेगी. टीएमसी कांग्रेस को जो सीटें देने को राजी हुई है, उनमें दार्जिलिंग, रायगंज, दक्षिण माल्दा, बहरामपुर और पुरुलिया शामिल हैं.

सूत्रों के मुताबिक, इसके अलावा मेघालय और असम का भी हल निकाल लिया गया है. कांग्रेस टीएमसी को मेघालय में तूरा सीट देने को तैयार है. असम में भी कांग्रेस टीएमसी के लिए एक सीट छोड़ेगी. इससे पहले सीट बंटवारे के मुद्दे पर दोनों पार्टियों के बीच संघर्ष की स्थिति देखी गई थी क्योंकि टीएमसी ने कांग्रेस को केवल दो सीटें ऑफर की थी. उससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने यह भी कहा था कि राज्य में उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी. इससे उनके इंडिया अलायंस से अलग होने की अटकलें जोर से लगाई गई थीं.

टीएमसी अकेले सभी 42 लोस सीटों पर लड़ेगी चुनाव : ओ ब्रायन

नयी दिल्ली/कोलकाता । पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस राज्य की सभी 42 लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी. यह बात टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कही. लेकिन कांग्रेस अब भी आश्वस्त है कि ममता बनर्जी की टीएमसी से गठबंधन पर बात हो जायेगी. इस संबंध में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, टीएमसी से हमारी बातचीत जारी है. ममता बनर्जी ने भी भाजपा को हराना पहला मकसद बताया है. कहा कि. तू-तू मैं-मैं तो होती रहती है. उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस ने ही ममता बनर्जी को पहली बार सांसद बनाया था. जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस के दरवाजे टीएमसी के लिए सदा के लिए खुले हुए हैं. उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का कांग्रेस सम्मान करती हैं. रमेश का कहना था कि नीतीश कुमार और आरएलडी को छोड़कर इंडिया ब्लॉक में शामिल सभी 26 पार्टियां एकजुट हैं. शुरुआत में कहा जा रहा था कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी और कांग्रेस के बीच गठबंधन तय हो गया है. टीएमसी 36 सीटों पर कांग्रेस 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी.

माघ पूर्णिमा : हर-हर गंगे के उद्घोष से संगम नगरी गुंजायमान हो गया

18.60 लाख लोगों ने संगम में लगायी डुबकी

भाषा। प्रयागराज (उत्तरप्रदेश)

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संगम नगरी में माघ मेला लगा है. मेले के पंचम स्नान पर्व बसंत पंचमी पर सुबह 10 बजे तक लगभग 18.60 लाख लोगों ने गंगा और पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगायी. हर-हर गंगे के उद्घोष से संगम नगरी गुंजायमान हो गया. इस स्नान के साथ ही लोग महीने भर का कल्पवास पूरा कर अपने अपने घरों को लौटने लगे हैं.

माघ मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि ठंड रहने के बावजूद महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग समेत करीब 18.60 लाख लोगों ने स्नान किया. बताया कि श्रद्धालुओं

के स्नान के लिए घाटों की लंबाई 6,800 फुट से बढ़ाकर 8,000 फुट कर दी गयी है. संगम नगरी में कुल 12 घाट बनाये गये हैं. सभी घाटों पर कपड़े बदलने के लिए पर्याप्त सुविधा उपलब्ध करायी गयी है.

महीने भर का कल्पवास पूरा कर अपने घर लौटने लगे लोग

पुलिस उप महानिरीक्षक (माघ मेला) राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किये गये हैं. पूरे क्षेत्र में 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और कई एआई आधारित कैमरे लगाये गये हैं. संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नजर आने पर त्वरित कार्रवाई भी की जा रही है. मेला क्षेत्र में एटीएस, आरएएफ, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें, महिला पुलिसकर्मी, घुड़सवार पुलिस और बम निरोधक दस्ते) तैनात हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)